स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.2°C
न्यूनतम तापमान 24.0°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.52

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन... ▸▸ 10

मनरेगा में धांधली करने वाले उपयंत्री पर बड़ी कार्रवाई... ▸▸ 2

ट्रंप की ईरान बैठक बेनतीजा खत्म नहीं हो... ▸▸ 7

नौतपा की अग्नि परीक्षा में तप की ज्योति... ▸▸ 9

राजस्थान : बवंडर ने ढका आसमान, दिन में गाड़ियों की लाइट्स ऑन

जयपुर। राजस्थान से शनिवार को रेतीले तूफान की डराने वाली दो अलग-अलग जिलों से तस्वीर सामने आई है, पहली तस्वीर राजस्थान के चूरू जिले से सामने आई है, वहीं दूसरी तस्वीर बीकानेर जिले से सामने आई है। राजस्थान के चूरू और बीकानेर में शनिवार को बदले मौसम ने दिन में ही लोगों को रात अहसास करा दिया। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के चूरू शनिवार की दोपहर एक अलग- अलग नजारा देखने को मिला है। चूरू में शनिवार दोपहर मौसम ने अचानक ऐसी करवट ली कि दिन में ही अंधेरा छा गया। तेज धूल भरी आंधी और धूल के विशाल बवंडर ने पूरे आसमान को ढक लिया, जिससे कुछ देर के लिए हालात रात जैसे नजर आने लगे। बताया गया कि शनिवार की दोपहर करीब दो बजे उठी तेज आंधी के कारण दृश्यता काफी कम हो गई। सड़कों पर चल रहे वाहनों की रफ्तार थम गई और वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा। धूल का गुबार इतना घना था कि कुछ मीटर की दूरी तक देख पाना भी मुश्किल हो गया।

कमोबेश इसी तरह की तस्वीर राजस्थान के बीकानेर जिले से भी शनिवार को सामने आई है। बीकानेर में आज दोपहर के वक्त एक जबरदस्त तूफान ने धूल की एक विशाल दीवार खड़ी कर दी। आलम यह हुआ कि लोगों की दृश्यता धूल के गुबार की वजह से घट गई। धूल भरी आंधी के कारण दृश्यता काफी कम हो गई थी, जिस कारण वाहन चालकों का वाहनों की लाइटें भी जलानी पड़ गईं।

उत्तर प्रदेश में 16 लोगों की मौत

नौतपा की तपती गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में तेज आंधी, बारिश और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। लखनऊ समेत पश्चिमी, पूर्वी और तराई क्षेत्रों के कई जिलों में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ। अलग-अलग हादसों, बिजली गिरने और बाढ़ जैसी स्थितियों में प्रदेशभर में 16 लोगों की मौत हो गई। कई इलाकों में पेड़, टिनशेड और बिजली के खंभे गिरने की जानकारी सामने आई। प्रदेश में सबसे अधिक 10 मौतें बुंदेलखंड क्षेत्र में दर्ज की गईं। बांदा और हमीरपुर में तीन-तीन लोगों की जान गई। इसके अलावा रायबरेली, अंबेडकरनगर, कौशांबी, प्रतापगढ़, आजमगढ़, बलिया, भदोही, देवरिया, आगरा, मथुरा, उन्नाव और फतेहपुर समेत कई जिलों में भी मौतों की सूचना प्रशासन को मिली है, जिसकी जांच जारी है। इस बीच, सहारनपुर के शाकंभरी देवी क्षेत्र में पहाड़ियों से आए तेज जलप्रवाह की चपेट में आकर दो महिलाओं की मौत होने की खबर भी सामने आई है।

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप इन दिनों भारत दौरे को लेकर चर्चा में हैं। टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बाओलोस के साथ राजधानी दिल्ली स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर पहुंची। इस दौरान दोनों ने मंदिर परिसर की सुंदर वास्तुकला, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक माहौल का अनुभव लिया। टिफनी ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्षरधाम मंदिर परिसर से अपनी कुछ फोटो शेयर की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अक्षरधाम मंदिर का अविश्वसनीय दौरा।

एक भी परीक्षा बिना गड़बड़ी के नहीं कराई जा रही: राहुल

सीयूईटी-यूजी परीक्षा में खामी को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा को लेकर इस वक्त की सबसे बड़ी, सनसनीखेज और तीखी राजनीतिक खबर सामने आ रही है। आज आयोजित हुई कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-यूजी यानी सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा के दौरान देश के कई सेंटर्स पर भारी हंगामा और अव्यवस्था देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक, सुबह की शिफ्ट का पेपर अपने तय समय पर शुरू न होने के कारण परीक्षा केंद्रों पर बेहद तनावपूर्ण माहौल बन गया, जिसने अब एक बहुत बड़ा सियासी रूप अख्तियार कर लिया है। हाल के महीनों में नीट, सीबीएसई और एसएससी जैसी बड़ी राष्ट्रीय परीक्षाओं से जुड़े विवादों के बाद आज की इस घटना ने देश

की पूरी परीक्षा प्रणाली और छात्र सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर विधिक सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बड़े कुप्रबंधन के सामने आते ही देश की सियासत पूरी तरह से गरमा गई है और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर मोर्चा खोलते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए लिखा कि 'दावे विश्वगुरु के हैं, मगर देश में एक परीक्षा भी ईमानदारी से नहीं करवाई जा सकती।' विपक्षी नेता राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए साफ कहा कि चार बड़े एग्जाम्स और एक करोड़ से ज्यादा बच्चों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है; उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया कि जिस युवा पीढ़ी का भविष्य आज बर्बाद किया जा रहा है, वही पीढ़ी आने वाले समय में इस मंदी और बर्बादी का पूरा हिसाब कड़ाई से चुकता करेगी।

एनटीए ने बयान जारी कर दी सफाई

इस अभूतपूर्व हंगामे और राजनीतिक हमलों के बीच परीक्षा का संचालन कर रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने तुरंत एक आधिकारिक स्पष्टीकरण पत्र जारी कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया है। जानकारी के मुताबिक, एनटीए ने अपनी सफाई में स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर उत्पन्न हुई इस अव्यवस्था के पीछे कोई मानवीय चूक या पेपर लीक जैसी बात नहीं थी, बल्कि तकनीकी पार्टनर कंपनी टीसीएस के एंड पर अचानक आई एक गंभीर तकनीकी गड़बड़ी इसकी मुख्य वजह थी। एजेंसी के मुताबिक, इस अप्रत्याशित तकनीकी गड़बड़ी के कारण सर्वर अचानक डाउन हो गया था जिससे कंप्यूटर स्क्रीन पर प्रश्नपत्र अपलोड होने में भारी मंदी आ गई थी। हालांकि समय रहते विशेषज्ञों की टीम ने इस सिस्टम फॉल्ट को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया था, जिसके बाद सभी प्रभावित सेंटर्स पर परीक्षा को दोबारा विधिक रूप से शुरू कराया जा सका।

छात्रों को मिलेगा अतिरिक्त समय

इस सनसनीखेज घटना के अंतिम व्यावहारिक और विधिक निष्कर्षों को देखें, तो केंद्र सरकार पर निशाना साधा जाने के बाद प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। छात्रों और अभिभावकों को हुई भारी मानसिक परेशानी के लिए एनटीए ने सार्वजनिक रूप से गहरा खेद प्रकट किया है और किसी भी प्रकार की शंका के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर 91-11-40759000 तथा आधिकारिक ईमेल आईडी जारी कर दी है। अधिकारियों ने कड़ाई से भरोसा दिलाया है कि इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण जिन भी केंद्रों पर समय का नुकसान हुआ है, वहां के सभी अभ्यर्थियों को पूरा 'कंपनसेटरी टाइम' यानी अतिरिक्त समय दिया जा रहा है ताकि किसी का भी नुकसान न हो; गौरतलब है कि 11 मई से शुरू हुई यह विस्तृत सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा आगामी 31 मई 2026 तक अलग-अलग शिफ्टों में आयोजित की जानी है, जिसके शांतिपूर्ण संचालन के लिए अब चप्पे-चप्पे पर विधिक निगरानी बढ़ा दी गई है।

चेन्नई।

मद्रास हाईकोर्ट ने हिंदू मंदिरों में पैसे देकर होने वाले 'वीआईपी दर्शन' को पूरी तरह गलत और भेदभावपूर्ण बताया है। कोर्ट तर्क दिया कि चर्च और मस्जिदों में ऐसी कोई प्रथा नहीं अपनाई जाती, तो फिर मंदिरों में ऐसा क्यों हो? दरअसल, जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन और जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायणन की वेकेशन बेंच ने कहा, मंत्रियों और विधायकों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी भी समय मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं और भगवान उनका इंतजार कर रहे होंगे।

आखिर हमें वीआईपी दर्शन की जरूरत ही क्यों है? भगवान की नजर में सभी समान हैं। कोर्ट ने सरकार की उस दलील को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि वीआईपी दर्शन बंद करने से मंदिरों को राजस्व का नुकसान होगा। अदालत ने साफ किया कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों, बुजुर्गों और दिव्यांगों को छोड़कर आम भक्तों के बीच इस तरह का भेदभाव तुरंत बंद होना

मद्रास हाईकोर्ट ने मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर उठाए सवाल

चाहिए। पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और संवैधानिक अधिकारियों को छोड़कर मंदिरों में 'वीआईपी दर्शन' और 'विशेष दर्शन' को पूरी तरह से समाप्त करने की मांग की गई थी।

विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी पी. चोकलिंगम द्वारा दायर जनहित याचिका में मानव संसाधन एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग के अधीन मंदिरों में प्रचलित 'वीआईपी दर्शन' की प्रथा को समाप्त करने की मांग की गई है। पिछली सुनवाई के दौरान, अवकाशकालीन पीठ ने यह जानने की कोशिश की कि क्या तिरुप्पारनकुंड्रम मंदिर के अधिकारियों ने नए मंत्री आर निर्मलकुमार और उनके सहयोगियों को दर्शन सुनिश्चित करने के लिए मंदिर को निर्धारित समय से अधिक खुला रखकर नियमों का कोई उल्लंघन किया था। सरकार ने बताया कि मंत्री के दौरे के दौरान किसी भी आगम नियम का उल्लंघन नहीं हुआ। इस दलील को दर्ज करते हुए पीठ ने टिप्पणी की कि मंत्रियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे कानून से ऊपर हैं और देवता उनका इंतजार कर रहे होंगे।

लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं पत्रकार: साय

रायपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम कर सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री साय शनिवार को राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव' को संबोधित कर रहे थे।

धार में मिनी अवैध हथियार फैक्ट्री का पर्दाफाश

धार (वार्ता)। मध्य प्रदेश के धार जिले में अवैध हथियारों के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गंधवानी पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गंधवानी के समीप बारिया गांव में चल रही एक मिनी अवैध हथियार फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में हथियार और उन्हें बनाने की सामग्री जब्त कर मौके से एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

आज आसमान में नजर आएगा साल का सबसे छोटा चांद ब्लू माइक्रोमून

भोपाल। आकाशीय घटनाओं को देखने के शौकीनों के लिए आज की रात विशेष रहने वाली है। विज्ञान प्रसारक सारिका घारू के अनुसार रविवार की रात वर्ष 2026 का सबसे छोटा पूर्ण चंद्र दिखाई देगा। इसे ब्लू माइक्रोमून कहा जाता है। यह एक दुर्लभ खगोलीय संयोग है।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी में: आर्मी चीफ

तीनों सेनाएं 24 घंटे तैयारी कर रहीं, अभी केवल संघर्ष विराम

नई दिल्ली। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा, भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की तैयारी कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की हरकतों के जवाब में सेना ने जो रुख अपनाया था, वह अभी भी कायम है। सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और मौजूदा हालात को दुश्मनी में अस्थायी विराम बताया। जनरल द्विवेदी ने पाकिस्तान का सीधे तौर पर नाम लिए बिना भारत की सैन्य तैयारियों जिक्र करते हुए एक कड़ा संदेश दिया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर कोई नया ऑपरेशन जरूरी हो जाता है तो न केवल

सेना, बल्कि वायुसेना और नौसेना भी पूरी तरह तैयार हैं। सेना प्रमुख ने कहा, भारतीय सेना और तीनों सेनाएं ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए अच्छी तैयारी कर रही हैं, अगर ऐसा होता है तो। फिलहाल, हम तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं और अगले युद्ध के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। पिछले साल भारत ने 7 और 8 मई, 2025 की दरमियानी रात को पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के कड़े जवाबी सैन्य कदम के तौर पर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जहां पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादियों ने सुरम्य बैसरन घाटी में गोलीबारी की थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

रहना होगा बहुत सतर्क

उन्होंने आगे कहा, युद्ध का मैदान इतना खुला है कि हर हरकत की जानकारी दूसरी तरफ वालों को होती है। इसलिए, हमें अपनी तैनाती, इस्तेमाल और अपने सैनिकों के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा के मामले में बहुत ज्यादा सतर्क रहना होगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी सफल होता है, जब यह पूरे देश को एक साझा नैरेटिव के पीछे एकजुट कर दे। उन्होंने कहा, सूचना युद्ध तभी सफल होता है जब पूरा देश एकजुट हो जाए और उन लोगों पर भरोसा करे जो जानकारी दे रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि जो देश एक-दूसरे पर और इन सभी हितधारकों पर भरोसा करता है, वह हमेशा युद्ध जीतेगा।

सिटीजन फीडबैक में देश में प्रथम स्थान पर मध्यप्रदेश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को धरातल पर अक्षरशः चरितार्थ करने तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में पुनः एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत संचालित देशव्यापी सिटीजन फीडबैक अभियान में, वर्ष 2011 की जनगणना के मानदंडों के आधार पर, मध्यप्रदेश समस्त राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में देश में प्रथम स्थान पर रहा है। प्रदेश के 35.69 लाख से अधिक जागरूक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यमों से अपनी सहभागिता दर्ज कराकर न केवल स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है, अपितु यह भी सिद्ध कर दिया है कि डिजिटल इंडिया के युग में मध्यप्रदेश के नागरिक

स्वच्छता और डिजिटल इंडिया के क्षेत्र में प्रदेश का अभूतपूर्व कीर्तिमान

तकनीकी रूप से आगे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और अथक परिश्रमी सफाई मित्रों का अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की अटूट जागरूकता और विभागीय अमले की कर्तव्यनिष्ठता के समन्वय से ही प्रदेश स्वच्छता के उच्च शिखर पर निरंतर गतिमान है। राज्य स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की टीम द्वारा इस वर्ष एक अनूठी 360 डिग्री रणनीति का क्रियान्वयन किया गया।

वियतनाम खरीदेगा भारत से ब्रह्मोस

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत के रक्षा निर्यात और दक्षिण-पूर्व एशिया में रणनीतिक पहुंच से जुड़े एक बड़े घटनाक्रम में फिलीपींस के बाद अब वियतनाम ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जबकि इंडोनेशिया के साथ इस संबंध में बातचीत अंतिम चरण में है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज द्वारा आयोजित 23वें

शांग्री-ला डायलॉग में एक पैनल चर्चा के दौरान यह बात कही। इस समझौते से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का पता चलता है। श्री सिंह ने दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रह्मोस मिसाइल के संभावित खरीदारों के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण विश्वास और रणनीतिक साझेदारियों पर आधारित होता है। उन्होंने कहा , जैसा हमने बताया था फिलीपींस इसका पहला खरीदार था। रक्षा सहयोग के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, कोई भी देश अपने अधिक उन्नत हथियार और प्लेटफॉर्म उन देशों को बेचेगा जो मित्र विदेशी देश हैं। आप इसे किसी विरोधी या ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं बेचेंगे जो इसे किसी विरोधी को दे सकता हो। श्री सिंह ने कहा, मेरी समझ से, इंडोनेशिया और वियतनाम दोनों के साथ समझौता अंतिम चरण में है।

'अतिरिक्त सिलेंडर तुरंत करें सरेंडर'

कल से लागू होगा 'एक घर, एक एलपीजी कनेक्शन' नियम

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने गैस कंट्रोल ऑर्डर में संशोधन कर साफ कर दिया है कि एक घर (हाउसहोल्ड) में केवल एक एलपीजी कनेक्शन ही रखा जा सकता है। एक से अधिक एलपीजी कनेक्शन रखना अब पूरी तरह प्रतिबंधित है। भारतीय तेल कंपनियों एचपीसीएल, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने संयुक्त रूप से जारी सार्वजनिक सूचना में उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर कर दें। एक जून से इस नियम पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीएनजी उपयोगकर्ताओं

के लिए नई छूट का ऐलान भी किया गया है जिसके तहत पीएनजी कनेक्शन लेने के 30 दिनों के अंदर एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना होगा। या फिर ट्रांसफर वाउचर ले सकते हैं, जिससे भविष्य में पीएनजी उपलब्ध न होने वाले क्षेत्र में एलपीजी कनेक्शन दोबारा सक्रिय कराया जा सकेगा।

क्यों लिया गया यह फैसला?

इस तरह का फैसला जरूरतमंद परिवारों को नया एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा सब्सिडी वाले सिलेंडरों का दुरुपयोग और ब्लैक मार्केटिंग रोकने के मकसद से लिया गया है। साथ ही पीएनजी जैसी स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना भी इस फैसले के पीछे एक प्रमुख वजह है। तीनों तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और अपने डिस्ट्रीब्यूटर से संपर्क कर अतिरिक्त कनेक्शन को सरेंडर करने की प्रक्रिया पूरी करें। यह प्रक्रिया ऑनलाइन भी की जा सकती है।

यह हैं मुख्य नियम

- एक परिवार (पति, पत्नी, विवाहित बच्चे और आश्रित माता-पिता) में एक ही रसोई के साथ केवल एक एलपीजी कनेक्शन ही वैध होगा।
- अतिरिक्त कनेक्शन रखने पर गैस सप्लाई बंद की जा सकती है। सप्लाई तभी बहाल होगी जब सभी अतिरिक्त कनेक्शन सरेंडर कर दिए जाएंगे।
- अगर अतिरिक्त कनेक्शन सरेंडर करने के बाद सिर्फ एक बचता है, तो उसे डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदला जा सकता है।
- पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा।

पूजा के लिए जा रहे ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 6 की दर्दनाक मौत

कमिश्नर ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने की सूचना मिलने पर देर रात्रि मेडिकल कॉलेज पहुंचकर उपचाररत घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर से बेहतर और उच्च स्तरीय इलाज मुहैया कराया जाए। साथ ही कमिश्नर ने घायल व्यक्तियों के परिजनों को ढांढस भी बंधाया।

कमिश्नर ने इस दुखद घटना में मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। ज्ञात हो कि जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम बिजौरा, सरई चौकी, थाना कारणपठार अनूपपुर और उमरिया जिले की सीमा पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हादसा हुआ। सभी ग्रामवासी पड़मनिया से पूजा-अर्चना के लिए ग्राम बिजौरा जा रहे थे। इस दुखद हादसे में 6 लोगों की मृत्यु हो गई है, वहीं 22 घायलों का मेडिकल कॉलेज शहडोल में उपचार रत है। इस दुखद हादसे में मृतको के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख एवं संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

जिला चिकित्सालय में गूंजी तंबाकू मुक्त जीवन की प्रतिज्ञा

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में विश्व तंबाकू निशेध दिवस के उपलक्ष्य में 25 मई से 31 मई तक निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी अनुक्रम में जिला चिकित्सालय परिसर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ की उपस्थिति में तंबाकू का सेवन न करने की शपथ दिलाई गई। डॉ. पुनीत श्रीवास्तव ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक 500 से अधिक लोगो की काउंसलिंग की गई तथा उन्हें निकोटिन रिस्लेसमेंट थैरेपी के लिए च्यूइंगम खिलाया गया एवं 7 व्यक्तियो द्वारा तंबाकू सेवन छोड़ दिया गया एवं जिला जिला चिकित्सालय परिसर में तंबाकू का सेवन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 16000 रूपये का अर्थदंड लगाया गया। इस अवसर पर डॉ. सीजा जान, डॉ. वैभवी तिवारी, नितिन मंगलानी सहित अन्य चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉप उपस्थित रहें।

घर में घुसकर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोटरसाइकिल सहित 2 मोबाइल जप्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

फरियादी लालजी बैगा पिता लल्ला बैगा उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम बण्डी खुर्द द्वारा थाना धनपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 12 मई की रात्रि में अज्ञात व्यक्ति उसके घर में प्रवेश कर दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक पर्स जिसमें 12,000 रुपये नगद रखे थे तथा घर के आंगन में खड़ी मोटर साइकिल हीरो एच.एफ. डीलक्स चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना धनपुरी में अपराध धारा बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। थाना धनपुरी पुलिस द्वारा साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्धों की तलाश की गई। विवेचना के दौरान आरोपी सोमनाथ बैगा पिता रामचरण बैगा उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम लालपुर मौहारटोला थाना बुढ़ार, हाल ससुराल ग्राम देवगवां नवीन थाना खैरहा जिला शहडोल को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के कब्जे से चोरी गई मोटर साइकिल हीरो एच.एफ. डीलक्स तथा चोरी किए गए दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद कर विधिवत जप्त किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में मछुआ कल्याण समिति की बैठक

समिति स्तर पर मत्स्य उत्पादन तथा इससे होने वाली आय में बढ़ोतरी के संबंध में की गई समीक्षा

सिंगरौली। गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मछुआ कल्याण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करने के पश्चात निर्देश दिए कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योत्पादन नीति के अंतर्गत केज कल्चर निर्माण के साथ-साथ मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना एवं मत्स्य संपदा योजना (धरती आबा) के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। वहीं मछुआ समितियों को बैंक केसीसी कार्ड उपलब्ध कराने हेतु मत्स्य एवं वित्त विभाग आपसी समन्वय बनाकर समितियों को आवश्यक क्रेडिट उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने मछली पालन हेतु चिह्नित किए गए जलाशयों एवं तालाबों की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए तालाबों की मरम्मत एवं गहरीकरण कराया जाए। तालाबों के आसपास किए गए अतिक्रमणों को राजस्व विभाग के सहयोग से हटाने की कार्रवाई करें। ऐसे नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के तालाब जो अनुपयोगी हैं, उनका सर्वे कर उन्हें चिह्नित करें।

ऐसे तालाब जिनमें मत्स्य पालन हेतु पट्टों की विज्ञप्ति पंचायतों द्वारा जारी नहीं की गई है, उनमें मत्स्य विभाग संबंधित क्षेत्र के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद से संपर्क कर विज्ञप्ति जारी कराए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्र के उपखंड अधिकारी, मत्स्य विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से समन्वय बनाकर तालाब के पानी के सैंपल लेकर उसकी शुद्धता की जांच कराएं, ताकि मछली उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।बैठक में समिति के सदस्यों ने मछली बीज की उपलब्धता में हो रही परेशानियों से कलेक्टर को अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में सीएसआर मद से कृषि विज्ञान केंद्र में 17 लाख रुपये की लागत से हैचरी का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे शीघ्र ही जिले में ही सुगमता के साथ मछली के बीज उपलब्ध हो सकेंगे।

350 किलोग्राम गांजा एवं दो वाहन को पुलिस ने किया जप्त, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 350.500 किलोग्राम गांजा, दो चार पहिया वाहन एवं दो मोबाइल फोन जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो, चार पहिया वाहनों में भारी मात्रा में गांजा भरकर जनकपुर रोड बाईपास जयसिंहनगर मार्ग से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा तत्काल नाकाबंदी कर वाहन चेकिंग प्रारंभ की गई। चेकिंग के दौरान एक स्विफ्ट कार क्रमांक डी एल 2 सीएवाई 6564 एवं उसके पीछे चल रही इनोवा कार क्रमांक एमएच 04 डीजे 7017 को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर इनोवा वाहन में सवार दो व्यक्ति तथा स्विफ्ट कार का चालक जंगल की ओर भाग गए। स्विफ्ट कार में बैठे एक व्यक्ति को पुलिस ने मौके पर पकड़ लिया, जिसने अपना नाम राहुल कुमार चर्मकार पिता राकेश कुमार चर्मकार उम्र 20 वर्ष निवासी प्रतापपुर, थाना अदलहट, जिला मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) बताया। वाहनों की तलाशी लेने पर स्विफ्ट कार से 02 बोरियों में भरा कुल 102 किलोग्राम गांजा तथा इनोवा वाहन से 05 बोरियों में भरा कुल 248.500 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों वाहनों से कुल 350.500 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पूछताछ एवं आरोपी के मेमोरेण्डम के आधार पर प्रकरण में कन्हैया जायसवाल निवासी चंदेला, जोगेन्द्र उर्फ जोगेन्द्र ठाकुर निवासी चंदेला तथा नीरज निवासी गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) की संलिप्तता सामने आई है, जिनकी तलाश की जा रही है। मादक पदार्थ गांजा 350.500 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 35 लाख 05 हजार रुपये, स्विफ्ट कार क्रमांक डी एल 2 सीएवाई 6564 अनुमानित कीमत 06 लाख रुपये, इनोवा कार क्रमांक एमएच 04 डीजे 7017 अनुमानित कीमत 20 लाख रुपये, 2 नग मोबाइल फोन अनुमानित कीमत 07 हजार रुपये, दोनों वाहनों से एक-एक अतिरिक्त नंबर प्लेट भी बरामद की गई। जप्त संपत्ति का कुल अनुमानित मूल्य 61 लाख 12 हजार रुपये है। आरोपी राहुल कुमार चर्मकार को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध तथा फरार आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जिले में हादसों का कहर: ट्रक में जा घुसी कार अलग-अलग दुर्घटनाओं में 1 की मौत, 7 घायल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में शुक्रवार को हुए अलग-अलग सड़क हादसों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। शहपुरा सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार जारी है। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शहपुरा थाना क्षेत्र में कृष्णा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कार पहले दूसरी कार से टकराई और इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों एवं पुलिस की सहायता से दोनों घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है।इसी दौरान जिले के सागरटोला, झनकी, करोंदी और बजाग क्षेत्र में भी अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों का इलाज जिला अस्पताल डिंडौरी में तो कुछ का बजाग अस्पताल में किया जा रहा है।लगातार सामने आ रहे सड़क हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन चलाते समय बरती गई लापरवाही को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण माना जा रहा है। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा हादसों के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मनरेगा में धांधली करने वाले उपयंत्री पर बड़ी कार्रवाई, जिला पंचायत ने किया बर्खास्त

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) शुक्रवार को जिला पंचायत सी ई ओ दिव्यांशु चौधरी ने डिंडोरी जनपद में पदस्थ संविदा इंजीनियर के खिलाफ वित्तीय अनियमितता, लापरवाही और शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है । जिला स्तरीय कमेटी की जांच में उपयंत्री पर कुल 9,96,449 रुपये की वित्तीय अनियमितता साबित हुई है । विभागीय आदेश के अनुसार, उपयंत्री धूमकेती ने मनरेगा के नियमों को ताक पर रखकर ग्राम पंचायत पौण्डी माल और नयेगांव रैयत में 27.95 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत तीन परकुलेशन टैंकों का निर्माण शासकीय भूमि के बजाय ग्रामीणों की निजी स्वामित्व वाली जमीनों पर करवा दिया । इस मामले में उनसे 5,59,000 रुपये की वसूली योग्य राशि तय की गई है । इसके अलावा, ग्राम पंचायत पड़रियाकला में नाला विस्तारीकरण कार्य के दौरान वर्षाकाल में मजदूरों के नाम पर बिना कार्य कराए नियम विरुद्ध तरीके से राशि का आहरण किया गया, जिसमें न्यायालय विहित प्राधिकारी द्वारा 2,23,388 रुपये की देयता निर्धारित की गई थी । वहीं, ग्राम पंचायत पौण्डी माल में 272 मीटर सीसी रोड की जगह सिर्फ 218 मीटर सड़क का निर्माण कराया गया और कागजों पर पूरी लंबाई का मूल्यांकन कर 1,98,529 रुपये की अतिरिक्त राशि निकालने का प्रस्ताव किया गया था । लापरवाही पर गिरी गाजप्रशासन द्वारा उपयंत्री को कार्यप्रणाली में सुधार करने और समीक्षा बैठकों में समय-समय पर पर्याप्त अवसर दिए गए थे । 16 फरवरी 2026 को जारी च्कारण बताओ नोटिसज् का जो जवाब उपयंत्री ने दिया, वह पूरी तरह असंतोषजनक पाया गया । इसके बाद म.प्र. संविदा सेवा नियम 2023 और नवीन सेवा शर्त निर्देश-2025 के प्रावधानों के तहत जिला पंचायत सीईओ ने उनकी बर्खास्तगी का आदेश जारी किया।

सिंचाई की जमीनी हकीकत: हजारों करोड़ खर्च, बांध सूखे और किसान प्यासे, कागजों में 64 हजार हेक्टेयर जमी की कर दी गई सिंचाई

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसके तहत किसानों के खेतों तक सिंचाई हेतु पानी पहुंचाने के नाम हज़ारो करोड़ रुपए खर्च कर सैकड़ों बांध और डायवर्सन के निर्माण कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कराए गए हैं। लेकिन विभाग द्वारा कराए गए तमाम निर्माण कार्य महज सफेद हाथी बनकर रह गए हैं, विभाग द्वारा बनाए गए करोड़ों की संरचना ढहने की कगार पर है और कुछ संरचना सिर्फ दिखावा बनकर रह गए है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी और ठेकेदारों ने मिलकर बांध और नहर निर्माण कार्य के नाम पर जमकर खेल करते हुए शासन को पलीता लगाया है, जिसके चलते न तो बांधो में पानी रुक रहा है और न ही किसानों को सिंचाई की सुविधा.? वहीं दूसरी और विभाग के आंकड़ों में रबी और खरीब सीजन में भूमि सिंचित किए जाने का दर्ज सफेद झूठ देखा जा सकता हैं। जल संसाधन द्वारा जारी किए गए विभागीय दावों के अनुसार 97 बांध /जलाशयों से खरीब सीजन में 12764 हेक्टेयर तो वहीं खरीब सीजन में 28829 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित किया जा रहा हैं, माध्यम सिंचाई परियोजना से रबी सीजन में 36000 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है, जबकि धरातल में स्थिति बद से बदतर है।

गौर तलब है पूरे देश में आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले की पहचान आर्थिक और बुनियादी तौर पर पिछड़े जिले की तौर पर होती है, 2011 के आर्थिक और जातिगत जनगणना में डिंडौरी जिले की स्थिति पूरे देश में जगजाहिर हुई थी। पलायन, मजदूरी ,सरकारी योजनाओं और प्राकृतिक आश्रित खेती पर जिले के लोगों की अर्थव्यवस्था टिकी हुई है, यदि विभाग में दर्ज आंकड़ों के अनुसार किसानों के भूमि सिंचित किए जाते तो डिंडौरी की आर्थिक और आधुनिक विकास की तस्वीर कुछ और ही होती। जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की कमाओं खाओ कि नीति के चलते शासन की मंशा महज आंकड़ों में सिमट कर रह गई है। समूचे जिले में आमजन पेयजल के लिए त्राहि त्राहि है , ऐसे हालातों में अब सिंचाई की उम्मीदें बेईमानी होगी।

इन बांध/जलाशयों से हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचित किए जाने का दावा -बिलगांव मध्यम परियोजना से 9980 हेक्टेयर , डिंडौरी जलाशय से 97, रंहगी जलाशय से 121, रयपुरा जलाशय से 153, लाखों टैंक से 184 , जमुनिया है एनीकेट से 30, सारसताल जलाशय से 166 टिकरिया जलाशय से 140, घानामार जलाशय से 263, डांडविदय जलाशय से 260, लमान टोला जलाशय से 127, धूर्रा जलाशय से 92, उदार जलाशय से 134, सिलघाटी जलाशय से 166, टिकरिया जलाशय से 385, नागदमन जलाशय से 425 , भरद्वारा जलाशय से 444, सारंगपुर पड़रिया जलाशय से 470 , चटूवा हाई लेवल टैंक से 176, गोपालपुर जलाशय से 550, रकरिया जलाशय से 350, गोरखपुर जलाशय से 995, गोयरा जलाशय से 310 भाबरखडी जलाशय से 435, पाकर बघरा जलाशय से 619,फतेहपुर जलाशय से 333, खजरी टोला जलाशय से 113, दनदना नाला जलाशय से 1950 , कुकर्रा जलाशय से 585 , मोहदा जलाशय से 336, पड़रिया जलाशय से 143 , नेवसा जलाशय से 236 , बरगांव जलाशय से 264, किकरिया जलाशय से 40, भाजी टोला एनीकेट से 405, बरगी जलाशय से 340, देवलपुर जलाशय से 77 केवलारी जिला से 141 सुंदरपुर डायवर्सन स्कीम से 720, कचनारी डायवर्सन स्कीम से 340, खम्ही डायवर्सन स्कीम से 590 ,रनगांव जलाशय से 206,पिंडरूखी डायवर्सन स्कीम से 512, सुनियामार जलाशय से 210, गीधा जलाशय से 61, बोंदर नाला एनिकट से 102, सुरसा टोला जलाशय से 111हेक्टेयर, लबैदा एनीकट से 142, ढोंढ जलाशय से 126, दुल्लोपुर जलाशय से 133 , तरच एनिकट से 685, करौंदा जलाशय से 125 हेक्टेयर, बिलाईखार जलाशय से 105, खरगहना जलाशय से 121, नीम टोला डायवर्सन स्कीम से 495, ग्वारा जलाशय से 295, लालपुर जलाशय से 123, रतना जलाशय से 127, करनाई नाला से 48, रामनगर जलाशय से 195, अमरपुर जलाशय से 154, बहेरा जलाशय से 85, बंजर टोला जलाशय से 125, बरगा टोला जलाशय से 425, पाखा टोला जलाशय से 40, धनवासी सालिड बियर से 325, भैंसवाही सालिड बियर 320, बांका टोला सालिड वियर 330, भापसा सालिड वियर 285, भगनवारा जलाशय 186, भाखा डायवर्सन स्कीम 875, मुरता जलाशय 357, खुड़िया डायवर्सन 728, संग्रामपुर एनीकेट 65, दलका बंदा जलाशय से 425, पड़रिया 481, उमरिया जलाशय 188, कूटदर जलाशय 218, बस्तरा जलाशय 200, कोडिया जलाशय 199, चौरा जलाशय 344, देवरी जलाशय 147, कोहानी देवरी जलाशय 91, धनगांव जलाशय 144, सराई 94, टिकरिया जलाशय 273, डोभी 194, राछो 112, कछारी 157, कहींजरा 105, बरगांव वियर 155, बड़झर 140, सरवाही 44, मोहरा पहारुआ 252, चंदवाही जलाशय 157, घुंडी सराई 162, सारस डोली जलाशय से 1515 हेक्टेयर भूमि सिंचित किए जाने का दावा किया जा रहा है।

जिले में करोड़ों की लगात से कराए गए दर्जनों बांध गर्मी के आमद से पहले ही सूख जाते हैं जबकि बांधों मकी जल भराव क्षमता मिलियन क्यूबिक मीटर से भी अधिक है। वर्षा जल रोकना दूर की बात है, कई बांध और जलाशयों में जीवित नदी की पानी तक नहीं रुक रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण 7 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सुंदरपुर डायवर्सन स्कीम, खुड़िया डायवर्सन स्कीम, मुरता जलाशय, बरगी जलाशय, पड़रिया जलाशय,केवलारी जलाशय, अमरपुर जलाशय सहित दर्जनों बांध पूरी तरह सूख गए हैं।

तापमान में आई गिरावट, तीखी धूप और उमस का सितम जारी

पश्चिमी हवाओं के बीच हल्की बारिश की संभावना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में तीखी धूप और उमस का सितम लगातार जारी है, जिसने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रखा है। शनिवार को वीकेंड होने के बावजूद मौसम के कड़े तेवरों के कारण सड़कों और बाजारों में रौनक गायब रही। सुबह से ही आसमान पूरी तरह साफ रहा और बादलों की बेरुखी के चलते सूर्यदेव ने जमकर आग उगलाई। झुलसाने वाली तेज धूप और हवा में घुली भारी उमस के कारण लोगों ने घरों से बाहर निकलने के बजाय अपने परिवारों के साथ घर के भीतर ही सप्ताहांत मनाना बेहतर समझा। इस बार गर्मी की तल्खी को बढ़ाने में दोहरी हवाएं मुख्य कारक साबित हो रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 38.2 तो वहीं न्यूनतम तापमान 24.0 दर्ज किया गया क्षेत्र में झुलसाने वाली पश्चिमी हवाओं के साथ-साथ अब ठंडी और शुष्क उत्तरी हवाएं भी अपना असर दिखा रही हैं। इन दोनों विपरीत दिशाओं से आ रही हवाओं के आपसी टकराव और मेल ने वातावरण में अजीब सी बेचैनी और उमस पैदा कर दी है, जिससे रात और दिन दोनों ही समय लोग पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। दोपहर के समय लू जैसे हालात बनने के कारण अत्यंत आवश्यक होने पर ही लोग पूरे बदन को ढंककर बाहर निकलते नजर आए।

कुछ इलाकों में छा सकते हैं बादल

हालांकि, इस भीषण तपन के बीच मौसम विभाग ने राहत की एक धुंधली उम्मीद जरूर जगाई है। आंचलिक मौसम केंद्र ने पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि स्थानीय स्तर पर बने चक्रवाती तंत्र और हवाओं के रुख में आ रहे बदलाव के कारण अगले 24 से 48 घंटों में जिले के कुछ चुनिंदा ग्रामीण और शहरी इलाकों में आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। इसके साथ ही, गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और पानी की हल्की बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। यदि यह बौछारें गिरती हैं, तो पिछले कई दिनों से रिकॉर्ड तोड़ रही तपन से बेहाल जबलपुर वासियों को उमस भरी इस तपिश से थोड़ी फौरी राहत मिल सकती है।

पिता का इलाज कराने मेडिकल कॉलेज आई महिला से दुष्कर्म

गढ़ा थाने का मामला आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में पिता के साथ इलाज के लिए आई महिला से उसके ही पहचान के एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह घटना 25 मई की रात की है। शनिवार को महिला गढ़ा थाने पहुंची, जहां उसने अपने साथ हुई ज्यादती की घटना पुलिस को बताई। गढ़ा थाना पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले प्रेम संबंध थे।अस्पताल में पिता के साथ इलाज के लिए आई महिला से उसके ही पहचान के एक युवक ने दुष्कर्म किया।

पति के साथ पहुंची थाने

दरअसल विगत 13 मई को महिला के पिता का एक्सीडेंट हो गया था, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उनकी देखरेख के लिए महिला भी अस्पताल में पिता के साथ ही रहती थी। 25 मई को पड़ोस में रहने वाला राहुल करसा, जो उसका पुराना परिचित था, अपनी पत्नी के साथ मेडिकल कॉलेज आया था। रात के समय महिला पानी भरने के लिए मेडिकल कॉलेज के नीचे आई, जहां राहुल पहले से ही अकेला खड़ा था। दोनों के बीच सामान्य बातचीत होने लगी। पीड़िता का कहना है कि कुछ बात करने का बोलकर आरोपी राहुल उसे पल्मोनरी बिल्डिंग के पास ले गया और धमकी देकर दुष्कर्म किया। महिला ने पुलिस को बताया कि राहुल धमकी दे रहा था कि अगर तुम मेरे साथ नहीं गई, तो तुम्हारे पति को बता दूंगा कि तुम्हारा मेरे साथ पहले अफेयर है। महिला का कहना है कि जबरजस्ती करने के दौरान आरोपी उसके कमर में भी चोट पहुंचाई। डर के कारण बिना किसी से कुछ कहे मेडिकल कॉलेज आ गई। शनिवार को महिला पति के साथ गढ़ा थाने पहुंची और राहुल के खिलाफ दुष्कर्म की एफआइआर दर्ज करवाई। इस मामले को लेकर सीएसपी आशीष साहू ने बताया कि महिला की शिकायत के बाद पुलिस फौरन एक्शन में आई और आरोपी राहुल को शनिवार दोपहर गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजते हुए घटना की जांच शुरू कर दी गई है ।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए पदों को बढ़ाया जाए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के हित में अनुकंपा नियुक्ति नीति में संशोधन किया गया है। कंपनी ने दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से अनुकंपा नियुक्ति हेतु स्वीकृत पदों की संख्या एवं श्रेणियों का विस्तार किया है, जो सराहनीय है। राकेश डीपी पाठक ने मप्र शासन के ऊर्जा मंत्री प्रघुम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा, ऊर्जा सचिव एवं सभी प्रबंध संचालक गणों का आभार व्यक्त करते हुए आग्रह किया कि इसी तरह ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यरत सभी बिजली कंपनियों में भी निर्णय लेकर अनुकंपा नियुक्ति के लिए एक समान पदों को बढ़ाया जाए। जिससे अनुकंपा नियुक्ति का इंतजार कर रहे संबंधित प्रभावित दिवंगत कर्मचारी साथियों के परिवार जनों को इसका समुचित लाभ मिल सकें। राकेश डीपी पाठक कहां कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्ष 2018 की अनुकंपा नियुक्ति नीति में संशोधन करते हुए नई संगठनात्मक संरचना के अंतर्गत विभिन्न तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों को शामिल किया गया है। इस निर्णय से दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे तथा उन्हें आर्थिक संबल प्राप्त होगा। इस दौरान मप्र महामंत्री राकेश डीपी पाठक, यूके पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, एनके यादव, दिनेश दुबे, उमाशंकर मेहता, आरके कौशिक, उमाशंकर दुबे आदि ने विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे कर्मचारी हित में एक सकारात्मक एवं संवेदनशील पहल बताया है।

अब सीटीओ के जटिल मामलों का आसानी से होगा उपचार

गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल में विशेष उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल में 2 जून को मध्य प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के हृदय रोग विशेषज्ञों (कार्डियोलॉजिस्टों) के लिए एक विशेष उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में क्रॉनिक टोटल ऑक्लूज़न के जटिल मामलों के उपचार एवं नवीन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम एकेडमी ऑफ कार्डियक साइंसेज, जबलपुर एवं गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल करेंगे, जबकि डॉ सुदीप चौधरी, डॉ सुनील जैन, डॉ. राहुल अशोकराव दारनुले, डॉ. सचिन गवंडे सहयोगी विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सीटीओ के आठ जटिल मामलों का उपचार एवं प्रदर्शन किया जाएगा। ये ऐसे मरीज होंगे जिनमें पारंपरिक एंजियोप्लास्टी अथवा बायपास सर्जरी करना अत्यंत कठिन या संभव नहीं होता है। उन्नत तकनीकों के माध्यम से ऐसे मरीजों का सफल उपचार करने का प्रयास किया जाएगा।

इस विशेष कार्यशाला के लिए जर्मनी से विश्वविख्यात इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं सीटीओ विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. जेराल्ड वर्नर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे जर्मनी के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हार्ट सेंटर फ्रैंकफर्ट से जुड़े हुए हैं तथा एंजियोप्लास्टी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का उच्च स्तरीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

एडवांस कोर्स में देवेंद्र कुमार कतिया हुए उत्तीर्ण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्टेट ट्रेनिंग सेंटर ,गंगापुर पश्चिम बंगाल में 23 से 29 मई तक बेसिक स्काउट, बेसिक कब मास्टर,बेसिक रोवर स्काउट लीडर एडवांस स्काउट मास्टर, एडवांस कब मास्टर, एडवांस रोवर स्काउट लीडर कोर्स का आयोजन किया था । जिसमे 90 प्रतिभागी 30 लीडर ट्रेनर और सर्विस स्टाफ, कुल 120 सदस्यों ने भाग लिया । पमरे जबलपुर मंडल के अपर मण्डल रेलप्रबंधक दिनेश कुमार कमाले, वरुण चतुर्वेदी, नितेश कुमार सोने, सचिपति नंदन, अनिल चौबे, विमलेश तिवारी, आशीष सोनकर, संजीव तिवारी के मार्गदर्शन मे देवेंद्र कुमार कतिया इस प्रशिक्षण मे भाग लिया एवं सफलता से उत्तीर्ण किया।

ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने सीखी अनेक विधाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लार्डगंज शाखा द्वारा बच्चों के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास हेतु 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर एवं कौशल विकास शिविर का समापन सत्येंद्र जैन जग्गू के मुख्य आतिथ्य एवं अनुराग गढ़वाल की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। केंद्रीय कार्य अध्यक्ष डॉ कुसुम जैन, संभाग अध्यक्ष संध्या जैन शांत, साधना बड़कुल, मीना बड़कुल द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। शिविर के बच्चों द्वारा मंगलाचरण एवं डांस प्रस्तुत किए गए। निशा चौधरी द्वारा ध्वज वंदना की गई । विश्व शांति हेतु 1 मिनट का मौन रखा। मुख्य अतिथियों का स्वागत श्रीफल एवं मोतीमाला द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष मीना बड़कुल द्वारा शिविर की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में कैलीग्राफी, डांस, मेंहदी, ढोलक एवं गायन, क्राफ्ट आदि का प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष ने लार्डगंज शाखा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

शिविर में भाग लेने वाली 65 बच्चों में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शिविर में मुनिश्री 108 निष्कपसागर महाराज की उपस्थिति में एवं बच्चों को आचार्य श्री के चरणों की प्रतिमूर्ति के साथ गिफ्ट भी दिए गए मुनीश्री ने सभी को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर शशि प्रभा, संध्या कौशल, सुशीला नेता आदि उपस्थित रहे।

विविध मांगों को लेकर अजाक्स ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने जबलपुर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के आगमन पर उनसे भेंट कर कर्मचारियों की समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 4 प्रमुख मांगें रखी गईं जिसमे सीएमएचओ एवं सिविल सर्जन कार्यालय के अंतर्गत कार्यरत एएनएम, एमपीडब्ल्यू, नर्सिंग ऑफिसर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन सहित सैकड़ों कर्मचारियों की सेवा पर देय समयमान वेतनमान, एचआरए का भुगतान नहीं किया जाना, आश्रित परिवार को गंभीर बीमारी की स्थिति में निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाना शामिल है।

पिंजरे में कैद हुआ आतंक मचाने वाला तेंदुआ

वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू सिहोरा क्षेत्र में मचा रखी थी दहशत

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । वन परिक्षेत्र सिहोरा की धनगवां बीट अंतर्गत मजौली गांव के समीप शुक्रवार रात वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में चार वर्षीय नर तेंदुआ फंस गया। ग्रामीणों की सूचना पर सक्रिय हुई वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और तेंदुए को सुरक्षित उसके प्राकृतिक वन क्षेत्र में छोड़ दिया। अनुविभागीय अधिकारी वन एमएल बरकड़े ने बताया कि मजौली और आसपास के क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुए की लगातार मूवमेंट की जानकारी मिल रही थी। खेतों में तेंदुए के पंजों के निशान मिलने के बाद वन विभाग ने एहतियातन पिंजरा लगाया था। शुक्रवार देर रात ग्रामीणों ने पिंजरे में तेंदुआ फंसने की सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग सिहोरा और जबलपुर से पहुंची विशेषज्ञ टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। शनिवार सुबह करीब 5 बजे ऑपरेशन पूरा होने के बाद तेंदुए को सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। तेंदुए की मौजूदगी से आसपास के आधा दर्जन गांवों में दहशत का माहौल था। ग्रामीण रात के समय खेतों और गांव से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे थे। हालांकि नर तेंदुए के पकड़ाए जाने से लोगों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग के अनुसार क्षेत्र में अभी भी एक मादा तेंदुआ अपने शावकों के साथ विचरण कर रही है। इसे देखते हुए विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और किसी भी वन्यजीव की गतिविधि की सूचना तत्काल देने की अपील की है।

समर बॉक्सिंग फाइट में 'यादव इलेवन' बनी चैंपियन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में आयोजित दो दिवसीय समर बॉक्सिंग फाइट का फाइनल मुकाबलों के साथ रोमांचक समापन हो गया। यादव इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं, 'इम्पैक्ट प्लेयर' की टीम 7 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक के साथ रनर-अप रही। इस भव्य नॉकआउट टूर्नामेंट में 8 वर्ष से अधिक आयु के 100 से अधिक होनहार मुक्केबाजों ने रिंग में अपना दमखाम दिखाया। कैडेट वर्ग में आदर्श बिरहा, शौर्य झारिया, अर्णव, अनध और शौर्या सोनी ने स्वर्ण पदक जीते। सब-जूनियर में जसकीरत सिंह, हनी राठौड़, ऐश्वर्य राय और रेहान चौधरी ने सोने पर निशाना साधा। जूनियर वर्ग में हितेश, लकी गुरांग, वीर सोनकर और दैविक ननोरिया ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। युवा वर्ग में वैभव पासी, ताबिश खान और निखिल चौधरी तथा सीनियर वर्ग में सक्षम, प्रशांत सिंह, जय डहरिया और अखिल सोनी ने गोल्ड मेडल जीते। बालिका वर्ग में दिया, साक्षी शर्मा, दिगेश्वरी, अनुध्या, खुशी चौधरी और भूमि केवट ने स्वर्णिम सफलता हासिल की। शौर्य झारिया, शौर्या सोनी को बेस्ट बॉक्सर और शाश्वत छत्री, दीना केवट को प्रॉमिसिंग बॉक्सर चुना गया। वीर सोनकर को 'बेस्ट टूर्नामेंट बॉक्सर' और देव नामदेव को 'टूर्नामेंट प्रॉमिसिंग बॉक्सर' की चमचमाती ट्रॉफी प्रदान की गई।

पुलिस की हिरासत में जबलपुर और कटनी में चोरी करने वाला गिरोह

संजीवनी नगर थाने का मामला, 1 नबालिग सहित 3 गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस ने बीते दिनों संजीवनी नगर थाने अंतर्गत हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरों के गिरोह को पकड़ा है। प्राप्त जानकरी के अनुसार संजीवनी नगर थाने में 26 मई की रात 47 वर्षीय होमेन्द्र कुमार डेहरिया निवासी एलआईजी 108/2 सागर कलोनी के पास धनवंतरी नगर संजीवनी नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्रायवेट जाब करता है।

दिनांक 23 मई को दोपहर 12 बजे घर में ताला बंद करके अपने साथ सोने चांदी के जेवर लेकर अपने ससुराल मदन महल अपने परिवार के साथ चला गया था। दिनांक 26 मई को जब वापस घर आया तो घर के मेन दरवाजे का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखा तो घर का समान बिखरा हुआ था पूजा स्थल के पास रखे पुराने चांदी के 4 सिक्के एक चांदी की भगवान की एक मूर्ति, नगद 10-12 हजार रूपए कोई अज्ञात चोर घर के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करके चोरी करके ले गया है। जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर चोरों की तलाश शुरू करदी थी।

अंधमूक बाइपास के पास से पकड़े गए आरोपी -पुलिस को 28 मई के दिन सूचना मिली कि धनवंतरी नगर एवं कटनी में चोरी के दो संदेही अंधमूक बाईपास के पास खड़े हैं, सूचना पर बताये स्थान पर दबिश दी गयी जहॉ 2 युवक खडे दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया जो 19 वर्षीय शिवांशु जैन पिता प्रदीप जैन निवास भूकंप कालोनी धनवंतरी नगर, संजीवनी नगर एवं 21 वर्षीय अभय सिंह कोर्टे पिता दादू राम सिंह कोर्टे निवासी ग्राम गड़वा अमदरा, जिला मैहर थे। दोनो को अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ करने पर थाना संजीवनी नगर अंतर्गत धनवंतरी नगर में एक सूने मकान में चोरी करना स्वीकार किया तथा अपने एक 17 वर्षित नाबालिग साथी के साथ मिलकर कटनी मे भी एक घर से सोने चांदी के जेवर एवं नगदी चोरी कर जेवरों को दोनों के द्वारा आपस मे बांट लेना तथा नगदी मे से साढे तीन हजार रुपये 17 वर्षिय साथी को देना और शेष रूपये खर्च कर देना बताये ।

सोने का समान मुथुड फायनेंस में रखा गिरवी - शिवांशु जैन ने अपने हिस्से मे मिले कटनी से चुराये सोने के जेवरो मे से सोने के कंगन को मुथुड फायनेंस मे गिरवी रखकर 1 लाख रूपये लोन लेकर खर्च कर देना बताया तथा चुराये हुये सोने के कान के टाप्स, 2 अंगूठी, माथे की बिंदी एवं चांदी के 4 सिक्के व 2 सोने के कंगन मुथुट फाइनेंस में लोन के लिए जमा करने की रसीद एवं आरोपी अभय सिंह ने कटनी में चुराये हुये जेवरो मे से हिस्से मे मिले कुछ जेवरों को सराफा में सुनार को देकर नगद 1 लाख 45 हजार रूपये प्राप्त कर उक्त रूपयो मे से 60 हजार रूपये देकर ढाई लाख की मोटर सायकिल फायनेंस कराना तथा शेष नगद रूपये खर्च करना बताया।

कटनी में भी कर चुके कई वारदात -आरोपी अभय सिंह कोर्टे के कब्जे से एक चांदी जैसे दिखने वाली धातु की पायल , एक सिक्का , एक सोने जैसे दिखने वाली धातु की चेन , एक जोड़ी बेनटेक्स के कान के टाप्स, गणेश की मूर्ति तथा फांयनेंस कराई हुई बाइक जब्त कर दोनों को चौकी धनवंतरीनगर मे हुई चोरी की घटना में थाना संजीवनी नगर में मर्ग कायम कर मामला विवेचना मे लिया गया । पतासाजी पर जिला कटनी के थाना सिटी कोतवाली में में भी अपराध पंजीबद्ध होना पाए जाने के बाद कटनी के सिटी कोतवाली में सूचना दी गयी है।

चारे के ढ़ेर में सरपंच ने छिपा रखा था पीला सोना

सरपंच के घर समेत 12 ठिकानों पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, 357 ट्रॉली अवैध रेत जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के लांजी क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार के खिलाफ प्रशासन और खनिज विभाग ने एक बड़ी एवं सुनियोजित कार्रवाई को अंजाम देते हुए ग्राम टेमनी में भारी मात्रा में अवैध रेत का भंडारण उजागर किया है। पीला सोना कहे जाने वाली रेत की अवैध भंडारण उजागर हुआ तो मौजूद अधिकारी और सुनने वाले हैरान रह गए। इस कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि रेत को खुले में रखने के बजाय धान के पैरा (पुआल) के विशाल ढेरों के नीचे छिपाकर रखा गया था, ताकि प्रशासन और खनिज विभाग की नजरों से बचा जा सके। अधिकारियों ने जब पैरा के ढेरों की जांच करवाई तो उसके नीचे बड़ी मात्रा में रेत का भंडारण मिला। इस कार्रवाई में कुल 357 ट्रॉली अवैध रेत जब्त की गई है।

जानकारी के अनुसार, अवैध रेत भंडारण की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर ग्राम टेमनी में छापामार कार्रवाई की। एसडीएम लांजी, तहसीलदार, खनिज विभाग के अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में गांव के विभिन्न स्थानों पर एक साथ दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान कई जगहों पर धान के पैरा के बड़े-बड़े ढेर दिखाई दिए। अधिकारियों को संदेह होने पर जब इन ढेरों की जांच कराई गई तो उनके नीचे भारी मात्रा में रेत छिपाकर रखी गई मिली।

सरपंच ने पैरा में छिपा रखा था रेत भंडार- कार्रवाई का सबसे चर्चित पहलू ग्राम टेमनी के सरपंच के घर से सामने आया। जांच में पाया गया कि सरपंच ने पिला सोने कहे जाने वाली रेत को अपने घर परिसर में धान के पैरा के नीचे लगभग 30 ट्रॉली रेत छिपाकर रखी थी। अधिकारियों ने जब रेत के संबंध में वैध दस्तावेज, परिवहन अनुमति अथवा रॉयल्टी रसीद प्रस्तुत करने को कहा तो कोई भी प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया जा सका। इसके बाद मौके पर मौजूद अमले ने पूरी रेत को जब्त कर पंचनामा तैयार किया।

एक दर्जन ठिकानों पर दबिश- प्रशासन की यह कार्रवाई केवल सरपंच के घर तक सीमित नहीं रही। जांच के दौरान गांव के कुल 12 स्थानों पर अवैध रेत का भंडारण पाया गया। इनमें कई निजी एवं कुछ सरकारी भूमि पर भी रेत जमा कर रखी गई थी। अधिकारियों के अनुसार शैलेन्द्र पिता राधेश्याम के यहां सबसे अधिक 77 ट्रॉली रेत मिली। इसके अलावा जितेंद्र पिता ज्ञानी सिंह के घर से 7 ट्रॉली, लक्ष्मण पिता टिकनसिंह के घर से 55 ट्रॉली, अशोक पिता भिवराम के घर से 50 ट्रॉली, रुद्धन पिता सुंदरलाल के घर से 10 ट्रॉली, लक्ष्मण पिता तानूसिंह के घर से 30 ट्रॉली, दौलतराम पिता धानूलाल के घर से 30 ट्रॉली, समीर पिता पुरुषोत्तम के घर से 18 ट्रॉली, महेश पिता लेखराम के घर से 30 ट्रॉली, शैलेन्द्र प्रताप सिंह के घर से 40 ट्रॉली तथा कल्याण पिता केशवराव के घर से 10 ट्रॉली रेत का अवैध भंडारण पाया गया। अन्य ग्रामीणों के यहां भी अलग-अलग मात्रा में रेत संग्रहित की गई थी। सभी स्थानों पर दस्तावेजों की जांच की गई, लेकिन वैध अनुमति नहीं मिलने पर पूरी रेत जब्त कर ली गई।

विभागीय कार्रवाई से बचने का तरीका- खनिज विभाग के अधिकारियों का मानना है कि रेत को पैरा के नीचे छिपाने का तरीका विभागीय कार्रवाई से बचने के उद्देश्य से अपनाया गया था। सामान्य तौर पर पैरा के बड़े ढेर देखकर किसी को संदेह नहीं होता, लेकिन शिकायतों के आधार पर जब गहन जांच की गई तो अवैध भंडारण का पूरा मामला उजागर हो गया। अधिकारियों ने इसे अवैध खनिज कारोबार से जुड़ा एक संगठित प्रयास बताया है।

कार्यवाही निरंतर आगे चलेंगी- उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जब्त की गई रेत के संबंध में मध्यप्रदेश खनिज नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। संबंधित व्यक्तियों से रेत के स्रोत, परिवहन और भंडारण के संबंध में जानकारी मांगी गई है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार जुर्माना और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति खनिजों का उत्खनन, परिवहन और भंडारण पूरी तरह अवैध है तथा ऐसे मामलों में विभाग सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन या भंडारण की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी ने स्वास्थ्य शिविर में की 50 से ज्यादा मरीजों की जांच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। 30 मई को जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में नर सेवा ही नारायण सेवा के भाव के साथ वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी ने मानव सेवा की। बालाघाट जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित बिठली के वनांचल और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जानियाटोला में 224 वे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉ. रमेश सेवलानी ने 50 से अधिक ग्रामीणों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की। साथ ही जांच के उपरांत मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार आवश्यक दवाइयों का वितरण भी नि:शुल्क किया।

शिविर की खास बात यह रही कि इसमें केवल स्वास्थ्य लाभ ही नहीं दिया गया, बल्कि जरूरतमंदों की बुनियादी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा गया। डॉ. सेवलानी और उनकी टीम द्वारा शिविर में आईं महिलाओं को 40 साड़ियां और 10 बुजुर्ग पुरुषों को धोती का वितरण कर उन्हें सम्मानित किया गया।

इस शिविर में दानीटोला और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बच्चे, बूढ़े, महिलाएं और युवा पहुंचे थे। सभी का डॉ. रमेश सेवलानी ने उपचार कर उन्हें स्वास्थ्य परामर्श दिया।

3 माह से अधूरा कोसुंबा-बांडारेव सड़क मार्ग

ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी

विभाग युद्ध का हवाला देकर फर्म का कर रहा बचाव

कटंगी(स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण विभाग के अधीन तिरोड़ी तहसील के अंतर्गत आने वाली कोसुंबा से बांडारेव सड़क मार्ग का पुनरुद्धार कार्य मार्च माह से प्रारंभ हुआ था। लेकिन आज तक यह कार्य अधूरा पड़ा है। करीब 4 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर केवल गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कोसुंबा निवासी संजय खोब्रागड़े ने बताया कि शनिवार को भी एक सड़क हादसा हुआ जिसमें कपड़ा बेचने वाले एक छोटे व्यापारी का पैर टूट गया। घायल को उपचार के लिए तुमसर ले जाया गया है।लोक निर्माण विभाग के उपयंत्री कमलेश राणा ने बताया कि सड़क निर्माण का ठेका जे.पी. इन्फ्रास्ट्रक्चर बालाघाट को दिया गया है। इस फर्म के पास चार सड़कों का काम है। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाली फर्म का बचाव करते हुए वह बताते है कि ईरान से अमेरिया-इजराइल युद्ध के कारण डामर के दाम दोगुने हो गए है। इस कारण से निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। जब उनके कहां गया कि सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है तो वह कहते है कि अभी जो वैकल्पिक समाधान हो पाएगा वह शीघ्र ही किया जाएगा। जब उनसे सड़क के पुनरुद्धार कार्य की लागत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने फाईल देखकर ही जानकारी देने की बात कहीं।

ग्रामीणों ने बताई अपनी पीड़ा- ग्रामीण अपनी पीड़ा बताते हुए कहते है कि सड़क पर गिट्टी बिछी हुई है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चलाने में कठिनाई होती है। नुकीली गिट्टी के कारण वाहनों के टायर पंचर हो रहे हैं और मशीनरी खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि कोसुंबा से बांडारेव के बीच शाम के समय वन्य प्राणी, विशेषकर बाघ की चहलकदमी बनी हुई है। जिससे भय का माहौल बना हुआ है। वहीं सड़क की हालत इतनी खराब है कि तेज वाहन चलाना संभव नहीं। वन्य प्राणियों की मौजूदगी के कारण शाम को सफर करना जान जोखिम में डालने जैसा है। सड़क की इस हालत की वजह से ग्रामीणों की रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित हो रही है किंतु मजबूरी में ग्रामीण इसी रास्ते से सफर करने कर रहे है। ग्रामीणों ने विभाग के वरिष्ट अधिकारियों और कलेक्टर का ध्यानाकर्षण कराते हुए ठेकेदार से शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराने की मांग की है।

अंतिम वर्ष की छात्रवृत्ति अटकी, विद्यार्थी परेशान

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान, प्राचार्य को सौंपा

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी नगर के राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत लगभग 20 अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की अंतिम वर्ष की छात्रवृत्ति अटक गई है। यह समस्या केवल कटंगी तक सीमित नहीं है, बल्कि बालाघाट जिले के अन्य महाविद्यालयों में भी सामने आ रही है। विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश की, लेकिन पोर्टल ने उनके आवेदन अस्वीकार कर दिए। शिकायतें प्राचार्य से लेकर जिला कलेक्टर और उच्च शिक्षा विभाग भोपाल तक पहुंचीं, यहां तक कि सीएम हेल्पलाइन में भी दर्ज हुई, लेकिन समाधान आज तक नहीं हो पाया। इन विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में पूरक परीक्षा देनी पड़ी थी। पूरक उत्तीर्ण करने के बाद उन्हें द्वितीय वर्ष में छात्रवृत्ति मिल गई। लेकिन अंतिम वर्ष में जब उन्होंने आवेदन किया तो एमपी टास्क पोर्टल पर उनकी जानकारी में एक वर्ष का अंतर दिखा। यही तकनीकी गड़बड़ी उनके लिए सबसे बड़ी बाधा बन गई। प्राचार्य अनिल शेण्डे ने स्पष्ट किया कि यह समस्या केवल कटंगी महाविद्यालय की नहीं है, बल्कि जिले के अन्य संस्थानों में भी विद्यार्थियों को इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छात्रवृत्ति न मिलने से विद्यार्थी आर्थिक संकट में हैं। कई विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं और उनके परिवार की आय सीमित है। छात्रवृत्ति उनके लिए पढ़ाई जारी रखने का सहारा है। अंतिम वर्ष में यह सहायता रुक जाने से उनकी पढ़ाई और भविष्य दोनों पर प्रश्नचिह्न लग गया है। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज की थी, लेकिन बिना समाधान के शिकायत को विलोपित कर दिया गया। यह प्रशासनिक उदासीनता विद्यार्थियों के लिए और भी निराशाजनक साबित हुई। प्राचार्य अनिल शेण्डे ने विद्यार्थियों की शिकायत को गंभीरता से लिया और अग्रणी महाविद्यालय बालाघाट तथा जिला कलेक्टर को अवगत कराया। उच्च शिक्षा विभाग भोपाल को भी जानकारी भेजी गई। लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। शनिवार 30 मई को दोपहर 3 बजे विद्यार्थियों ने पुन: प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा और अंतिम वर्ष की छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग की।

गौरतलब हो कि एमपी टास्क पोर्टल पर विद्यार्थियों की जानकारी में एक वर्ष का अंतर दिख रहा है। जिन विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में पूरक आई थी, उनके रिकॉर्ड में यह अंतर दर्ज हो गया। परिणामस्वरूप पोर्टल ने उनके आवेदन अस्वीकार कर दिए। यह समस्या तकनीकी है, लेकिन इसका असर सीधे विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य पर पड़ रहा है। यह समस्या केवल कटंगी महाविद्यालय तक सीमित नहीं है। बालाघाट जिले के अन्य महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों को इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि यह एक प्रणालीगत समस्या है, जिसे उच्च शिक्षा विभाग स्तर पर हल करने की आवश्यकता है।

जिले को मिला राजस्थान के जायकों का नया ठिकाना

घोड़ा चौराहा स्थित कन्हैया बीकानेर स्वीट्स का भव्य शुभारंभ

रीवा

रीवा शहरवासियों के लिए स्वाद और गुणवत्ता का नया केंद्र बनकर उभरे कन्हैया बीकानेर स्वीट्स का घोड़ा चौराहा स्थित प्रतिष्ठान भव्य समारोह के बीच शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया तथा संचालक महेंद्र सिंह राजपुरोहित को शुभकामनाएं एवं बधाई दी

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि कन्हैया बीकानेर स्वीट्स के खुलने से रीवा के लोगों को अब राजस्थान के पारंपरिक स्वाद, मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद अपने ही शहर में मिलेगा उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठान न केवल लोगों को बेहतर खानपान उपलब्ध कराते हैं बल्कि शहर की पहचान और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई

दिशा देते है कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सेमरिया विधायक केपी त्रिपाठी ने की वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता,नगर निगम स्पीकर वेंकटेश पाण्डेय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष शुक्ला सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी उपस्थित रहे सभी अतिथियों ने महेंद्र सिंह राजपुरोहित को शुभारंभ की बधाई देते हुए प्रतिष्ठान के उज्वल भविष्य की कामना की अतिथियों ने कहा कि कन्हैया बीकानेर स्वीट्स केवल एक मिठाई दुकान नहीं बल्कि स्वाद, शुद्धता और उत्कृष्ट सेवा का नया प्रतीक बनकर सामने आया है यहां ग्राहकों को पारंपरिक राजस्थानी मिठाइयों,नमकीन, स्नैक्स और विभिन्न व्यंजनों का बेहतर स्वाद एवं गुणवत्ता मिलेगी इससे रीवा के खाद्य प्रेमियों को एक नया और विश्वसनीय विकल्प प्राप्त होगा।

भव्य साज-सज्जा,आकर्षक वातावरण और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के कारण उद्घाटन के पहले दिन से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला शहर के गणमान्य नागरिकों ने विश्वास जताया कि कन्हैया बीकानेर स्वीट्स आने वाले समय में रीवा की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित फूड डेस्टिनेशन के रूप में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा

कन्हैया बीकानेर स्वीट्स के संचालक महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने सभी अतिथियों एवं शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य रीवा के लोगों को शुद्धता गुणवत्ता और राजस्थान के असली स्वाद का अनुभव कराना है उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्राहकों को हमेशा बेहतरीन स्वाद और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की जाएंगी

रीवा के व्यंजन प्रेमियों के लिए यह शुभारंभ किसी सौगात से कम नहीं माना जा रहा है शहर के प्रमुख स्थान घोड़ा चौराहा पर खुला यह प्रतिष्ठान आने वाले दिनों में स्वाद,विश्वास और गुणवत्ता का पर्याय बनने की ओर अग्रसर दिखाई दे रहा है।

अल्प प्रवास पर उमरिया पहुंचे मंत्री विजय शाह, विधायक निवास पर ग्रामीणों से मिले

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शुक्रवार 29 मई को मध्य प्रदेश सरकार में जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के कैबिनेट मंत्री कुँवर विजय शाह उमरिया के अल्प प्रवास पर पहुंचे। उन्होंने मानपुर विधायक मीना सिंह के बंगले पर ग्रामीणों, कार्यकर्ताओं और भाजपा नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के मुद्दे पर अपनी राय रखी और एक ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की। मंत्री शाह के आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी विधायक मीना सिंह के निवास पर मौजूद रहे। बैठक में ग्रामीणों ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में वन्य प्राणियों की गांवों में बढ़ती आंवाजाही की समस्या उठाई। गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने के सवाल पर मंत्री विजय शाह ने स्पष्ट किया कि यह मेरा विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उच्च स्तर की बैठक में निर्णय लिया जाएगा। ग्रामीणों ने मंत्री. कों खेरवा टोला में ग्रामीणों और टाइगर रिजर्व कर्मचारियों के बीच हुई मारपीट की हालिया घटना की भी जानकारी दी। मंत्री विजय शाह ने ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान के लिए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए गांव के पास स्थित वन भूमि और ग्रामीणों की जमीन के समायोजन के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। अपने अल्प प्रवास के दौरान, मंत्री विजय शाह ने उमरिया जिले में लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से एक ऑडिटोरियम के निर्माण की घोषणा भी की।

खनिज विभाग की ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी, अवैध रेत लोड 2 ट्रैक्टर किया जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, तहसीलदार दिलीप सोनी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी सैनिक सरमन लाल केवट की टीम द्वारा दिनाकं शनिवार 30 मई को सिंगलटोला उमरिया अंतर्गत रेलवे फाटक के पास खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए 02 ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया है। ट्रैक्टर इंजन नंबर एनकेजी2डीईजे0001 चालक राजेश पिता विशेषर चौधरी पता ग्राम बडेरी तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया एवं वाहन ट्रैक्टर इंजन नंबर ई3490636 वाहन चालक सज्जन पिता मुकेश कोल बडेरी तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया हैं। उक्त दोनों वाहनों पर म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। खनिज अमले द्वारा माननीय कलेक्टर महोदया एवं खनि अधिकारी महोदय के निर्देशन में लगातार सघन जॉच की जा रही है और अवैध उत्खनन. परिवहन. भंडारण का पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही जारी रहेगी।

उमरिया कालरी के लीलाराम हुऐ रिटायर, भावुक क्षणों में दी गयी विदाई

उमरिया

महीने के अंत में होने वाले रिटायरमेंट कर्मचारियों का सम्मान समारोह भावुकता,व उल्लासपूर्ण उत्सव के रूप में सम्पन्न हुआ। शनिवार 30 मई को लीलाराम जी सपोर्ट मेन को शाल,श्रीफल फूलमाला पहनाते हुऐ उमरिया कालरी प्रबंन्धक सी.पी. डोंगरे ने कहा कि लीलाराम जी सरहद पर खड़े जवान की तरह अपने कर्तव्य स्थल पर कार्य किया पूर्व में उनके साथ हुऐ एक्सीडेंट ने भी उनका धैर्य साहस और विवेक नहीं खोने दिया और वे पूरी मुस्तैदी के साथ सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुऐ उत्पादन कार्य में जुटे रहे और एकदम स्वस्थ्य रहते हुऐ आज रिटायर हुऐ है अपनी दूसरी पारी में इन्हे समाज की सेवा में अपना योगदान देना चाहिये, जिससे आपको खालीपन का एहसास नहीं होगा। खान सुरक्षा अधिकारी श्री श्रेयस पुराणिक ने कहा कि लीलारामजी ने सुरक्षा के नियमों को आत्मसात कर उत्पादन कार्य में जो योगदान दिया उसका एहसास हमें हमेशा होता रहेगा। उन्होने कहा कि आप किसी झूठे बहकावे में न आकर अपनी जिन्दगी भर की ईमानदार मेहनत की कमाई जो कम्पनी द्वारा दी जा रही है उस राशि को किसी सरकारी संस्था एसबीआई,पोस्टआफिस आदि में ही डिपाजिट करें ।उन्होने परिजनों को सम्बाधित करते हुऐ कहा कि लीलाराम जी ने परिवार के मुखिया के रूप में पूरी मेहनत व लगन के साथ अपना कर्तव्य निभाते हुऐ आपकी हर जरूरतों को पूरा किया अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप इनका ध्यान रखें।साथी कर्मचारियों ने उन्हे फूलमाला पहनाते हुऐ मोमेन्टो,सूटकेश प्रदान कर सम्मानित किया ।इस अवसर पर रोचक पहलू यह रहा कि अपनी दूसरी पारी की शुरूआत करते हुऐ ढोल नगाड़ों के बीच उनकी धर्मपत्नी ने व स्वयं लीलाराम जी एक दूसरे को जयमाला पहनाते हुऐ एक दूसरे को बधाई दी।स्वल्पाहार के बीच लीलाराम जी ने प्रबंन्धन व समस्त कर्मचारियों के प्रति अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण में सम्मानित करने के लिये आभार व्यक्त किया।

मानपुर विधायक ने परासी में सीसी रोड निर्माण का किया भूमि पूजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शुक्रवार 29 मई को मानपुर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत परासी में मानपुर की लोकप्रिय विधायक सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में 12 लाख की लागत से बनने वाले सीसी रोड का विधि विधान के साथ भूमि पूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने किया वही विशिष्ट अतिथि मानपुर जनपद अध्यक्ष ममता सिंह रही। कार्यक्रम में गर्मी के बाबजूद हजारों ग्रामीणों ने शिरकत की। वही बताया गया कि सीसी रोड निर्माण कार्य केवट मोहल्ला में किया जाएगा और 15वे वित्त के लागत से 12 लाख रुपये विधायक जी की अनुशंसा से स्वीकृति हुए हैं। कार्यक्रम में परासी सरपंच इंद्रा पाल और उप सरपंच रमललिया केवट भी उपस्थित रही।

जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्राचीन और जीवंत स्वरूप

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में आयोजित जनजाति समागम में जनजातीय संस्कृति परंपरा आस्था और अस्मिता का विराट राष्ट्रीय प्रतीक दिखाई दिया। देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों से आए लाखों जनजातीय बंधु-भगिनी पारंपरिक वेशभूषा लोकगीत लोकनृत्य वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ इस समागम में सम्मिलित हुए। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर जनजातीय संस्कृति का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला जब राजघाट चौक रामलीला मैदान अजमेरी गेट चौक कुदसिया बाग और श्यामगिरि मंदिर सहित विभिन्न स्थानों से विशाल शोभायात्रा प्रारंभ होकर लाल किला मैदान पहुंचीं। लेह-लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक के जनजातीय समाज ने अपनी वेशभूषा लोकधुन मांदर-ढोल पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारत की जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जनजातीय समाज की आस्था संस्कृति प्रकृति-पूजा जल-जंगल-जमीन और जीवन-पद्धति को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा कि यह समागम आने वाले वर्षों में जनजातीय समाज के महाकुंभ के रूप में स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने बिना लिखित नियमों के अनेकता में एकता और एकता में अनेकता के मंत्र को जीवन में साकार किया है। समागम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। सदियों से जनजातीय समाज जल जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का मार्ग दिखाता रहा है। आज जब विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है तब जनजातीय जीवन-दर्शन टिकाऊ विकास का प्रेरक मॉडल प्रस्तुत करता है। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह समागम केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि 75 वर्षों से लंबित उस न्यायपूर्ण मांग की राष्ट्रीय पुनर्पुष्टि है जिसकी प्रतीक्षा आज भी देश का समस्त जनजातीय समाज कर रहा है। कहा कि न्यायालयों ने भी यह माना है कि यदि धर्मांतरण के बाद कोई व्यक्ति अपने समुदाय की परंपराओं सामाजिक आचरण और सांस्कृतिक जीवन-पद्धति से पूर्णतः विच्छिन्न हो जाता है तो उसकी जनजातीय पहचान के प्रश्न का परीक्षण सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया जाना चाहिए। परंतु व्यवहारिक स्तर पर प्रत्येक मामले को अलग-अलग सक्षम प्राधिकारी या न्यायालय के समक्ष ले जाना सामान्य जनजातीय व्यक्ति के लिए अत्यंत कठिन और अव्यावहारिक है। इसलिए इस विषय पर स्पष्ट सरल और प्रभावी वैधानिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जनजाति सुरक्षा मंच ने स्मरण कराया कि अप्रैल-मई 2009-10 के दौरान 26 राज्यों के 293 जिलों और 26,253 गांवों में व्यापक अभियान चलाकर वयस्क जनजातीय सदस्यों से 27.67 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए गए थे। इन हस्ताक्षरों को संबंधित जिलाधिकारी और राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित किया गया था। इसके पश्चात 18 जनवरी 2010 को वरिष्ठ जनजातीय नेताओं ने तत्कालीन राष्ट्रपति से भेंट कर इस विषय पर शीघ्र निर्णय का आग्रह किया था। मंच ने कहा कि वर्ष 2011 से अब तक ग्राम संपर्क अभियान रैलियां जिला सम्मेलन 21 राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम प्रधानमंत्री को 5.70 लाख पोस्टकार्ड तथा लगभग 450 सांसदों से प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से यह अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। जनजाति सुरक्षा मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने 28 मई 2026 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री को जनजातीय कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण विधिक एवं संवैधानिक प्रश्नों से अवगत कराया चर्चा तीन प्रमुख मांगों पर केंद्रित रही जिन्हें मंच पिछले दो दशकों से उठाता आया है। प्रथम लोकुर समिति के मानदंडों के अनुरूप अनुसूचित जनजाति की स्पष्ट वैधानिक परिभाषा निर्धारित की जाए जो वर्तमान सामाजिक वास्तविकताओं के अनुकूल हो। द्वितीय संविधान अनुसूचित जाति आदेश 1950 की भांति संविधान अनुसूचित जनजाति आदेश 1950 में भी आवश्यक संशोधन या स्पष्टीकरण किया जाए जिससे यह स्पष्ट हो सके कि जो व्यक्ति धर्मांतरण के पश्चात अपनी पारंपरिक जनजातीय आस्था संस्कृति रीति-रिवाजों और जीवन-पद्धति का परित्याग कर देता है उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं माना जाएगा। तृतीय जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दीर्घकालीन प्रश्न जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने चंद्रमोहन बनाम राज्य 2004 तथा हाल ही में चिंथदा आनंद बनाम आंध्रप्रदेश राज्य 2026 -283 में भी विचार किया है।

मंच ने ध्यान दिलाया कि लगभग 12 करोड़ की कुल जनजातीय जनसंख्या में से अनुमानतः 1.5 से 2 करोड़ व्यक्ति ईसाई धर्म में धर्मांतरित हो चुके हैं और अनेक प्रकरणों में धर्मांतरित जनजातीय व्यक्ति एक ओर अनुसूचित जनजाति आरक्षण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं तथा दूसरी ओर अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं का भी दोहरा लाभ उठा रहे हैं जो संवैधानिक समता और सामाजिक न्याय की मूल भावना के विरुद्ध है। समागम का समापन जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान, परंपरागत आस्था, संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की रक्षा हेतु प्रभावी कदम उठाने के राष्ट्रीय आह्वान के साथ हुआ।

ऑटो चालकों पर हुई कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत थाना यातायात प्रभारी ललित धुर्वे एवं यातायात पुलिस बल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर ऐसे ऑटो वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई जो निर्धारित स्थानों पर वाहन खड़े न कर यातायात बाधित कर रहे थे। कार्यवाही के दौरान कुल 18 ऑटो वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही करते हुए 9 हजार समन शुल्क वसूला गया। यातायात पुलिस द्वारा सभी ऑटो चालकों एवं अन्य वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित स्थानों पर ही खड़े करें तथा यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

जनसमस्या निवारण शिविर सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)। प्रशासन आपके द्वार अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत साल्हेडंडा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खंड पंचायत अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान राजस्व पंचायत कृषि स्वास्थ्य महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में कुल 46 कर्मचारी शामिल हुए। शिविर में क्षेत्र की पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जानकारी तत्काल जिला कार्यालय भेजने के निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें लोक निर्माण विभाग का 1, पीएचई विभाग के 4, पंचायत विभाग के 5, राजस्व विभाग का 1, विद्युत विभाग के 2 तथा स्वास्थ्य विभाग का 1 आवेदन शामिल रहा। प्राप्त आवेदनों में से एक आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

अखण्ड पाठ का समापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। श्री अमृतवेला संगत समिति के द्वारा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में समर चालिया महोत्सव का समापन किया गया। इस अवसर पर चालीस दिन के अखण्ड पाठ का भोग का कार्यक्रम हुआ अखण्ड पाठ का मुख्य उद्देश्य सभी परिवारों की सुख शांति एवं खुशहाली के लिए कामना करना है एवं बच्चों को भी आध्यात्म की राह में जोड़ना है। आयोजन के अवसर पर शामिल संगत के द्वारा श्री ग्रंथ साहिब की आरती पूजा अरदास पल्लव पूजा की गई परिवारों की सुख शांति के लिए कामना की गई।

संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मण्डला (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने जिला योजना भवन में विभिन्न विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर मानव अधिकारों से जुड़ी योजनाओं एवं कानूनों के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानव अधिकारों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें। श्री कानूनगो ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने आयोग द्वारा मांगी गई जानकारी निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय एवं राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर आयोजन के निर्देश

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती वंदना गुप्ता द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर के निर्देशानुसार विभाग में कार्यरत सेवानिवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के लंबित स्वत्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए आगामी माह प्रत्येक शनिवार को संबंधित विकासखण्डों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में सेवा निवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवारों से जुड़े प्रकरणों जैसे वेतन, मजदूरी, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, जीपीएफ, समूह बीमा, अनुकम्पा नियुक्ति सहित अन्य लंबित मामलों का निराकरण किया जाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ता राजू राजपूत सम्मानित

मण्डला (स्वतंत्रमत)। सनातन वैदिक गुरुकुल एवं गौशाला समिति द्वारा आयोजित गुरुकुल के वार्षिकोत्सव एवं युवक-युवती चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक एवं भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गुरुकुल परिवार ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सभी सनातन धर्म प्रेमियों, कार्यकर्ताओं, दानदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं को दिया जिनके तन मन और धन से मिले सहयोग से यह आयोजन सफल बन सका कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों एवं व्यायाम शिक्षकों के लिए उत्तम आवास भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग राजपूत होटल ढाबा, कटरा के संचालक राजू राजपूत द्वारा प्रदान किया गया। राजू राजपूत का गुरुकुल के प्रति सदैव समर्पण भाव रहा है और वे निरंतर तन मन एवं धन से सहयोग करते रहते हैं समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज में ऐसे सेवाभावी एवं धर्मनिष्ठ व्यक्तियों के सहयोग से ही संस्कार संस्कृति एवं सनातन परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य निरंतर जारी है। गुरुकुल परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि राजू राजपूत एवं उनके परिवार पर सदैव सुख, शांति एवं समृद्धि बनी रहे तथा उनके जीवन में धन-धान्य की निरंतर वृद्धि हो इसी क्रम में सनातन वैदिक गुरुकुल एवं गौशाला समिति द्वारा राजू राजपूत को विशेष सम्मान प्रदान कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

चोरी के जेवर के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/बम्हनी (स्वतंत्र मत)।

थाना बम्हनी पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए चोरी गए सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं एक आरोपी की तलाश अभी जारी है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के निर्देशन में थाना बम्हनी पुलिस ने विशेष टीम गठित कर मामले की गहन जांच की मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की जानकारी के अनुसार 15 मई को वार्ड क्रमांक 08 घटिया निवासी जानकी कार्तिकेय (45) ने थाना बम्हनी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 14 मई की रात घर में ताला लगा हुआ था। रात करीब 12

बजे से सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोर उनके घर से एल्यूमिनियम की पेटी चोरी कर ले गए पेटी में सोने-चांदी के जेवरात 10 हजार रुपये नगद वाहन संबंधी दस्तावेज तथा कपड़े रखे हुए थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये आंकी गई थी मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बम्हनी के उपनिरीक्षक पुनीत बाजपेयी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने संदेही हमराज यादव निवासी घटिया और एक विधि-विरुद्ध बालक को छत्तीसगढ़ खैरागढ़ से हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने दहू पटेल निवासी अंजनिया के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए जेवरात का कुछ हिस्सा बादल यादव, जयंत कुशराम और अभिषेक रजक के माध्यम से मंडला निवासी अंसू सोनी को बेचा गया था पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमराज यादव, बादल यादव, जयंत कुशराम, अभिषेक रजक एवं अंसू सोनी को गिरफ्तार कर लिया जबकि मुख्य आरोपी दहू पटेल की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए माल में शामिल एक जोड़ी सोने के झुमके एक सोने की अंगूठी तीन सोने की गुरिया, तीन सोने की पत्ती, एक चांदी का खुचमा, दो चांदी के ब्रेसलेट, एक चांदी का करधन तथा एक हजार रुपये नगद बरामद किए हैं।

गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है इस खुलासे में उपनिरीक्षक अरुण प्रताप सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक प्रवीण शर्मा, उपनिरीक्षक अतुल वासनिक, सहायक उपनिरीक्षक शिशांक श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक ब्रजलाल, हीरा मरावी, नारायण, आरक्षक जीवन सिंह मार्को, सचिन यादव, उमराव, उमेश मार्को, शिवराम बघेल, सैनिक उत्तम, सैनिक सुग्रीव, महिला आरक्षक जयश्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भीषण गर्मी के बीच बारिश से मिली राहत

उमस और बीमारियों का खतरा बढ़ा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। अंचल में जारी भीषण गर्मी के बीच कल दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट लेते हुए तेज बारिश का रूप ले लिया। आसमान में छाए काले बादलों के साथ हुई इस वर्षा ने जहां एक ओर लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी से राहत दी, वहीं वातावरण में नमी घोल दी। बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने कुछ समय के लिए राहत की सांस ली।

बीते कई दिनों से नौतपा के चलते क्षेत्र में तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच रहा था। तेज धूप और लू के थपेड़ों से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। ऐसे में अचानक हुई बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया और सड़कों पर भी चहल-पहल बढ़ गई। बच्चे और युवा बारिश का आनंद लेते नजर आए, वहीं किसानों के चेहरे पर भी हल्की मुस्कान देखने को मिली।

हालांकि यह राहत ज्यादा देर टिकने वाली नहीं दिख रही है। मौसम साफ होते ही एक बार फिर चटक धूप निकलने की आशा है, जिससे वातावरण में उमस और चिपचिपी गर्मी का अहसास बढ़ जाने वाला है। विशेषज्ञों के अनुसार, बारिश के बाद बढ़ी नमी के कारण अब संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को धूप और उमस से बचाने, साफ पानी पीने तथा खान-पान में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है। इसके साथ ही मच्छरों से बचाव के लिए भी आवश्यक उपाय अपनाने को कहा गया है।

कुल मिलाकर, भीषण गर्मी के बीच आई यह बारिश जहां राहत का कारण बनी, वहीं अब बढ़ती उमस और बीमारियों की आशंका ने लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता के साथ ही लोगों को भी खुद की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता जताया जा रही है।

मंडी में रखा गेहूं हुआ गीला किसानों की उड़ी नींद

इन दिनों गेहूं की फसल कट कर खेत खलिहा के बाद खरीदी केंद्रो के प्रांगण में रखी हुई है। किसानों के अलावा शासन के द्वारा खरीदा गया गेहूं भी विगडे मोशम और आंधी तूफान बारिश ने गीला हो गया। जिससे किसानों की नींद उड़ा कर रख दिया है। किसान एक तरफ शासन के नियमों से परेशान हैं और उपर से बारिश से प्रभावित हो रही गेहूं की फसल से और परेशान हो रहा है।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी तथा प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सुश्री प्रेरणा मर्सकोले के मार्गदर्शन में ग्राम छोटी गौंझी में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिकायत पर एएसआई ने दिए निर्देश

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले के रामनगर स्थित गोंडवाना साम्राज्य की लगभग 350 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर दल बादल महल के संरक्षण को लेकर चल रही मुहिम अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी द्वारा स्मारक की बदहाल स्थिति को लेकर की गई शिकायत पर केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एएसआई ने संज्ञान लेते हुए स्थानीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं विभागीय अधिकारियों ने शिकायत में उठाए गए मुद्दों को अत्यंत महत्वपूर्ण और मूल्यवान बताते हुए स्मारक की सुरक्षा स्वच्छता और रखरखाव व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय संरक्षण सहायक को आवश्यक निर्देश दिए हैं। इससे क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से उपेक्षा का शिकार यह ऐतिहासिक महल अब संरक्षण और जीर्णोद्धार की दिशा में ठोस कदम देख सकेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में होने के बावजूद महल की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है महल की कई दीवारों से मलबा गिर रहा है छतों के हिस्से कमजोर हो चुके हैं तथा परिसर झाड़ी और अव्यवस्था से घिरा हुआ है स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते संरक्षण कार्य नहीं किया गया तो यह बहुमूल्य धरोहर अपूरणीय क्षति का शिकार हो सकती है शिकायत में यह मुद्दा भी उठाया गया था कि हर वर्ष रामनगर में बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले आदि उत्सव जैसे आयोजनों के दौरान हजारों लोग इस ऐतिहासिक परिसर में पहुंचते हैं लेकिन स्मारक के मूल ढांचे को सुरक्षित रखने और उसके वैज्ञानिक संरक्षण के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना नजर नहीं आती पत्र में चेतावनी दी गई थी कि यदि वर्तमान स्थिति बनी रही तो किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है और क्षेत्र अपनी ऐतिहासिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अध्याय खो सकता है शिकायत पर कार्यवाही करते हुए रणदीप ठाकुर तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के जबलपुर सर्कल की ओर से जवाब जारी किया गया। विभाग ने अपने उत्तर में स्पष्ट किया कि दल बादल महल का संरक्षण और रखरखाव प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1958 के तहत किया जा रहा है वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर स्मारक का

चिया किनोवा खरीदी प्रक्रिया

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले में चिया एवं किनोवा फसल के उत्पाद की खरीदी एवं विक्रय प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कलेक्टर के निर्देशानुसार आत्मा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं समृद्धि ऑर्गेनिक एग्रो बॉयोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से यह कार्य संचालित किया गया। उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया के मार्गदर्शन में चिया एवं किनोवा खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में किसानों का स्वागत करते हुए उन्हें वैकल्पिक एवं पोषक फसलों के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

न्यायालय तहसीलदार निवास जिला मण्डला मप्र

1547 ग्राम-निवास प.ह.नं. 36

उद्घोषणा

राजस्व निरी.मं. निवास तहसील निवास

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि ग्राम करौदी तहसील निवास पटवारी हल्का नं. 38 स्थित भूमि खसरा नं. 28 रकवा 4.95 हे. भूमि संदीपनी मॉडल स्कूल निवास हेतु नजूल निर्वर्तन निर्देश नियम 2020 के तहत आबंटित/ हस्तांतरित किया जाना है। अतः संबंधित विभाग को उक्त भूमि आवंटित किये जाने से जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05.06.2026 तक पेश कर सकते है। नियत समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एव पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 20.05.2026

न्यायालय तहसीलदार तहसील निवास जिला मण्डला

न्यायालय तहसीलदार निवास जिला मण्डला मप्र

1546 ग्राम-निवास प.ह.नं. 36

उद्घोषणा

राजस्व निरी.मं. निवास तहसील निवास

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि ग्राम निवास पटवारी हल्का नं. 36 स्थित भूमि खसरा नं. 259/1 रकबा 7.67 हे भूमि संदीपनी मॉडल स्कूल निवास हेतु भूमि नजूल निर्वर्तन निर्देश नियम 2020 के तहत आबंटित / हस्तांतरित किया जाना है। अतः संबंधित विभाग को उक्त भूमि आवंटित किये जाने से जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05.06.2026 तक पेश कर सकते है। नियत समयावधि पश्चात् कोई प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 20.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 20.05.2026

न्यायालय तहसीलदार तहसील निवास जिला मण्डला

कार्यालय नगर परिषद् निवास जिला मण्डला

प.क्रमांक 194/ई-टेण्डर/2026-27 निवास, दिनांक 29/05/2026

बाजार फीस वसूली ठेके पर दिये जाने हेतु द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद निवास जिला मण्डला म.प्र. द्वारा निम्न तालिका अनुसार म.प्र. नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अतंरण) नियम 2016 एवं संशोधित नियम म.प्र. राजपत्र (असाधरण) प्राधिकार से प्रकाशित नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल दिनांक 04 मई 2021 में दिये गये प्रावधानों के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु (01 जुलाई 2026 से 31 मार्च 2027 तक) 09 माह की अवधि के लिये बाजार फीस वसूली ठेके पर दिये जाने हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की बेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है या नगर परिषद निवास कार्यालय के राजस्व शाखा में उपस्थित होकर भी कार्यालीन समय पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा हेतु बाजार फीस वसूली ठेके का विवरण

टेंडर आईडी जारी दिनांक	ठेके का नाम	आरक्षित मूल्य	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	अतिंम दिनांक
2026_UAD_501935_2 29/5/2026	दैनिक/साप्ताहिक बाजार एवं मड़ई/गुदरी ठेका (द्वितीय आमंत्रण)	990000.00	24750.00	2000.00	15/6/2026

नोटः-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद निवास, जिला मंडला

बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के आसान तरीके

हर बच्चा स्वाभाविक तौर पर एक वैज्ञानिक होता है। बच्चों में, अपनी आस पास की दुनिया को समझने का, काफ़ी कौतूहल होता है। छोटे बच्चे हर चीज़ को छूना चाहते हैं, पकड़ना चाहते हैं, फेंकना चाहते हैं और कभी कभी तो हर चीज़ खाना भी चाहते हैं। ऐसी ही चंचल और शरारती तरीक़ों से वो इस दुनिया को समझते हैं। अगर आप ध्यान से सोचें तो प्रकृति को समझने का वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी यही है। बतौर अभिभावक, हम हमेशा यह चाहते हैं कि बच्चों का यह शरारती कौतुहल उन्हें कोई हानि ना पहुँचाये। इसके लिए हम अपने बच्चों को safe toys देते हैं। खिलौनो से बच्चों का मन लगा रहता है और उनसे वे कई चीजें सीखते भी हैं। लेकिन क्रमशः इन्हीं खिलौनो की वजह से बच्चों का स्वाभाविक कौतूहल धीरे धीरे कम होने लगता है। इसके अलावा भारी-भरकम पाठ्य पुस्तकों से भरी हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को प्रकृति से और दूर ले जाती है। प्रकृति से जुड़ा न होना बच्चों में विज्ञान के प्रति भय होने का एक महत्वपूर्ण कारण है। बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि किसी भी उम्र में जगायी जा सकती है। इस लेख में, हम आपको बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के कुछ आसान तरीक़े बताएँगे।

क्यूँ और कैसे पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

बच्चों में हर चीज़ के प्रति एक स्वाभाविक जिज्ञासा होती है। वे अपने आस पास की चीजों को देखतें हैं, अपने तरीक़े से उनका अध्ययन करते हैं और उन्हें समझते भी हैं।उनके बड़े होने के क्रम में इस स्वाभाविक कौतूहल को दबाएँ ना।

यह सम्भव है कि उनके कई प्रश्नों के उत्तर आपके पास नहीं होंगे। ऐसी परिस्थिति में उनके प्रश्नों को ख़ारिज ना करें, बल्कि उन प्रश्नों के उत्तर ढूँढने में उनकी मदद करें। आज के युग में इंटरनेट की वजह से यह काफ़ी आसान हो गया है। ध्यान रखें कि छोटे बच्चे वेब-ब्राउज़िंग आपकी निगरानी में ही करें। इससे वे सेफ़ वेबसाइटों की पहचान कर पाएँगे।

हमारे आस पास की चीजों के पीछे जो वैज्ञानिक सिद्धांत छिपे हैं, उनको सरल भाषा में समझाने वाले कई विडीओ इंटरनेट में उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि हम विद्युत आवेश को समझना चाहते हैं। इसका एक सरल तरीक़ा यह है कि हम एक कंघी लें और उससे अपने बाल संवारें। अब इस कंघी को कागज़ के छोटे टुकड़ों के पास ले जाएँ। आप पायेंगे की कागज़ के टुकड़े कंघी से चिपक जाएँगे। इस सरल प्रयोग से आप अपने बच्चों को घर्षण और विद्युत आवेश की सृष्टि में सम्बंध समझा सकते हैं।

अगर आप ऐसे छोटे-छोटे प्रयोग घर पर ना कर सकें तो कम से कम बच्चों को इंटरनेट पर मौजूद ऐसी विडीओ ज़रूर दिखायें। बिना किसी विज्ञान प्रतियोगिता या प्रदर्शनी का इंतज़ार किये आप अपने बच्चों को छोटे-छोटे साइंस प्रोजेक्ट्स बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। कोशिश करें कि ये प्रोजेक्ट्स आम ज़िंदगी से जुड़े हों, जैसे कि पानी में भीगने के बाद चित्रकारी वाली ब्रश के रेशे एक साथ चिपकते क्यूँ हैं? इससे बच्चे ये समझ पाएँगे कि पृष्ठ तनाव (सरफ़ेस टेन्शन) हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है।

मॉर्निंग वॉक के वार्तालाप में विज्ञान को जोड़ें

आप अपने मॉर्निंग वॉक को भी अपने बच्चों को विज्ञान से जोड़ने का एक ज़रिया बना सकते हैं। हमारे आस-पास, प्रकृति में, कई ऐसी चीजें हैं जिससे हम अपने बच्चों को विज्ञान के कुछ मूलभूत सिद्धांत सिखा सकते हैं। जैसे अगर सुबह आसमान बादलों से घिरा है, तो आप बच्चों को जल से भाप और भाप से बादल बनने की प्रक्रिया समझा सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी वार्तालापों से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे स्कूली किताबों में पढ़ी हुई चीजों को प्रकृति से जोड़ भी पाएँगे।

विज्ञान के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

ज़्यादातर मामलों में बच्चों की सोच पर माता-पिता के दृष्टिकोण का काफ़ी गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर बच्चे आप से या परिवार के बाक़ी सदस्यों से यह सुनते रहेंगे कि विज्ञान बहुत कठिन है, तो वो भी ऐसा भी मानने लगेंगे। इस लिए आप हमेशा सचेत रहें और बच्चों के सामने विज्ञान के बारे में सकारात्मक ही बोलें। आपका पेशा विज्ञान से सम्बंधित हो या ना हो, कोशिश करें कि आप स्वयं विज्ञान के प्रति किसी दुराग्रह से ग्रसित ना हों। 'विज्ञान में केवल तेज़ बच्चे अच्छा करते हैं', ऐसी बातें अपने बच्चों के सामने ना बोलें। बच्चों में यह समझ पैदा करें कि विज्ञान पढ़ने से हमारी तार्किक क्षमताएँ बढ़ती हैं। जो कोई भी थोड़ी मेहनत करने को राज़ी है, वो विज्ञान को अच्छी तरह समझ सकता है। विज्ञान में रुचि पैदा करना और उसे बनाए रखना, अभिभावकों एवं शिक्षकों, दोनों के लिए एक चुनौती है। यदि बच्चों के मन को विज्ञान के प्रति किसी दुराग्रह से बचाया जाये, तो ना सिर्फ़ वो स्कूल में अच्छे नम्बर लाएँगे, बल्कि आगे जीवन में विज्ञान से सम्बंधित किसी करियर का चयन भी कर सकते हैं। विज्ञान पढ़ने से जिस तार्किक क्षमता का विकास होता है, वो जीवन के कई पहलुओं में काम आता है। याद रखें कि विज्ञान के प्रति रुचि किसी भी उम्र में जगायी जा सकती है। हाँ, यह ज़रूर है कि अगर ये रुचि बचपन में जगायी जाये तो कम से कम पूरे समाज में विज्ञान के प्रति एक सकारात्मक सोच आ सकती है।

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कल्पना से परे करियर के अवसर

यदि आपकी रुचि विज्ञान या आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान में है, तो बीएससी बायोटेक्लोलॉजी कोर्स आपके लिए एक श्रेष्ठ करियर विकल्प हो सकता है। बायोटेक्नोलॉजी साइंस के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह जीव विज्ञान और विभिन्न तकनीकों का संयोजन करके उत्पादों का संशोधन करने से संबंधित है, और इसका उपयोग मानव आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाता है। इस कोर्स की अवधि 3 वर्ष है जिसमें छात्र विभिन्न जीवों के डीएनए को परिवर्तित करने के लिए आवश्यक कौशल भी सीखते हैं।

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी क्या है?

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी एक अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम कोर्स है जिसकी अवधि 3 साल है। यह कोर्स बायोटेक्नोलॉजी विज्ञान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें जैविक प्रणालियों और जीवों के बारे में अध्ययन कराया जाता है। इस कोर्स को छात्र भारत के बेस्ट बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज से कर सकते है। यह आणविक जीव विज्ञान जैव रसायन, सक्षम जीव विज्ञान, रसायन इंजीनियरिंग, प्रतिरक्षा विज्ञान, चिकित्सा, कृषि आदि सम्बंधित विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करके और दवाओं, एंटीबायोटिक दवाओं, एंजाइम आदि के उत्पाद के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके किया जाता है।

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स : न्यूतम योग्यता

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स में प्रवेश के लिए, छात्रों को भौतिकी, रसायन विज्ञान, और जीव विज्ञान के अनिवार्य विषयों के साथ 12वीं कक्षा में किसी भी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से 50% योग्यता की आवश्यकता होती है।

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी क्यों चुनें?

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी का चयन करने के लिए कई कारण हो सकते है। जिसमें से कुछ महत्वपूर्ण कारण यह है –

- वैज्ञानिक रोजगार के अवसर – बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर है। जिसमें क्षेत्र जीवों या उनके घटकों का उपयोग करके नवचारिक और ग्राहक के अनुकूल उत्पाद विकसित करना आदि भी शामिल है।
- व्यक्तिगत उपचार में वृद्धि – व्यक्तिगत उपचार का महत्व बढ़ रहा है, और बायोटेक्नोलॉजी की डिग्री इस थेरेपी के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान कर सकती है। जीनोम सिकविन्सिंग टेस्ट को घर पर विपणी करने की क्षमता से, डॉक्टर पेशेवर रूप से रोगी की जिनेटिक्स की जांच करके उनके चिकित्सा जोखिमों की पहचान कर सकते हैं।

- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व** – बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बहुत अधिक महत्व है। यह क्षेत्र को सवचालन के माध्यम से सुनिश्चित करके, जैसे कि दवा विकास और निदान बायोमेकर्स की पहचान, प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करता है। इसके अलावा ये इंसानी रोग गुण विश्लेषण में भी मदद करता है जैसे कि कैंसर कोशिकाओं की श्रेणीकरण। इसलिए, इस कोर्स को करने वाले छात्र बायोटेक्नोलॉजी स्वास्थ्य सेक्टर में बहुत अच्छा करियर बना सकते हैं।

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स के भविष्य में अवसर

बीएससी बायोटेक्नोलॉजी डिग्री प्राप्त करने के बाद छात्रों के पास बड़ी संख्या के करियर विकल्प उपलब्ध होते है जो इस प्रकार है–

- **उच्च शिक्षा**– बीएससी बायोटेक्नोलॉजी डिग्री को करने के बाद छात्र उच्च शिक्षा का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिसके लिए वह बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी या फिर बीएड कर अपने करियर को और बेहतर बना सकते है।
- **प्रतियोगी परीक्षाएं**– बीएससी बायोटेक्नोलॉजी डिग्री पूरी करने के बाद, छात्र यूपीएससी, सीएसई, आईएफएस और विभिन्न राज्यों के पीएफसी सहित सरकारी नौकरियों के लिए विभिन्न परीक्षाएं भी दे सकते हैं।
- **नौकरी**– यह डिग्री करने के बाद छात्रों के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की नौकरी की संभावनाएं उपलब्ध हैं जैसे कि बायोफिजिसिस्ट/बायोकेमिस्ट, रिसर्च एसोसिएट, एपिडेमियोलॉजिस्ट, लैब टेक्निशियन और इससे वह इंडस्ट्री में बेहतर वेतन कमा सकते है।

अपने बच्चे के विज्ञान प्रोजेक्ट को तैयार करने में कैसे मदद करें

विज्ञान से तात्पर्य एक ऐसे व्यवस्थित ज्ञान से है जो विचार, अवलोकन और प्रयोगों से प्राप्त किया जाता है जो कि किसी अध्ययन की प्रकृति या सिद्धांतो की जानकारी प्राप्त करने के लिए किए जाते हैं। विज्ञान शब्द का प्रयोग ज्ञान की ऐसी शाखा के लिए भी किया जाता है, जो तथ्य, सिद्धांत और तरीको का प्रयोग और परिकल्पना से स्थापित और व्यवस्थित करता है। किसी भी वस्तु के बारे में जानकारी प्राप्त करना और जानकारी को सही तरीके से लागू करना तथा किसी भी वस्तु का सही अवलोकन अथवा विश्लेषण करना ही विज्ञान है। 'वि' का अर्थ है विकास करना, इससे तात्पर्य है कि विकास करने वाले ज्ञान को ही विज्ञान कहते हैं। आज विज्ञान के प्रयोगों के माध्यम से ही मानव जाति इतनी समृद्ध हो पाई है। यदि प्राचीन काल की बात करें, तो हमारे वेद पुराण और धर्म ग्रंथों में भी विज्ञान के प्रयोगों के बारे में विस्तार से बताया गया है। आज हम अपने बच्चों को कुछ इस तरह से मदद कर सकतेहैं–

प्रयोगशाला प्रयोग– छात्र विज्ञान प्रयोगशालाओं में विज्ञान के प्रयोग करके विज्ञानिक सिद्धांतों को समझ सकते हैं। इससे उनकी वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होती है और वे विज्ञान के मूल सिद्धांतों को समझते हैं।

विज्ञान मेले और प्रदर्शनी– विज्ञान मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन करके छात्रों को विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को जानने और समझने का मौका मिलता है। इसके माध्यम से वे विज्ञानिकों से मिलकर अपने सवालों का उत्तर प्राप्त करते हैं।

विज्ञान के लिए प्रायोगिक अनुभव– छात्रों को विज्ञान के प्रायोगिक अनुभवों का अवसर प्रदान किया जा सकता है, जैसे कि खुद के प्रयोग करने, नैतिकता को ध्यान में रखते हुए, और विज्ञान की दुनिया में अध्ययन करने की क्षमता विकसित करने के लिए।

विज्ञान उपकरणों का उपयोग– छात्रों को विज्ञान के उपकरणों का उपयोग करने की अनुमति देने से वे अधिगत ज्ञान को साक्षरता के माध्यम से प्रदर्शन कर सकते हैं। विज्ञान मनोरंजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है क्योंकि विज्ञान के सिद्धांत और तकनीकी प्रगति के अनुसार विभिन्न प्रकार के मनोरंजन और विचारशील माध्यम विकसित हो रहे हैं. निम्नलिखित तरीकों से विज्ञान मनोरंजन क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा सकता है:-

विज्ञान फिक्शन फिल्में– विज्ञान के सिद्धांतों और तकनीकी अद्वितीयता को आत्मविश्वास करने वाले किस्सों के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए विज्ञान फिक्शन फिल्में एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं. ये फिल्में दर्शकों को विज्ञानिक अद्वितीयता के साथ मनोरंजन प्रदान करती हैं.

प्रौद्योगिकी खेल– विज्ञान की बढ़ती तकनीकी क्षमताओं का उपयोग वीडियो खेलों में किया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को नए और रोमांचक अनुभव प्राप्त होते हैं.

विज्ञान प्रदर्शनियाँ– विज्ञान प्रदर्शनियों और मुद्रिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विज्ञान के दुनिया को जनता के पास लाया जा सकता है। यह छात्रों और व्यक्तियों को विज्ञान के रोचक पहलु को देखने का मौका प्रदान करता है.

विज्ञान से जुड़े वाणिज्यिक उपकरण– विज्ञान द्वारा विकसित वाणिज्यिक उपकरण भी मनोरंजन क्षेत्र में महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जैसे कि वीडियो खिलौने, वाणिज्यिक वीडियो सम्पादन सॉफ़्टवेयर, और डिजाइन प्रिंटिंग मशीनों का उपयोग.

पॉप कल्चर में विज्ञान– विज्ञान विषयक पुस्तकें, वीडियो, गेम्स, और टीवी शोज के माध्यम से विज्ञान ज्ञान को जनसमुदाय के लिए प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।

विज्ञान मनोरंजन साथियों में– दोस्तों और परिवार सदस्यों के साथ विज्ञानिक मनोरंजन गतिविधियों को किया जा सकता है, जैसे कि विज्ञानिक ट्रिविया खेल या वैज्ञानिक थीम पार्टी। विज्ञान के प्रति बच्चे में रूचि पैदा करने के लिए आप उन्हें अविष्कारों से संबंधित रोचक जानकारियां भी साझा कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने बच्चे के साथ साइंस क्विज जैसे मनोरंजक गेम भी खेल सकते हैं।

विज्ञान के 10 शानदार प्रयोग जिनसे हमारा जीवन सरल हो गया

8वीं कक्षा से लेकर 10वीं की कक्षा में अक्सर परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र में ये सवाल पूछ दिए जाते हैं कि विज्ञान के चमत्कार पर निबंधलिखें। आपने पढ़ा भी होगा कि आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है। आदिम युग से लेकर 22वीं सदी के दौरान इंसान ने एक बड़ी यात्रा तय की है और अपनी आवशयकताओं के हिसाब से नित्य नए नए अविष्कार किए जाते रहे हैं। आज से दो दशक पहले तक कोई मोबाइल का इस्तेमाल करने के बारे में सोच भी नहीं सकता था और घर में टेलीफोन का होना भी सुविधा माना जाता था। आपके बच्चे के लिए ये जानना बहुत जरूरी है कि विज्ञान के प्रयोग ने हमारे जीवन को कितना सरल और सहज बना दिया है। विज्ञान के प्रयोग से संबंधित बातों को हम यहां इस ब्लॉग में विस्तार से बताने जा रहे है। इस ब्लॉग से आपको अपने बच्चे के विज्ञान प्रोजेक्ट से संबंधित आइडिया भी प्राप्त हो सकते हैं।

विज्ञान के 10 शानदार प्रयोग

विज्ञान ने हमारे जीवन को बहुत सारे तरीकों से सरल बनाया है, और यहां कुछ ऐसे प्रमुख विज्ञानिक प्रयोग हैं जिनसे हमारा जीवन सरल हो गया है–

बिजली की खोज– मानव जीवन को आसानी से बिजली की आपूर्ति करने के लिए विज्ञानिक प्रयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जलवायु और मौसम पूर्वानुमान– विज्ञान ने मौसम की पूर्वानुमान करने के लिए विभिन्न उपकरणों का विकास किया है, जिससे हम आने वाले मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वैज्ञानिक औषधि– विज्ञान के प्रयोगों से नई औषधियाँ विकसित की गई हैं, जिनसे बीमारियों के इलाज में सुधार हुई है।

अंतरिक्ष अनुशासन– विज्ञान और तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप, हम अंतरिक्ष में यातायात करने में सक्षम हो गए हैं, जिससे नेविगेशन और संचालन सरल हो गया है।

इंटरनेट– विज्ञान और तकनीक के कारण हम आपसी संचार के लिए इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं, जिससे जानकारी प्राप्त करने और साझा करने में सरलता हुई है।

विद्युत कार्यक्षेत्र तकनीक– विज्ञान ने विद्युत कार्यक्षेत्र के प्रयोग से घरेलू उपकरणों को चलाने के लिए सरल तरीके प्रदान किए हैं, जैसे कि फैन, टेलीविजन, और सुविधाएँ।

जीवन जीने के उपाय– विज्ञान ने मानव जीवन की गुणवत्ता को सुधारने के लिए नए प्रौद्योगिकी और विज्ञानिक तरीकों का आविष्कार किया है, जैसे कि जीवनरक्षक औषधियों का निर्माण।

जल, ऊर्जा और संकेतन– विज्ञान ने ऊर्जा संसाधनों का प्रबंधन करने और जल संकेतन को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेडियो और टेलीविजन– विज्ञान ने संचार के क्षेत्र में नई तकनीकी उपकरणों का निर्माण किया है, जिससे सूचना और मनोरंजन की पहुँच में सुधार हुई है।

जीवन के लिए सुरक्षा– विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रयोग से सुरक्षा के तरीके सरल हो गए हैं, जैसे कि अलार्म सिस्टम, और निर्देशनांक तकनीक।

ट्रंप की ईरान बैठक बेनतीजा खत्म नहीं हो सका कोई फैसला या समझौता

वाशिंगटन, (वार्ता)

ईरान अमेरिका समझौते को लेकर विशेष कक्ष में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दो घंटे लंबी चलने के बाद भी दुनिया को सिर्फ इंतजार ही हाथ लगा है। इस बैठक में खाड़ी में चल रही जंग को लेकर आखिरी फैसले पर बातचीत हुई और अंतिम फैसले का भरोसा दिया गया, लेकिन यह बैठक आखिरकार बेनतीजा खत्म हो गयी।

जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के खास कमरे, सिचुएशन रूम में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम की बैठक बुलाई, तो बनाए गए माहौल से यह उम्मीद की जा रही थी कि वे किसी फैसले के साथ बाहर आएंगे। उन्होंने दिन की शुरुआत में ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर इसके संकेत भी दिए थे कि ईरान के साथ एक अस्थायी व नाजुक समझौते पर अंतिम फैसला होने वाला है। लेकिन दो घंटे बाद वे बिना कुछ बोले बाहर निकल गए और दुनिया इंतजार करती रह गयी। बैठक के बाद कोई घोषणा नहीं की गई और न ही किसी समझौते की पुष्टि हुई। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने केवल इतना संक्षिप्त आश्वासन दिया कि श्री ट्रंप केवल वही समझौता करेंगे जो अमेरिका के लिए अच्छा हो और उनकी शर्तों को पूरा करता हो, जो कि तथ्य से ज्यादा एक रणनीतिक रुख को दर्शाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बाद में ट्रुथ सोशल के जरिए कहा कि अगले नोटिस तक कोई धनराशि ली या दी नहीं जायेगी और बहुत कम महत्व की अन्य वस्तुओं पर सहमति बन गई है। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि क्या वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और परमाणु वार्ता शुरू करने के लिए ईरान के साथ उभर रहे समझौते पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं।

इस बैठक में विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसका मुख्य फोकस दो जुड़े हुए लक्ष्यों पर था, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक बातचीत की दोबारा शुरुआत करना। श्री ट्रंप ने अपने शुरुआती पोस्ट में जलमार्ग को खोलने के साथ-साथ कई कड़ी मांगें रखी थीं। इनमें ईरानी बलों द्वारा लगाई गई सभी समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाना, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की संयुक्त निगरानी में सभी संवर्धित परमाणु सामग्री को नष्ट करना और यह पक्का वादा शामिल था कि तेहरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका की इन मौजूदा शर्तों पर किसी भी समझौते को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया है। ईरानी अधिकारियों का कड़ा रुख है कि जब तक विदेशी बैंकों में जब्त पड़ी उनकी लगभग बारह बिलियन डॉलर की संपत्ति को जारी नहीं किया जाता, तब तक कोई सार्थक बातचीत शुरू नहीं हो सकती। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि किसी भी सहमति पत्र को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इस बात की कोई पुष्टि है कि निचले स्तर के वार्ताकारों द्वारा चर्चा किए जा रहे इस मसौदे को ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व ने मंजूरी दी है।

अमेरिका की शर्तों और ईरान की पूर्व शर्तों के बीच की यह खाई श्री ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के सबसे जटिल और बड़े राजनयिक गतिरोधों में से एक बन चुकी है। इस बातचीत में तत्परता की बेहद जरूरत है क्योंकि दुनिया के कुल तेल संकट की आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है और इसमें जारी व्यवधान ने वैश्विक वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ा दी है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक समूह और विश्व व्यापार संगठन ने इसी सप्ताह संयुक्त रूप से चेतावनी दी थी कि लंबे समय तक यह रुकावट ईंधन और उर्वरक की लागत को बढ़ा सकती है, तेल के स्टॉक को खाली कर सकती है और ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर सकती है। यह संकट ऐसे नाजुक समय पर आ रहा है जब गर्मियों के मौसम के कारण मांग बढ़ने वाली है। इस बीच, अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित ईरान की नवनिर्मित पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने इस सप्ताह अपनी समुद्री गतिविधियों को बिना किसी रुकावट के जारी रखने का संकल्प लिया, जिससे साफ है कि राजनयिक दबाव के बावजूद ईरान झुकने को तैयार नहीं है।

राजनयिक बातचीत रुकने के बावजूद अमेरिका ने ईरान पर अपनी आर्थिक पकड़ मजबूत कर दी है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने इस हफ्ते घोषणा की कि अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान की लगभग एक बिलियन डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी को जब्त कर लिया है, जिसे वित्तीय दबाव अभियान के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि यदि बातचीत विफल होती है, तो अमेरिकी सेना युद्ध को दोबारा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है, हालांकि उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि कोई भी अंतिम समझौता उनके शब्दों में एक अच्छा सौदा होगा।

भारत की वाटर स्ट्राइक से पाकिस्तान में हाहाकार पानी की भारी किल्लत से जूझ रहा कराची

नई दिल्ली

पिछले साल पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर भारत ने पाकिस्तान पर वाटर स्ट्राइक की थी। इसके बाद से देश के अंदर जल-सुरक्षा की चिंताएं और बढ़ गई हैं। ऐसे में देश की आर्थिक राजधानी कराची गर्मियों के चरम मौसम में पानी की भारी कमी से जूझ रही है।

जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने अपनी विरोधी राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीपीपी पर बिगड़ते जल संकट के कुप्रबंधन का गंभीर आरोप लगाया।

जमात ने यह भी आरोप लगाया कि पीपीपी के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कराची में पानी की पुरानी कमी की समस्या को हल करने में पूरी तरह विफल रही है।

यह संकट ऐसे समय में सामने आया जब पूरा देश ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार मना रहा था। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए दंडात्मक कदमों के चलते पाकिस्तान पहले से ही बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईद के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए हाफिज नईम ने कहा कि कराची के निवासी बढ़ती नागरिक चुनौतियों के बावजूद अपनी धार्मिक परंपराओं का पालन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जमात-ए-इस्लामी ने पूरे शहर में 150 से अधिक स्थानों पर सामूहिक कुर्बानी की व्यवस्था की है। उन्होंने इसे एक पुरानी पहल बताया, जो स्थानीय समुदायों के साथ पार्टी के जुड़ाव को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होती है। गहराते जल संकट पर चिंता जताते हुए जमात-ए-इस्लामी प्रमुख ने कहा कि ईद की छुट्टियों के दौरान हजारों निवासी बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने जरूरी सार्वजनिक सेवाएं देने में नाकाम रहने के लिए पीपीपी के नेतृत्व वाली सिंध सरकार को जिम्मेदार ठहराया और सवाल उठाया कि प्रांत में पार्टी के 18 साल के शासन के बावजूद कराची की पानी की समस्याएं अब तक हल क्यों नहीं हो पाई हैं।

हाफिज नईम ने सिंध सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट बोर्ड पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि 43 अरब रुपये का बजट मिलने के बावजूद यह एजेंसी साफ-सफाई और कुर्बानी के जानवरों के कचरे के सही निपटारे को सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने प्रांतीय प्रशासन पर बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया और दावा किया कि सार्वजनिक धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है। जमात-ए-इस्लामी के नेता ने कराची के मेयर मुर्तजा वहाब के इस दावे को भी गलत बताया कि शहर में पानी की कोई कमी नहीं है। इस बीच कराची का जल संकट लगातार गहराता जा रहा है।

मोहाली नगर निगम चुनाव में लोकतंत्र की खुलेआम हत्या हुई : सिद्धू

मोहाली, (वार्ता)। पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलबीर सिंह सिद्धू ने शनिवार को मोहाली नगर निगम चुनाव में कथित अनियमितताओं को लोकतंत्र पर गंभीर हमला बताते हुए राज्य चुनाव आयोग से वार्ड नंबर 23 के मतदान केंद्र संख्या 93, वार्ड नंबर 2 के मतदान केंद्र संख्या 7 तथा वार्ड नंबर 4 के मतदान केंद्र संख्या 17 पर हुए मतदान को रद्द कर दोबारा मतदान कराने की मांग की है। श्री सिद्धू ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि इन मतदान केंद्रों पर मतदान और मतगणना के दौरान गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि मतपेटियों से बरामद कई मतपत्रों के साथ उनकी काउंटरफॉइल (रसीद वाला हिस्सा) जुड़ी हुई पाई गई, जो चुनावी नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और फर्जी मतदान की आशंका को मजबूत करता है। उन्होंने दावा किया कि कई काउंटरफॉइल पर मतदाताओं के हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान भी मौजूद नहीं थे। सिद्धू के अनुसार, यह स्थिति चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है और इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

राबड़ी देवी का आवास खाली करवाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नही:राजद

पटना, (वार्ता)

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार विधान परिषद में नेता विरोधी दल राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली करने संबंधी नोटिस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने उन लोकतांत्रिक मूल्यों को छोड़ किया है, जिसके बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बयान जारी कर कहा है कि राबड़ी देवी विगत 20 वर्षों से उस आवास में रहती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री होने के अलावा आज भी वह बिहार विधान परिषद में नेता विरोधी दल हैं। फिर ऐसी कौन सी स्थिति आ गई जो उन्हें 10, सर्कुलर रोड बंगले के बदले दूसरा आवास आवंटित किया गया है। राजद प्रवक्ता ने सरकार और सत्ताधारी दल के नेताओं की ओर से दिए जा रहे नियमों के हवाले को हास्यास्पद बताते हुए जानना चाहा है कि जब विधानसभा अध्यक्ष के नाम पर 1977 से हीं कर्णांकित 2, देशरत्न मार्ग बंगले को मंत्री के नाम आवंटित किया जा सकता है, उप मुख्यमंत्री के लिए कर्णांकित 5, सर्कुलर रोड बंगले को मुख्यमंत्री आवास का हिस्सा बनाया जा सकता है और विधानसभा अध्यक्ष तथा उप मुख्यमंत्री के लिए दूसरे बंगले का आवंटन किया जा सकता है, तो राबड़ी देवी के बंगले में किस नियम की दुहाई दी जा रही है। श्री गगन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई सांसदों को दिल्ली के अतिरिक्त पटना में भी बड़े-बड़े बंगले आवंटित किये गए हैं, लेकिन इस सरकार सिर्फ राबड़ी देवी का अपमान करना है।सरकार बताये कि 10, सर्कुलर रोड के बदले विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष को दूसरा आवास आवंटित किए जाने का औचित्य क्या है। संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। पर वर्तमान सरकार प्रदेश में विपक्ष के नेता के साथ निकृष्ट व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सवाल महज एक आवास का नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और व्यवस्था का है। उन्होंने कहा कि सरकार का मतलब यह नहीं है कि वह अपने अनुकूल नियम बनाएं और अपनी इच्छा से उसकी व्याख्या करें। उन्होंने कहा कि राबड़ी देवी के आवास को खाली करवाने के मामले में सरकार की मनसा संदेह के घेरे में है।

पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट रहे शरणार्थियों का ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, 18 लोगों की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी अफगानिस्तान में शनिवार को एक हाईवे पर पड़ोसी देश पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों से भरा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। घायलों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाजी ने बताया कि यह हादसा लघमान प्रांत में उस मुख्य हाईवे पर हुआ, जो अफगानिस्तान की राजधानी काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को इलाज के लिए नंगरहार के अस्पतालों में ले जाया गया है।

ये यात्री उन हजारों अफगानों में शामिल थे जो हाल ही में पाकिस्तान से लौटे थे। पाकिस्तान ने 2023 में बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की थी और तब से कई लोगों को देश से निकाल दिया है या उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया है। लगभग उसी समय ईरान ने भी अफगान प्रवासियों को देश से निकालने की प्रक्रिया तेज कर दी थी। तब से इन दोनों देशों से लाखों अफगान अपने घर लौट चुके हैं, जिनमें कई ऐसे लोग भी शामिल हैं जिनका जन्म पाकिस्तान में हुआ था और जिन्होंने वहां रहते हुए और काम करते हुए दशकों बिताए थे।

देश को अब एक शिक्षित प्रधानमंत्री की जरूरत : केजरीवाल

नयी दिल्ली, (वार्ता)

आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीप पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए उठाए जा रहे निष्प्रभावी कदमों के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि निश्चित रूप से अब देश को एक शिक्षित प्रधानमंत्री की जरूरत है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक और इसे रोकने के लिए उठाए जा रहे निष्प्रभावी कदमों के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि निश्चित रूप से अब देश को एक शिक्षित प्रधानमंत्री की जरूरत है। मौजूदा केंद्र सरकार नीट पेपर लीक की जड़ तक पहुंचने के बजाय अनपढ़ों जैसी बात कर रही है। सरकार कह रही है कि नीट में पेपर लीक रोकने के लिए वायु सेना के जहाज इस्तेमाल किए जाएंगे। क्या इससे पेपर लीक रूकेगा? उन्होंने कहा कि वास्तविकता तो यह है कि पेपर लीक रोकने की सरकार की नीयत ही नहीं है। आज देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह माफ़िया के चंगुल में आ चुकी है। अगर व्यवस्था को ठीक करना है तो सबको मिलकर कुछ करना होगा। अकेले किसी के कुछ करने से नहीं होगा।

श्री केजरीवाल ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि मैं खुद आईआईटी से इंजीनियर हूं, पढ़ा-लिखा हूं। इसलिए शिक्षा के महत्व को समझता हूं। उन्होंने कहा, %% मैं मानता हूं कि जब तक हर बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक देश तरक्की नहीं कर सकता। शुक्रवार को हमारे देश की सरकार ने एलान किया है कि अब नीट के पेपर को लीक होने से बचाने के लिए एयरफोर्स के जहाज और एयरफोर्स के बुलेट प्रूफ ट्रकों से उसे ट्रांसपोर्ट करेंगे। यह क्या मजाक बना रखा है? क्या हमें बेवकूफ समझा जा रहा है? श्री केजरीवाल ने कहा कि पूरी दुनिया में इतने बड़े-बड़े पेपर होते हैं, लेकिन क्या कहीं सुना है कि एयरफोर्स से उन्हें ट्रांसपोर्ट किया जाता है? क्या कहीं इस किस्म की नौटंकी सुनी है? केवल और केवल इस सरकार को नौटंकी करनी आती है। यह दिखाने के लिए कि हमने कितना बड़ा कदम ले लिया। पेपर लीक होने से बचाने के लिए हम यह सब कर रहे हैं। सिस्टम को ठीक करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। अगर कोई अच्छी नीयत वाली सरकार होती, तो वह देखती कि लीकेज कहां से हो रही है और उसे प्लग करती।

आप नेता ने कहा कि नीट के प्रश्नपत्र एयरफोर्स के जहाजों और ट्रकों से इसे ट्रांसपोर्ट किये जायेंगे- यह कहकर जाहिर तौर पर सिस्टम को बचाने की कोशिश की जा रही है। यह लीकेज जारी रहेगी और जहां से पेपर लीक हो रहे हैं, वह सिलसिला भी जारी रहेगा। हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था को बहुत बड़े माफिया ने अपनी जकड़ में ले लिया है। पूरा का पूरा एजुकेशन सिस्टम एक माफिया की जकड़ में है। छात्र वेदांत का नाम आजकल सोशल मीडिया पर काफी चल रहा है। वेदांत 12वीं क्लास का लड़का है। उसने पेपर दिए और उसके नंबर कम आए। उसने अपने पेपर निकलवाए, तो पता चला कि फिजिक्स के अंदर उसका पेपर किसी और से बदल दिया गया और उसके नंबर बहुत कम लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि उस बेचारे बच्चे ने एक्स पर यह बात डाल दी कि उसका पेपर बदल गया, तो इन लोगों की सारी ट्रोल आर्मी उस बेचारे पर चढ़ गई। कोई कहता है कि वह पाकिस्तानी है, तो कोई कहता है कि एंटी-नेशनल है। यह सब पूरा शिक्षा माफिया को बचाने की कोशिश है। अगर एक बच्चा आवाज उठाएगा, तो यह शिक्षा माफिया छोड़ेगा नहीं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कंगना रनौत ने आम इंसान को बताया असली 'भारत भाग्य विधाता'

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने आम इंसान को असली 'भारत भाग्य विधाता' बताया है।

कंगना रनौत इन दिनों अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने फिल्म के विषय और संदेश पर खुलकर बात की और कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। फिल्म के बारे में बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा कि यदि एक दिन के लिए अस्पतालों में नर्सें काम पर न आएं, स्कूलों में स्टाफ न पहुंचे, रेलवे का संचालन ठप हो जाए, शहर की सफाई व्यवस्था बंद हो जाए और सिनेमाघरों का स्टाफ भी छुट्टी पर चला जाए, तो पूरा सिस्टम पूरी तरह रुक सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन लोगों पर पूरा सिस्टम चलता है, उन्हें हम आम आदमी क्यों कहते हैं। कंगना के अनुसार, यही लोग प्रतिदिन अपने कार्यों से देश और समाज को चलाते हैं, और वास्तविकता में वही देश की असली ताकत हैं, जिन्हें 'भारत भाग्य विधाता' कहा जाना चाहिए। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियो, मणिकर्णिका फिल्म्स, परमहंस क्रिएशन्स, यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया गया है। इसका लेखन और निर्देशन मनोज तपाड़िया ने किया है। फिल्म को पेन मरुधर द्वारा वितरित किया जाएगा और यह 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

71 वर्ष के हुए परेश रावल

अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता परेश रावल आज 71 वर्ष के हो गए। परेश रावल का जन्म 30 मई, 1955 को मुंबई में एक गुजराती ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम दह्यालाल रावल था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा महाराष्ट्र एसएससी बोर्ड से पूरी की और इसके बाद स्नातक की डिग्री प्राप्त की। बचपन से ही उन्हें अभिनय में गहरी रुचि थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक थिएटर ग्रुप वाइन किया और नाटकों में अभिनय करने लगे। परेश रावल ने एक बार बताया था कि उनके परिवार में पॉकेट मनी की कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में गुजारे के लिए वे बैंक में नौकरी करने लगे। उन्होंने बताया था कि उन्हें डेढ़ महीने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा में नौकरी मिली थी, लेकिन उन्होंने तीन दिन बाद ही नौकरी छोड़ दी। उस दौरान उनकी गर्लफ्रेंड स्वरूप संपत उनकी आर्थिक मदद किया करती थीं। स्वरूप संपत अभिनेत्री रह चुकी हैं और उन्होंने मिस इंडिया का खिताब भी जीता था। परेश रावल और स्वरूप संपत ने वर्ष 1987 में विवाह किया। परेश रावल ने वर्ष 1984 में प्रदर्शित फिल्म होली से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। होली के बाद परेश रावल को हिफाजत, दुश्मन का दुश्मन, लोरी और भगवान दादा जैसी फिल्मों में काम करने का अवसर मिला, लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई विशेष सफलता नहीं मिली। वर्ष 1986 में उन्हें राजेंद्र कुमार निर्मित फिल्म नाम में काम करने का अवसर मिला। संजय दत्त और कुमार गौरव अभिनीत इस फिल्म में उन्होंने खलनायक की भूमिका निभाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई और इसके साथ ही उन्होंने एक प्रभावशाली खलनायक के रूप में अपनी पहचान बनाई। नाम की सफलता के बाद उन्हें मरते दम तक, सोने पे सुहागा, खतरों के खिलाड़ी, राम लखन, कब्जा और इजत जैसी बड़े बजट की फिल्मों में काम करने का मौका मिला। दामिनी और आदमी और मुकाबला जैसी सफल फिल्में प्रदर्शित हुईं। फिल्म सर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, जबकि फिल्म वो छोकरी में दमदार अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वर्ष 2000 में प्रदर्शित प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म हेरा फेरी परेश रावल के करियर की सबसे सफल फिल्मों में से एक साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने बाबूराव गणपतराव आप्टे का यादगार किरदार निभाया। अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के साथ उनकी तिकड़ी ने दर्शकों को हंसाते-हंसाते लोटपोट कर दिया। फिल्म की अपार सफलता के बाद वर्ष 2006 में इसका सीक्वल फिर हेरा फेरी बनाया गया। इस फिल्म के बाद उन्हें महसूस हुआ कि हास्य अभिनेता के रूप में उनके लिए संभावनाएं अधिक हैं।इसके बाद उन्होंने आवारा पागल दीवाना, हंगामा, फंटूश, गरम मसाला, दीवाने हुए पागल, मालामाल वीकली, भागमभाग, वेलकम और अतिथि तुम कब जाओगे जैसी फिल्मों में अपनी हास्य प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। परेश रावल को अब तक तीन फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें फिल्म सर के लिए सर्वश्रेष्ठ खलनायक तथा हेरा फेरी और आवारा पागल दीवाना के लिए सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा फिल्म राजा के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का स्टार स्क्रीन पुरस्कार भी मिला।फिल्मों में अभिनय के अलावा परेश रावल ने तीन बहुरानियां और लागी तुझसे लगन जैसे लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों का निर्माण भी किया है। भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2014 में पद्मश्री से सम्मानित किया। इसी वर्ष उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर राजनीति में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक से अधिक समय बिता चुके परेश रावल 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। आज भी वे भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी कलाकारों में शुमार किए जाते हैं। उनकी आगामी फिल्मों में वेलकम टू द जंगल प्रमुख है।

75 दिनों तक बाल काटने पर लगी थी रोक, मनोज बाजपेयी की गवर्नर के सेट पर मेकर्स ने बनाए थे खास नियम

साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक गवर्नर में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा नजर आएंगी और फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पहले से ही देखने को मिल रहा है। यह फिल्म भारत के आर्थिक इतिहास के एक बेहद अहम लेकिन कम चर्चित अध्याय को दिखाती है और 1990 के वित्तीय संकट को बड़े पर्दे पर बेहद दिलचस्प और प्रभावशाली अंदाज में पेश करती है। हाल ही में रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर दर्शकों, खासकर छात्रों के बीच जबरदस्त चर्चा में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बड़ी संख्या में मैनेजमेंट स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि 1990 के दशक का लुक पूरी तरह प्रामाणिक तरीके से पर्दे पर उतारने के लिए कई कलाकारों, जूनियर आर्टिस्ट्स और अन्य परफॉर्मर्स को लगभग 75 दिनों तक अपने बाल न कटवाने के लिए कहा गया था। दिलचस्प बात यह रही कि समय के साथ यह निर्देश सेट पर एक मजेदार इनसाइड जोक बन गया और पूरी टीम के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

सच्ची घटनाओं पर आधारित गवर्नर 1990 के दशक में भारत को हिला देने वाले आर्थिक संकट की गहराई में उतरती है। तनाव, सत्ता और राजनीतिक ड्रामे से भरपूर इसका ट्रेलर संकट और संघर्ष की दुनिया की एक रोमांचक झलक पेश करता है। नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी फिल्म में गवर्नर की भूमिका में नजर आ रहे हैं और उन्होंने अपने दमदार और प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस से किरदार को बेहद खास बना दिया है।

छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण के आयेंगे सुखद परिणाम

बोले मंत्री उदय प्रताप सिंह

करेली।

क्षेत्र की दशा व दिशा बदलने वाली महत्वाकांक्षी रेल परियोजना छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण की दशकों पूर्व से क्षेत्रवासी मांग करते आ रहे हैं। जिसे लेकर सर्वे का कार्य भी वर्षों पूर्व पूर्ण हो चुका है और अब जिसे अमलीजामा पहनाने की जरूरत है। शनिवार सुबह मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के गृह ग्राम लोलरी स्थित आवास में तेंदूखेड़ा एवं करेली क्षेत्र के जागरूक जनों द्वारा छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण के लिए मंत्री से सक्रिय पहल की अपेक्षा किए जाने का आग्रह किया गया। तत्संबंध में मंत्री श्री राव ने कहा कि छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन के निर्माण को लेकर उन्होंने सांसद रहते हुए हरसंभव प्रयास किए थे और इस दिशा में जो मेहनत की है, भविष्य में उसके सुखद परिणाम आएंगे। कहा यह बड़ी परियोजना है, जिसमें अनेकों व्यवहारिक कठिनाइयां होती

हैं, जिसके चलते ऐसी बड़ी परियोजनाओ को मूर्तरूप लेने में समय लगता है। मंत्री श्री राव की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद एक बार पुन: छिंदवाड़ा-करेली-सागर रेल लाइन निर्माण को लेकर आस जगी है। उक्त रेल लाइन के निर्माण से जहां उत्तर से दक्षिण की दूरी कम होगी, वही क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे। विदित हो कि करेली जिला नरसिंहपुर के रास्ते छिंदवाड़ा से सागर होकर जाने वाली रेलवे लाइन का सर्वे कम्पलीट हो गया है जिसमे कुल 28 रेलवे स्टेशन बनना है जिसमे 279.37 किलोमीटर में 4 रेल स्टेशन छिंदवाडा, करेली, मकरोनिया, सागर पहले से बने है 24 नये स्टेशन बनना है यह सर्वे रेलवे की पिंक बुक में दर्ज है नया डीपीआर भी बन गया है जिस पर बजट का आवंटन होना शेष है। यह मार्ग गौड़वाना व बुंदेलखंड के विकास के नये द्वार खोलेगा। सागर, दमोह, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के शहरी ग्रामीण अंचल से होकर गुजरने वाली विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली व सागर-नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा जिले को जोड़ने वाली प्रस्तावित छिंदवाड़ा करेली देवरी सागर रेल लाइन की मांग 1970 से हो रही है संसद में अनेक बार जनप्रतिनिधि इस मांग को उठा चुके है। इस मार्ग के बनने से नागपुर के रास्ते दक्षिण जाने एवं राजधानी दिल्ली की दूरी भी कम हो जावेगी वर्तमान रेल रूट से नरसिंहपुर से नागपुर पहुंचने में 12 घंटे लगते है यदि ये रेल लाइन बन जावेगी तो मात्र 3 घंटे में नागपुर के लगेगे। करेली सागर रेल लाइन की मांग 1970 से हो रही है इस मार्ग के बनने से नागपुर के रास्ते दक्षिण जाने एवं राजधानी दिल्ली की दूरी भी कम हो जावेगी यह मार्ग सतपुड़ा बुंदेलखंड़ अचंल रेल सुविधाओं में देश मे सबसे ज्यादा पिछड़ा है, बुंदेलखंड की आबादी देश आबादी का 5 प्रतिशत है।

परन्तु रेल लाइन देश की कुल लाइनो की एक प्रतिशत भी नही यह रेल मार्ग उत्तर भारत में भारत की राजधानी दिल्ली तथा दक्षिण भारत में चैन्नई कन्या कुमारी की लंबी दूरी को कम करेगा। यह रेलमार्ग 5000 से भी अधिक ग्रामो को सीधा महानगर से जोड़ेगा। व परियोजना से नए रोजगार के अवसर पैदा होगे।

महिलाओं ने पूर्ण श्रृंगार में रचाई अद्भुत माखन लीला

गोप-गोपिकाएं बनकर पहुंचीं मातृशक्ति ने भजनों पर किया भावविभोर नृत्य

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर के मध्य स्थित प्रतिष्ठित श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में इन दिनों पवित्र पुरुषोत्तम (अधिक) मास को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। तीन वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद आए इस पावन मास के निमित्त मंदिर परिसर में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं जिससे संपूर्ण वातावरण पूर्णत: धर्ममय हो चुका है। आयोजन की इसी श्रृंखला में बीते शुक्रवार को श्रीदेव अटल बिहारी युगल सरकार के दिव्य सानिध्य में समस्त सखियों द्वारा च्दादी माखन लीलाज् का भव्य उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस उत्सव की विशेष बात यह रही कि नगर की मातृशक्ति घरों से ही पूर्ण पारंपरिक श्रृंगार करके, सुंदर लहंगा-चुनरी धारण कर साक्षात गोप और गोपिकाएं बनकर मंदिर प्रांगण में पधारीं। आयोजन का शुभारंभ प्रात: ठीक 6ः00 बजे हुआ जहां सभी सखियों ने पुरुषोत्तम भगवान का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर महाआरती की। इसके पश्चात भक्ति रस से सराबोर च्दादी माखन लीलाज् का क्रम प्रारंभ हुआ। उत्सव के दौरान उपस्थित मातृशक्ति ने कन्हैया की माखन चोरी और सखियों संग नोक-झोंक पर आधारित पारंपरिक भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनके द्वारा विशेष रूप से प्रस्तुत किए गए मुख्य भजनज्दही खा लो मटकिया ने फोड़ो, ओ गैया के चरवैया! राधा के सांवरिया, जरा बंसी बजा के मुख मोड़ो...ज्ज* की कड़ियों पर सभी सखियां भावविभोर होकर झूम उठीं। भजन की सुंदर प्रस्तुति के साथ गोपियों द्वारा दही-माखन लीला का सजीव आनंद लिया गया।

मंदिर के पुजारी कमलेश भार्गव ने पुरुषोत्तम मास का सनातन धर्म में विशेष महत्व बताते हुए कहा कि इस अधिक मास में की गई भक्ति और बाल लीलाओं के स्मरण का फल अनंत गुना प्राप्त होता है। इस अलौकिक उत्सव में मुख्य रूप से मीडिया प्रभारी श्रीमती अंजना साहू, कुसुम भार्गव, सोनम साहू, मीना, रेखा, आशा दुबे, खुशबू सोनी, कल्पना अग्रवाल, शकुन अग्रवाल, सुनीता पटेल और बीना रावत सहित नगर की अनेक श्रद्धालु महिलाएं तथा सखियां पूर्ण गोपी भाव में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में भगवान को माखन-मिश्री का भोग लगाकर सभी भक्तों में महाप्रसाद का वितरण किया गया।

प्रभु श्री राम का नाम मंगलकारी है : शर्मा

नरसिंहपुर।

संकीर्तन समाज नरसिंहपुर द्वारा पुरुषोत्तम मास में शहर के विभिन्न मंदिरों में मंदिर समिति के सहयोग से 2 घंटे के हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। संकीर्तन की इस कड़ी में चौथा संकीर्तन का कार्यक्रम च्श्री राम मंदिर कंदेलीज्ज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन के अवसर पे संकीर्तन समाज के व्यास आर एस शर्मा द्वारा अपने उद्बोधन में गोस्वामी तुलसीदास की प्रसिद्ध चौपाई भायँ कुभायँ अनख आलसहूँ। नाम जपत मंगल दिसि दसहूँ।ज्ज का भावार्थ बताते हुए कहा गया कि भगवान का नाम किसी भी भाव से लिया जाए, चाहे प्रेम से, क्रोध से, अभिमान से अथवा आलस्यवश ही क्यों न हो, भगवान का नाम कल्याणकारी ही होता है। प्रभु नाम का स्मरण करने से व्यक्ति के जीवन की सभी दिशाओं में मंगल और शुभता का संचार होता है। व्यास जी ने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का संकीर्तन ही सबसे सरल और प्रभावी साधन है। हर व्यक्ति को नियमित रूप से हरिनाम जप एवं संकीर्तन करना चाहिए तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हरिनाम संकीर्तन कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। संकीर्तन समाज के पुरुषोत्तम मास का पंचम कार्यक्रम 1 जून को शाम 4 से 6 बजे तक *श्री राम मंदिर स्टेशन गंज* में आयोजित है। संकीर्तन समाज ने नगर की सभी धर्म प्रेमी जनता से उपस्थिति की अपील की है।

महात्मा गांधी महाविद्यालय के प्राचार्य परमार को दी गई भावभीनी विदाई

करेली।

आदर्श शिक्षण समिति द्वारा संचालित महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यू. एस. परमार के सेवानिवृत्त होने पर शनिवार को महाविद्यालय परिसर में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आदर्श शिक्षण समिति मित्र मिलन संस्था नगर के विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं पत्रकारिता संगठनों के प्रतिनिधियों सहित महाविद्यालय परिवार ने डॉ. परमार का सम्मान कर उनके दीर्घ एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान को स्मरण किया। समारोह में आदर्श शिक्षण समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों, मित्र मिलन संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों, पत्रकार बंधुओं, महाविद्यालय के पूर्व

प्राचार्यों, सेवानिवृत्त प्राध्यापकों, पूर्व विद्यार्थियों तथा वर्तमान महाविद्यालय स्टाफ ने पुष्पहार, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर डॉ. परमार का सम्मान किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. परमार ने वर्ष 1985 से 2026 तक लगभग 41 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवाएँ देते हुए शिक्षा, अनुशासन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं।

अपने उद्बोधन में डॉ. परमार ने महाविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान सभी का भरपूर सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हुआ। उन्होंने शिक्षा को समाज निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम एवं संस्कारों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

समारोह के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों एवं महाविद्यालय परिवार ने डॉ. यू. एस. परमार के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घ जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। विदाई समारोह भावुक वातावरण में संपन्न हुआ, जहाँ अनेक लोगों ने डॉ. परमार के साथ बिताए गए संस्मरण साझा किए।कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ रानू ठाकुर ने किया।

परिवहन विभाग की लापरवाही से सड़कों पर हो रहा मौत का खेल, जिम्मेदार मौन

नरसिंहपुर। जिले का परिवहन विभाग इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। नियमों की धज्जियां उड़ाते ओवरलोड वाहन, बिना फिटनेस और परमिट के दौड़ती बसें, अवैध रेत और गिट्टी परिवहन करने वाले ट्रक तथा बिना नंबर प्लेट के फर्राटा भरते वाहन खुलेआम सड़कों पर नजर आ रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है।शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक रोजाना भारी वाहन नियमों को कुचलते हुए निकल रहे हैं। कई बार हादसे हो चुके हैं, निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन विभाग की नींद अब तक नहीं टूटी। आम जनता का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के चलते अवैध वाहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं। सूत्रों के अनुसार जिले में बिना टैक्स जमा किए और बिना वैध दस्तावेजों के कई वाहन धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। स्कूल वाहनों की फिटनेस जांच भी केवल खानापूर्ति बनकर रह गई है। बच्चों की सुरक्षा तक को नजरअंदाज किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी एयर कंडीशन कमरों से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर परिवहन विभाग की चेकिंग कार्रवाई केवल दिखावे तक ही क्यों सीमित रहती है? जब कोई बड़ा हादसा होता है तब कुछ दिनों तक अभियान चलाया जाता है, फिर वही ढाक के तीन पात। जनता का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच हो जाए तो विभाग में फैले भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। नागरिकों ने जिला प्रशासन और शासन से मांग की है कि परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सड़कों पर दौड़ रही अव्यवस्था पर लगाम लग सके और आम जनता की जान से खिलवाड़ बंद हो।

भाजपा की मोदी सरकार के 12 साल विश्वास विकास और जनकल्याण के पूर्ण होने पर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

जिला भाजपा की बैठक संपन्न

नरसिंहपुर

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की एनडीए सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ निरंतर राष्ट्रहित में कार्य किया जा रहा है जिसमें विश्वास विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रमो के माध्यम से जनता के बीच सेवा और सुशासन के कार्यो का विस्तृत विवरण पहुचाया जाएगा इसका साथ ही विभिन्न आयोजन किये जाएंगे इसको लेकर जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में जिले की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता में एवं जिला प्रभारी शरद जैन, पूर्व विधायक नरेश पाठक, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य मिनेन्द्र डागा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी की विशेष उपस्थिति में किया गया। इस अवसर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजकुमार गुमास्ता ने प्रधानमंत्री जी की मन की बात के 134 वे प्रसारण के संबंध में जानकारी देते

हुए बताया कि मन की बात कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगो को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने का काम किया जाता है एवं यह 134 वा एपीसोड हमारे किसान भाईयों के साथ संवाद स्थापित कर मनाया जाएगा। जिसे मन की बात किसानो के साथ का नाम दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश के किसी भी बूथ पर उपस्थित होकर मन की बात का श्रवण करेंगे।

जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है यह एक महत्वपूर्ण अवसर है अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही भाजपा की सरकार ने देश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी लाभ पहुचाने का कार्य किया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न आयोजनो के माध्यम से जन सेवा के कार्य करने का निश्चय किया है जिसमें 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मॉ के नाम के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानो पर स्थानीय लोगो की सहभागिता के साथ पौधा रोपण का कार्य एवं उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी तय कर पौधा रोपण किया जाएगा।

8 जून से 14 जून जनसंपर्क अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण, सफाई एवं प्लास्टिक अपशिष्ट का नष्टीकरण के साथ जिले के प्रबुद्धजनो से संपर्क एवं संवाद किया जाएगा । 11 एवं 12 जून को प्रदेश स्तर से तय प्रवक्ता द्वारा मीडिया संवाद एवं 12 से 18 जून में विधानसभा स्तर पर जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन करना जिसके माध्यम से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से बंचित पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुचाना है जिसमें विशेष तौर पर आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पी.एम.सूर्य घर, पी.एम.स्वनिधि, लखपति दीदी एवं बीव्ही जी राम जी योजनाए सम्मिलित होंगी इसके साथ ही केन्द्र की मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी नगर के मुख्य स्थलो पर प्रदर्शित करना। 15 से 18 जून तक सभागार बैठक, जिले के प्रबुद्ध एवं व्यापारी वर्ग के साथ बैठक आयोजित करना। 19 से 20 जून प्राकृतिक खेती हेतु कार्यशाला आयोजित करना एवं 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर मंडल स्तर पर सामूहिक योग शिविरो में सहभागिता सुनिश्चित करना मुख्य कार्य रहेंगे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने जिला टोली को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र की सरकार के विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 साल पूर्ण होने पर जिले में विभिन्न आयोजन होना तय हुआ है हम सभी कार्यकर्ताओं का यह दायित्व है कि हम हमारी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को आम जन तक पहुचाए और आम जनो के बीच सेवा व संवाद के माध्यम से उनकी बात सुने एवं उनसे संवाद स्थापित करे। आज इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 5 जून से 21 जून तक होने वाले विभिन्न आयोजनो के सफल क्रियान्वयन हेतु किया गया हैं जिसमें जिले की टोली के साथ विभिन्न कार्यक्रमो हेतु टोलिया बनाकर जिम्मेदारिया तय की गई है। जिसके माध्यम से संपूर्ण कार्यक्रमों का सफल संचालन किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला प्रभारी शरद जैन ने जिला टोली को संबोधित करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा तय किये गए कार्यक्रमो का सुचारू रूप से संचालन करने एवं उन्हे सफल बनाने की अपेक्षा संगठन ने हमने की है उसको पूर्ण करना हम सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ देश के सर्वांगीण विकास की भावना से लगातार 12 वर्षो से गरीब, सोशित, एवं बंचित वर्गो के कल्याण हेतु उल्लेखनीय कार्य किये है। देश के किसानो को लाभान्वित करने हेतु विभिन्न योजनाए संचालित की है नारी शक्ति एवं सशक्तिकरण हेतु लगातार कार्य किये जा रहे है। ऐसे में हम सभी कार्यकर्ताओं का यह दायित्व बनता है कि हम सभी जन जन तक यह योजनाएं एवं भारतीय जनता पार्टी के विकास के कार्यों को जनता के बीच पहुंचाएं।

सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

मजबूत अधोसंरचना से विकसित शहर की ओर निरंतर बढ रहे कदमः महापौर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाकर नागरिकों को बेहतर शहरी वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में नगर निगम प्रशासन द्वारा निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड में महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद विनोद लाला यादव भुद्धू की विशेष मौजूदगी शुक्रवार शाम 25 लाख 42 हजार रुपये की लागत से कराये जाने वाले सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू शिब्बू, उमेन्द्र अहिरवार, जयनारायण निषाद, बीना संजू बैनर्जी, पार्षद लव साहू सहित काफी संख्या में उत्साहित स्थानीय गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। नागरिक सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए रविन्द्र नाथ टैगोर वार्ड स्थित अमीरगंज में अरुण जायसवाल के भवन से श्री हनुमान जी के मंदिर तक एवं वार्ड के अन्य विभिन्न स्थानों पर 12.49 लाख रुपये की लागत से सी.सी. नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड के पर्यावरण मोहल्ले में 12.93 लाख की लागत से सीसी रोड का निर्माण कार्य कराया जायेगा।

शहर के सुव्यवस्थित विकास की आधारशिला मजबूत सड़क एवं जल निकासी- महापौर

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी नें कहा कि नगर निगम प्रशासन का मानना है कि किसी भी शहर के सुव्यवस्थित विकास की आधारशिला मजबूत सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था होती है। बेहतर सड़कें जहां आवागमन को सरल, सुरक्षित एवं सुगम बनाती हैं, वहीं समुचित नाली व्यवस्था स्वच्छता बनाए रखने, गंदे पानी के ठहराव को रोकने तथा संक्रामक बीमारियों की संभावनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर निगम प्रशासन द्वारा वार्ड स्तर पर आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृत एवं क्रियान्वित किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि नगर के प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य कर नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना निगम प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि शहर के वार्डों में सड़क, नाली, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाकर नागरिकों को व्यवस्थित एवं बेहतर शहरी जीवन उपलब्ध कराने के प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि उनका सीधा संबंध नागरिकों की दैनिक जीवनशैली, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधा से होता है। इसी सोच के साथ नगर निगम प्रशासन शहर को अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में चरणबद्ध रूप से कार्य कर रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर ने वार्ड भ्रमण कर क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद किया। इस दौरान पर्यावरण मोहल्ले में पेयजल संबंधी समस्या के निराकरण हेतु बोरिंग कराकर नागरिकों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश महापौर ने दिए।

उपभोक्ता चौपाल में बीआईएस की गुणवत्ता एवं उपभोक्ता अधिकारों की दी गई जानकारी

इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित कार्यक्रम में बीआईएस एप, हॉलमार्किंग पर चर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भारतीय मानक व्यूरो, खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण भारत सरकार भोपाल कार्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता चौपाल कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन कटनी के सहयोग से इन्डियन काफी हाउस बरगवा कटनी मे मानक मित्र, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल की अध्यक्षता मे 28 मई को शायं 5बजे से आयोजित किया गया, कार्यक्रम में लगभग 45महिला तथा पुरुष उपस्थित रहे, प्रशिक्षक शुक्ल ने भारतीय मानक व्यूरो के बारे मे बिस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय मानक व्यूरो एक शासकीय मानक निकाय है जो गुणवत्ता सामग्री, गुणवत्ता सेवा हेतु मानक तैयार करता है, वही सोने चादी के आभूषण की शुद्धता की जाच हेतु हाल मार्किंग सर्टिफिकेशन देता है। शुक्ल ने बीआईएस एप डाउनलोड कराकर आईएसआई मार्का की जांच करने, सोने मे हॉलमार्किंग की जाच करने की विधी भी बताया, तथा किसी भी प्रकार की ठगी होने पर शिकायत कैसे, कहा दर्ज करानी है जानकारी दी, तथा उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताई, ग्राम चौपाल कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष के.एल. पांडेय, जिलाध्यक्ष महिला विग प्रीती सेन, सुमन सैनी, उमा बहरे, कल्पना दुवे, संतोष कनकने ने भी अपने बिचार रखे, उपस्थिति में, शशी शुक्ला, मीना सिह, मीना सिंह बघेल, आराधना तिवारी, पीताम्बर भेरवानी, ओए पी दुबे, नीता बिचपुरिया, सुनीता कनकने, पूनम त्रिसोलिया, शीतल पांडे, बीना नामदेव, अनामिका गुप्ता, बंदना गेलानी, कल्पना कोटक, अलका अग्रवाल, नीति वर्मा, रिचा बाजपेई, आकांक्षा बरसिया, शिखा पांडेप, आराधना निषाद, योगिता त्रिसोलिया, कल्पना कुचिया, राजा अहिरवार, गुरमुखदास बालानी, रिचा तिवारी, पूर्णिमा सिंह, लता खरे, सुभाष गुप्ता, कान्ती चौवे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया ईव्हीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष तिवारी द्वारा मासिक निरीक्षण (वेयर हाऊस बंद) के तहत शुक्रवार को कार्यालय कलेक्ट्रेट स्थित निर्वाचन सदन पहुंचकर ईव्हीएम-व्हीव्हीपैट वेयर हाउस, स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों एवं निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों की मौजूदगी रही। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्वाचन कार्यालय के कार्यों का जायजा लिया तथा संधारित रजिस्टर का अवलोकन करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्ट्रांग रूम के बाहर लगे सी.सी.टी.व्ही कैमरों की जांच कर व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ईव्हीएम मशीनों के सही रख-रखाव का भी अवलोकन किया। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधि दीपक तिवारी, कांग्रेस पार्टी जिलाध्यक्ष नगर अमित शुक्ला, बहुजन समाज पार्टी प्रतिनिधि धनीराम चौधरी, विक्रम सिंह, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जिला कटनी की अनुविभागीय अधिकारी मेघा मौर्य एवं सहायक कोषालय अधिकारी अभय कुजुर सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोशन नगर में सीसी नाली निर्माण का भूमिपूजन, विकास कार्यों को मिली गति

15 लाख की लागत से होगा निर्माण, जल निकासी व्यवस्था होगी मजबूत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम कटनी द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में मूलभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के उद्देश्य से लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में श्रीरामजानकी हनुमान वार्ड अंतर्गत रोशन नगर में कमल होटल के पीछे विभिन्न स्थानों पर लगभग 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद रागिनी मनोज गुप्ता एवं एमआईसी सदस्यों की विशेष उपस्थिति में वार्ड के नागरिक अर्जुन अहिरवार एवं पुरुषोत्तम गौतम द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि बेहतर सड़क,

नाली एवं स्वच्छता व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के समुचित विकास की आधारशिला होती है। नगर निगम का प्रयास है कि प्रत्येक वार्ड में अधोसंरचना संबंधी सुविधाओं को मजबूत किया जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती है। इस सी.सी. नाली निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी तथा गंदगी एवं जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। आपने नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग करने एवं नगर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने की अपील भी की। क्षेत्रीय पार्षद ने रागिनी गुप्ता ने कहा कि वार्डवासियों द्वारा लंबे समय से क्षेत्र में बेहतर नाली व्यवस्था की मांग की जा रही थी, जिसे प्राथमिकता के साथ स्वीकृत कराया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड के समग्र विकास एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा आगे भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य कराए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने नगर निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि आगामी समय में भी वार्ड में इसी प्रकार विकास कार्यों को गति मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में एम.आई.सी. सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, बीना बैनर्जी, पार्षद शकुंतला सोनी, सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद एडवोकेट मनोज गुप्ता, विजु पंचम दहिया, प्रीतम सिंह, रजनीश, संतोष श्रीवास्तव, अधिवक्ता राजेश चावरे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों द्वारा जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया।

गिराये गए सुभाष चौक की जर्जर इमारत के हिस्से

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी नगर निगम द्वारा इन दिनों शहर में मौजूद मौत को आमंत्रण देते भयावह जर्जर भवनों को तोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण अमले ने आज इमारत के जर्जर हिस्सों को गिराना शुरू कर दिया। स्थानीय व्यापारियों श्रीकांत खेड़िया, मनोज चौबे, विजय आनंद जैन, गुड्डू जैन, अनिल केवलानी सहित दर्जनों व्यापारियों ने नगर निगम की इस कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में जर्जर भवनों के खिलाफ नगर निगम के द्वारा की जा रही सख्त कार्यवाही न केवल सराहनीय है, बल्कि शहर वासियों के जान मांग को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शहर के हृदय स्थल में मौजूद इस जर्जर इमारत को यदि समय रहते तोड़ कर हटाने की कार्रवाई नहीं की जाती तो यहां पर कभी भी गंभीर हादसा हो सकता था। बरसात शुरू होने से पूर्व नगर निगम की इस कार्रवाई ने लोगों को राहत प्रदान की है।

जारी है नगर निगम की बुलडोजरी कार्यवाही

हादसे को न्योता दे रहीं खुली खदानें

गहरे पानी में डूबा बालक, दो दिन बाद उतराता मिला शव

कुठला थाना क्षेत्र के बिस्तरा का मामला

कटनी (स्वतंत्र मत)। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिस्तरा में स्थित खुली खदान में सुजीत कोल के मासूम बालक के डूबकर हुई मौत के बाद पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। घटना की सूचना मिलते ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने अधिकारियों से संपर्क किया एवं एसडीआरएफ टीम को तुरंत मौके पर रवाना करवाया। कई घंटों तक चले कठिन रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अशोक विश्वकर्मा लगातार घटना स्थल पर डटे रहे और पूरे बचाव कार्य की निगरानी करते रहे।

उनकी तत्परता, प्रशासनिक समन्वय एवं मानवीय संवेदनशीलता के चलते राहत एवं बचाव कार्य में तेजी आई और अंततः बालक के शव को खदान से बाहर निकाला जा सका। दुःख की इस घड़ी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया एवं हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने दिए सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश - घटना के बाद अशोक विश्वकर्मा ने क्षेत्र की खुली खदानों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से सभी खदानों के चारों ओर सुरक्षा हेतु टार फेंसिंग एवं बोरों बैरिकेडिंग की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब स्वीकार नहीं की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए क्षेत्र की सभी खुली खदानों का सर्वे कर जल्द से जल्द सुरक्षा कार्य पूर्ण कराने की बात कही, ताकि भविष्य में कोई और परिवार इस प्रकार की दुःखद घटना का शिकार न हो। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने का लिया संकल्प

कटनी (स्वतंत्रमत)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने लगाकर कार्यकर्ताओं की बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित कर ब्लाक स्तर पर पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने कार्य किया जा रहा है। साथ ही पार्टी में युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को जिले के बड़वारा में ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी। ब्लाक स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनहित के मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला प्रभारी मनु मिश्रा, विधायक फुन्दे लाल मार्को, पूर्व विधायक बसंत सिंह,

प्रभारी ओंकार सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष विकास निगम, युवक कांग्रेस अध्यक्ष मुहम्मद इजरायल, रंजीत सिंह, सुनील सिंह बघेल, लल्लन सिंह, एनडी तिवारी, झल्लू सोनी, ओंकार गौतम, ओंकार सिंह (खली), शैलू जायसवाल, सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने एवं जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया गया।

कांबिंग गश्त:122 वारंटी गिरफ्तार जिलाबदर निगरानी गुंडा-बदमाशों की हुई सघन चेकिंग

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले में अपराध नियंत्रण एवं कानून.व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में पुलिस द्वारा 29 एवं 30 मई की दरम्यानी रात एक विशेष रात्रिकालीन कांबिंग गस्त का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले भर में फरार, आदतन अपराधी, वांछित एवं संदिग्ध अपराधियों के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस कांबिंग गस्त में सीएसपी नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी विजयराघवगढ़ धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चर्तुवेदी सहित जिले के 15 थाना प्रभारियों ने 190 से अधिक पुलिस बल के साथ स्वयं फील्ड में उपस्थित रहकर कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में 122 स्थाई/गिरफ्तारी/जमानती, वारंटी को गिरफ्तार किया एवं 75 से अधिक निगरानी बदमाशों एवं सूचीबद्ध गुण्डों की सघन चेकिंग कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई तथा आवश्यकतानुसार सख्त चेतावनी दी गई।

कलहरा धाम में आचार्य हनुमान प्रसाद पाण्डेय की साधना से उमड़ रही आस्था

नौतपा की अग्नि परीक्षा में तप की ज्योति

40 डिग्री की तपती धूप भी नहीं डिगा पा रही संकल्प, कलहरा में भक्ति-तपस्या और श्रद्धा का अद्भुत संगम

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ से लगभग 10 किलोमीटर दूर कलहरा मे नौतपा की प्रचंड गर्मी जब जनजीवन को झुलसा रही है। तब ग्राम कलहरा स्थित महावीर स्वामी हनुमान जी मंदिर में एक अलौकिक आध्यात्मिक दृश्य श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा है। चारों ओर तपती धूप और लगभग 40 डिग्री तापमान के बीच आचार्य हनुमान प्रसाद पाण्डेय की कठोर तपस्या और भगवान के प्रति अटूट समर्पण श्रद्धालुओं के लिए आस्था का जीवंत उदाहरण बन गया है। 25 मई से प्रारंभ हुए अखंड कीर्तन श्रीरामचरितमानस नवाह्न पारायण एवं प्रतिदिन हवन के पावन आयोजन ने कलहरा धाम को मानो एक दिव्य तीर्थ में परिवर्तित कर दिया है। मंदिर परिसर में सुबह से लेकर देर शाम तक सीताराम और जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहते हैं। जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठता है। सबसे अधिक श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र आचार्य हनुमान प्रसाद पाण्डेय की वह कठिन तपस्या है। जिसे वे प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नौतपा की झुलसाती गर्मी के बीच पूर्ण एकाग्रता और आत्मनिष्ठा के साथ संपन्न कर रहे हैं। उनकी इस तप साधना को देखकर

श्रद्धालुओं की आंखें श्रद्धा से नम हो जाती हैं और मन भक्ति भाव से भर उठता है। धाम में पहुंचने वाले श्रद्धालु मानते हैं कि यह केवल तपस्या नहीं बल्कि सनातन धर्म की उस महान परंपरा का साक्षात दर्शन है जिसमें ऋषि-मुनियों ने लोककल्याण और धर्म रक्षा के लिए कठोर साधनाएं की थीं। आचार्य के दर्शन और आशीर्वाद पाने के लिए क्षेत्र ही नहीं दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियां यज्ञ की पवित्र अग्नि मानस पाठ की दिव्य चौपाइयां और भक्तों की अटूट आस्था मिलकर ऐसा आध्यात्मिक वातावरण निर्मित कर रही हैं। जहां पहुंचकर हर व्यक्ति स्वयं को ईश्वर के निकट अनुभव कर रहा है। प्रतिदिन प्रसाद वितरण और श्रद्धालुओं की सेवा का क्रम भी निरंतर जारी है।

आचार्य हनुमान प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि यह आयोजन धर्म भक्ति मानव कल्याण और आध्यात्मिक जागरण के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी जनों से इस पुण्य अवसर में सहभागी बनकर प्रभु कृपा प्राप्त करने का आह्वान किया। आयोजन के समापन अवसर पर 3 जून 2026 बुधवार को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। नौतपा की तपती दोपहरी में जहां सामान्य जन छांव की तलाश करते हैं वहीं कलहरा धाम में एक संत की तपस्या हजारों हृदयों में भक्ति की शीतल धारा प्रवाहित कर रही है।

एशियन गेम्स ट्रायल में हारीं विनेश फोगाट

बोलीं- पूरे सिस्टम से लड़ी-वापसी करूंगी, बैन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल की दी थी मंजूरी

पानीपत।

ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट शनिवार को एशियन गेम्स ट्रायल का सेमीफाइनल मैच हार गईं। 53 किलो कैटेगरी में लगातार दो बाउट जीतने के बाद उन्हें जींद की मीनाक्षी गोयत ने हराया। विनेश अब एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

हार के बाद विनेश ने कहा- मैं पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ रही थी। एक तरफ मैं थी और दूसरी तरफ सभी लोग थे। मैं फिर वापसी करूंगी। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर बैन लगा दिया था। विनेश ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, डिवीजन बेंच ने विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था। डब्ल्यूएफआई ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- विनेश शानदार रेसलर हैं, उन्होंने देश को गर्व महसूस कराया। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

विनेश बोलीं- मै फेल नहीं हुई

विनेश हार के बाद भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा- हार को अपनी असफलता नहीं मानती। मैं फेल नहीं हुई हूं। मैं फिर वापसी करूंगी। मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और भविष्य में फिर से खुद को साबित करने के लिए मैट पर लौटूंगी।

विनेश फोगाट को पहले केवल 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने को कहा गया, जिस पर उन्होंने विरोध जताया। विवाद के बाद डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह के हस्तक्षेप से उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल में भी उतरने की अनुमति मिली। ट्रायल से पहले विनेश फोगाट ने कहा कि वजन-माप के लिए उन्हें करीब एक घंटे इंतजार कराया गया। उन्होंने कहा कि यहां किसी पर अब भरोसा नहीं है।

विनेश का मैच 2 बार रुका

मीनाक्षी से पहले विनेश का मुकाबला नीशू से हुआ। शुरूआत में नीशू ने विनेश को पटखनी देकर पांच पॉइंट हासिल किए। इसके बाद विनेश ने चार पॉइंट बटोरे। इस दौरान रेफरी से विनेश और उनके पति सोमबीर राठी की कहासुनी हो गई। आपत्ति के बाद मैच थोड़ी देर के लिए रोका गया। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह भी मैट पर पहुंच गए। रेफरी ने विनेश को 7-6 से विजेता घोषित किया। नीशू ने विनेश से हाथ तक नहीं मिलाया।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रीय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं। वहीं भारत का एक ही समय में तीन राष्ट्रीय टीमों के साथ इसमें प्रवेश करना, 2027 संस्करण को भारतीय आइस हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा।

वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली।

आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान

शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है।

आयरलैंड को हराकर न्यूजीलैंड ने जीता इकलौता टेस्ट

कीवी टीम एक पारी और 79 रन से जीती, ब्लेयर टिकनर ने पहली बार लिए 5 विकेट

नई दिल्ली। स्पोर्ट्स डेस्कन्यूजीलैंड ने बेलफास्ट टेस्ट में आयरलैंड को पारी और 79 रन से हरा दिया। फॉलोऑन खेलने उतरी आयरलैंड की टीम दूसरी पारी में 232 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने टेस्ट क्रिकेट में पहली बार 5 विकेट लिए। कीवियों ने तीसरे दिन की शुरुआत 65/2 से की और 232 रन पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में उसने 179 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 490 रन का स्कोर खड़ा किया। टॉम ब्लेंडल और रचिन रवींद्र ने शतकीय पारियां खेलीं। ब्लेंडल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।टिकनर के बाउंसरों के आगे आयरलैंड ने सरेंडर किया मैच के तीसरे दिन आयरलैंड 246 रन पीछे थी। पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले नाथन स्मिथ ने सुबह के पहले 5 ओवर में नाइटवॉचर थॉमस मेस को स्लिप में कैच आउट कराकर आयरलैंड को पहला झटका दिया।

ब्लेयर टिकनर की तेज बाउंसर हैरी टेक्टर के बल्ले के हैंडल पर लगी और वे स्लिप में कैच दे बैठे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कर्टिस कैंपर टिकनर की उठती गेंद को संभाल नहीं पाए और गेंद उनके बाएं हाथ पर लगी। कैंपर दर्द से कराह उठे और 4 रन पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। उन्हें तुरंत स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज स्टीफन डोहेनी टिकनर की शॉर्ट डिलीवरी पर गल्ली में कैच दे बैठे। आउट होने से पहले डोहेनी ने 51 रन बनाए। लंच तक आयरलैंड ने 131 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। लंच के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज लॉर्कन टकर ने काउंटर अटैक शुरू किया और 69 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, फिफ्टी पूरी करते ही वे अगली गेंद पर टिकनर का शिकार बन गए। टकर ने बाउंसर पर पुल शॉट खेलने की कोशिश में विकेटकीपर के ऊपर हवा में शॉट खेला, जिसे स्लिप से भागकर आए डेरिल मिचेल ने लपक लिया। टकर 51 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नंबर 9 पर आए मार्क एडेयर ने कीवी गेंदबाजों के बाउंसरों का जवाब आक्रामक बल्लेबाजी से दिया। वे लेग स्टंप की तरफ हटकर लगातार क्रॉस-बैट शॉट्स खेलते रहे। एडेयर ने 47 गेंदों में नाबाद 44 रन की तेज पारी खेली, जिसमें उन्होंने मिडविकेट बाउंड्री के ऊपर से बड़े शॉट्स लगाए।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है। वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

पेट्रोल-डीजल के दाम नोएडा में बढ़े

ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर के करीब पहुंचा, डब्ल्यूटीआई भी फिसला

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है, जहां ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 91 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। इस नरमी के बावजूद भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर असमान रूप से दिखाई दिया। शनिवार सुबह जारी सरकारी तेल कंपनियों के ताजा अपडेट के अनुसार देश के चारों प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, लेकिन कुछ शहरों में इनमें ब?ोतरी दर्ज की गई है, वहीं कुछ को हल्की राहत भी मिली है। बीते 24 घंटों में वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डॉलर फिसलकर 91.12 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो पहले से ही नरमी का संकेत था। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड भी नीचे आया है और अब 87.36 डॉलर प्रति बैरल के भाव से कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई यह कमी आमतौर पर घरेलू बाजार में ईंधन के दाम घटाने का संकेत देती है। हालांकि शनिवार को देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत कई शहरों में दाम बदल गए हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे महंगा होकर 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 12 पैसे बढ़कर 95.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, जहां पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होकर 101.89 रुपये लीटर और डीजल 17 पैसे घटकर 95.36 रुपये लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 4 पैसे की गिरावट के साथ 113.68 रुपये लीटर और डीजल 3 पैसे सस्ता होकर 99.68 रुपये लीटर बिक रहा है। यह दैनिक बदलाव तेल कंपनियों की ओर से सुबह 6 बजे जारी किए जाते हैं, जो स्थानीय वैट और ढुलाई शुल्क पर निर्भर करते हैं।

चावल नरम, चीनी और खाद्य तेलों के दाम बढ़े

दालों में उतार-चढ़ाव का दौर

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव घट गया।चीनी और खाद्य तेलों में तेजी रही।गेहूं की कीमत कमोबेश स्थिर रही जबकि दालों में घट-बढ़ देखी गयी।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 30 रुपये कम होकर 3,837 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी।गेहूं 2,794 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अपरिवर्तित रहा।आटा आठ रुपये महंगा हुआ।दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 38 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।उड़द दाल नौ रुपये और तुअर दाल तीन रुपये सस्ती हुई।मूंग दाल का भाव पांच रुपये बढ़ गया।चना दाल में टिकाव देखा गया।स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की कीमत 57 रुपये और वनस्पति की 49 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।सोया तेल 39 रुपये और पाम ऑयल 15 रुपये महंगा हुआ।मूंगफली तेल का भाव 16 रुपये बढ़ गया।सूरजमुखी तेल की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।चीनी भी 10 रुपये महंगी हुई।

भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य मजबूत, लेकिन सतर्कता की जरूरत

वित्त मंत्रालय ने जारी कि मासिक रिपोर्ट

नयी दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को विभिन्न संकेतकों के हवाले से भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को मजबूत बताया लेकिन साथ ही पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सतर्कता की आवश्यकता पर भी जोर दिया।वित्त मंत्रालय की शनिवार को जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार, सेवा क्षेत्र का निर्यात मजबूत है, देश के पास विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त भंडार है और बाजार में स्थिरता है जो एक मजबूत आधार प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया है, निकट भविष्य में देश का (आर्थिक) परिदृश्य मजबूत है, लेकिन सतर्कता की जरूरत है। वैश्विक माहौल में चुनौतियां बढ़ने का जिक्र करते हुए मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, वित्तीय परिस्थितियां प्रतिकूल हो रही हैं और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की रफ्तार सुस्त पर रही है।ये सभी कारक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नकारात्मक हैं। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद घरेलू उद्योगों, विशेषकर निर्यातकों की मदद के लिए सरकार द्वारा किये गये उपायों का भी जिक्र किया गया है।इनमें

एमएसएमई के लिए 2.55 लाख करोड़ की इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 और कोल/लिगनाइट गैसीफिकेशन स्कीम शामिल हैं।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रिपोर्ट की मुख्य बातें साझा करते हुए सिर्फ मार्च तक के आंकड़ों का उल्लेख किया है।औद्योगिक उत्पादन के अप्रैल के आंकड़े महीने के अंतिम कार्यदिवस पर 29 मई को जारी किये जाने थे लेकिन ये अभी जारी नहीं हुए हैं।खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के अप्रैल के आंकड़े जारी हो चुके हैं, लेकिन मुख्य बातों में मार्च के आंकड़ों को रखा गया है।

पश्चिम एशिया संकट से देश के आर्थिक विकास और महंगाई पर होगा प्रतिकूल असरः आरबीआई

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट और इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देश के आर्थिक विकास और महंगाई के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं, हालांकि विकास की संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली के मजबूत बने रहने की उम्मीद है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों का लगातार जारी रहना निकट भविष्य में कॉर्पोरेट की आय और बैंकों के ऋण

पोर्टफोलियो के प्रदर्शन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। इसमें पश्चिम एशिया संकट और उसके कारण ईंधनों की कीमतों में तेजी, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, वैश्विक व्यापार नीतियों को लेकर अनिश्चितता तथा मौसम संबंधी चिंताओं के कारण विकास और महंगाई दर पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका व्यक्त की गयी है। केंद्रीय बैंक ने कॉर्पोरेट और बैंकों की मजबूत बैलेंस शीट, सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर और प्रमुख साझेदार देशों के साथ व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से निवेश और विकास की गति बनी रहने की उम्मीद जतायी है। रिपोर्ट में कहा गया है, कुल मिलाकर, मजबूत बुनियादी आर्थिक स्थिति और मजबूत बैलेंस शीट के चलते घरेलू वित्तीय प्रणाली प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है। इसमें इस बात को रेखांकित किया गया है कि सरकार की राजकोषीय संतुलन बनाये रखने की प्रतिबद्धता और रिजर्व बैंक द्वारा तरलता बढ़ाने के उपाय बॉन्ड यील्ड पर दबाव को नियंत्रित करने में मदद करेंगे।

शेयर बाजार ने रिकॉर्ड उछाल से जोरदार गिरावट तक का सफर किया तय

सोमवार को 1000 अधिक अंकों की रिकॉर्ड तेजी, सप्ताह के आखिर में सेंसेक्स 76,488 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को एक अप्रत्याशित यात्रा का अनुभव हुआ, जो एक मजबूत शुरुआत के साथ शुरू होकर भारी गिरावट के साथ समाप्त हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते शानदार तेजी के साथ हुई थी। हालांकि, यह उत्साह अल्पकालिक साबित हुआ, क्योंकि भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार का रुख पूरी तरह बदल दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने रिकॉर्ड तोड़ मजबूती दर्ज की। सेंसेक्स 1,073.61 अंक उछलकर 76,488.96 पर बंद हुआ, जबकि

निफ्टी 312.40 अंक बढ़कर 24,031.70 पर पहुंच गया। बैंकिंग और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में खरीदारी ने इस तेजी को बल दिया, वहीं रुपये ने भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की मजबूती दर्ज की। वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदें और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट इसका मुख्य कारण बनीं। हालांकि, यह सकारात्मक माहौल मंगलवार से बिगड़ना शुरू हो गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और विशेष रूप से ईरान पर अमेरिकी हमलों के प्रभावों की आशंकाओं ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। मंगलवार को सेंसेक्स 479.26 अंक और निफ्टी 118.00 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को भी बाजार उतार-चढ़ाव भरा रहा और मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ, सेंसेक्स 141.90 अंक और निफ्टी 6.55 अंक नीचे आए। गुरुवार को ईद के त्योहार के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार की सुबह बाजार में थोड़ी हरियाली दिखी, लेकिन यह ज्यादा देर टिक नहीं पाई। दिन भर हुई भारी बिकवाली के चलते बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 359.41 अंक गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 जैसे महत्वपूर्ण स्तरों को भी तोड़ दिया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कुल मिलाकर, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भारतीय बाजार के एक मजबूत सप्ताह की शुरुआत को भारी गिरावट में बदल दिया।

वेदांता समूह की दो कंपनियों को इक्रा से मिली एए प्लस रेटिंग

नयी दिल्ली। वेदांता समूह की दो कंपनियों वेदांता लिमिटेड और वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड को घरेलू साख निर्धारक एजेंसी इक्रा से एए प्लस रेटिंग मिली है।ये दोनों कंपनियां गत मई से विभिन्न कारोबारों को अलग-अलग करने के बाद बनी हैं।एजेंसी ने समूह की शॉर्ट-टर्म रेटिंग को भी ए1 प्लस पर बरकरार रखा है।समूह का कहना है कि साल 2014 के बाद यह उसकी सबसे ऊंची घरेलू रेटिंग है। इक्रा ने रेटिंग के साथ स्टेबल आउटलुक दिया है और रेटिंग को वॉच विद डेवलपिंग इम्पलीकेशन्स की श्रेणी से हटा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय साख निर्धारक एजेंसी मूडीज की सहयोगी कंपनी इक्रा ने समूह की एक अन्य कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड की रेटिंग ए प्लस/ वॉच डेवलपिंग से एए-/स्टेबल में अपग्रेड किया है।वेदांता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यह समूह के लिए एक अहम पड़ाव भी है, क्योंकि कारोबारों को अलग-अलग करने प्रक्रिया से अलग हुए दो सबसे बड़े व्यवसायों को अब एए प्लस रेटिंग मिल गयी है।समूह के दीर्घावधि ऋण में इन दोनों व्यवसायों की हिस्सेदारी 75 फीसदी से अधिक है। इक्रा ने उम्मीद जतायी है कि कॉमोडिटी की अनुकूल परिस्थितियों, बेहतर लागत संरचनाओं तथा एल्युमीनियम, जिंक और तेल एवं गैस व्यवसायों में कमाई की मजबूत संभावनाओं के चलते ये रुझान मौजूदा वित्त वर्ष में भी जारी रहेंगे। वेदांता का कारोबार जिंक, सिल्वर, एल्युमिनियम, कॉपर, निकेल, लौह अयस्क, तेल एवं गैस, और बिजली उत्पादन तक फैला हुआ है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों एस एंड पी, मूडीज एवं फिच ने पिछले दो महीने में वेदांता की होल्डिंग कंपनी वेदांता रिसोर्सेज की रेटिंग को अपग्रेड किया है।

युवा देश की आशा और सामर्थ्य : राज्यपाल श्री पटेल

भावी जीवन में संवेदना के साथ उत्कृष्टता पर बल दे, राज्यपाल सिस्टेक ग्लोरी समारोह में हुए शामिल

भोपाल।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि युवा हमारे देश की आशा और सामर्थ्य हैं। उनके विचार और चरित्र ही देश का भविष्य तय करेंगे। जरूरी है कि हमारे युवा जो भी कार्य करें उसमें उत्कृष्टता और संवेदना पर विशेष बल दें। उन्होंने कहा कि जीवन में संवेदना का भाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। ममता और करुणा का मोल पैसों से कहीं ज्यादा है। इसलिए भावी जीवन में सफलता की ऊंचाईयों पर चढ़ते कभी भी उन लोगों को नहीं भूलें जिन्होंने आपका सहयोग किया है। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को रविन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में आयोजित सिस्टेक ग्लोरी समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल का कार्यक्रम में शॉल और स्मृति चिन्ह् भेंट कर अभिनन्दन किया गया। प्रारम्भ में राज्यपाल श्री पटेल ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन में हर

पहलु के दो पक्ष होते हैं। सफलता सही दिशा में सही प्रयासों में है। उन्होंने कहा कि सफलता अकेले की नहीं होती है। समाज के अनेक लोगों का प्रत्यक्ष और परोक्ष रुप से योगदान होता है। उन्होंने एक दृष्टांत के माध्यम से बताया कि जीवन में कभी भी कोई ऐसा काम नहीं करें जिससे माता-पिता को कष्ट हो। उन्होंने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। निष्ठावान प्रयास ही सबसे महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ग्लोरी आयोजन केवल नौकरी प्राप्त करने का उत्सव नहीं है। जीवन में नई जिम्मेदारियों और नए संकल्पों की शुरुआत का भी प्रसंग है। प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले युवाओं का दायित्व है कि भावी जीवन में अपने ज्ञान और प्रतिभा के उपयोग से गरीब और वंचित लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के समाज के प्रयासों में योगदान दे। आपकी मेहनत और ईमानदारी से ही आपकी व्यक्तिगत, संस्था की और देश की खुशहाली और उन्नति होगी। देशभक्ति का सबसे प्रभावी तरीका सेवा भाव और समर्पण के साथ अपने कार्यों और कर्तव्यों को करना है।

विद्यार्थियों को किया प्रेरित

सागर समूह के चेयरमैन सुधीर अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की उन्नति के लिए कड़ा परिश्रम ही एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। समूह के प्रबंध संचालक सिद्धार्थ सुधीर अग्रवाल ने संस्थान की कार्य संस्कृति से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने दृष्टांत के द्वारा बताया कि सकारात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। इसलिए असफलताओं से कभी भी घबराएं नहीं। स्वागत उद्बोधन निदेशक डा. ज्योति देशमुख ने दिया। आभार प्रदर्शन ग्रुप हेड कॉरपोरेट रिलेशंस सुश्री प्राची श्रीवास्तव ने किया।

मिशन वात्सल्य की चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 बनी संकटग्रस्त बच्चों का सशक्त सुरक्षा कवच

24*7 मुस्तैदी, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 हजार से अधिक बच्चों को मिला नया जीवन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लगभग ढाई साल के कार्यकाल में राज्य ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में संवेदनशीलता और गवर्नेंस के एक नये प्रतिमान स्थापित किये है। उनके नेतृत्व में चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 प्रदेश के संकटग्रस्त, शोषित और बेसहारा बच्चों के लिए एक बेहद सशक्त और अभेद्य सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना में चाइल्ड हेल्पलाइन 24 घंटे कार्य कर रही है। यह हेल्पलाइन प्रदेश में हजारों बच्चों को हिंसा, बाल श्रम और मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाकर उनका पुनर्वास सुनिश्चित कर रही है। सरकार के इस प्रभावी कदम से न केवल संकट के समय बच्चों को आपातकालीन मदद मिल रही है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण भी मिल रहा है। इस हेल्पलाइन की व्यापकता और रिस्पॉन्स टाइम में अभूतपूर्व सुधार आया है, जिसका अंदाजा विभागीय आंकड़ों से साफ लगाया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन से रिकॉर्ड 30 हजार 810 संकटग्रस्त बच्चों को सहायता पहुंचाई गई। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी हेल्पलाइन की टीम पूरी मुस्तैदी से डटी हुई है, जहां महज़ 15 मई तक ही 4 हजार 376 बच्चों तक त्वरित मदद पहुंचाई जा चुकी है। अब तक 2 हजार 367 मामलों का पूरी तरह से निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष बचे मामलों में जिला स्तर पर फॉलो-अप कार्रवाई तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जीरो टॉलरेंस नीति-मिशन वात्सल्य के अंतर्गत नए स्वरूप में संचालित इस हेल्पलाइन को और अधिक हाईटेक और चुस्त रिस्पॉन्स सिस्टम से लैस किया गया है। हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स को उनकी गंभीरता के आधार पर 2 हिस्सों में बांटा जाता है। कोई बच्चा किसी गंभीर या तत्काल खतरे में होता है, तो मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जीरो टॉलरेंस नीति में उस आपातकालीन मामले को तुरंत रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम यानी आरएसएस-112 को ट्रांसफर किया जाता है।

शासकीय सेवाकाल पूर्ण होने पर राजाराम गोश्वामी को दी गई विदाई

हटा। हटा तहसील कार्यालय में पदस्थ कानूनगो राजराम गोश्वामी की सेवनिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। तहसील कार्यालय के सभागार में आयोजित सादे समारोह का संचालन करते हुए शिक्षक माधव पटेल ने बताया कि श्री गोश्वामी 42 साल 7 माह 4 दिन का सेवाकाल रहा जिन्होंने सौंपे गए दायित्व का जिम्मेदारी और समर्पण भाव से कार्य किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम राकेश सिंह मरकाम ने श्री गोश्वामी के सेवाकाल की सराहना करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की सलाह सभी कर्मचारियों को दी। तहसीलदार डॉ आलोक जैन ने भी अपने संदेश में कहा कि उनकी कमी हमेशा खलेगी। इस अवसर पर नायव तहसीलदार राजेश सोनी, पटवारी देवेंद्र पटेल ने भी संबोधित किया। पुत्र शरद गोश्वामी ने अपने पिता राजराम गोश्वामी को एक अच्छे पिता के साथ जिम्मेदार शासकीय कर्मचारी निरूपित करते हुए कहा कि पारिवारिक दायित्व के बीच उन्होने शासकीय कार्य को कभी प्रभावित नहीं किया। राजाराम गोश्वामी ने अपने उद्बोधन में बताया कि उन्होंने चतुर्थ वर्ग कर्मचारी के रूप में शासकीय सेवा आरम्भ की और लिपिकीय वर्ग के सभी कार्यालयीन दायित्वों को पूरी जवाबदारी से पूर्ण कर अधिकारियो के निर्देशों का शत प्रतिशत पालन किया।

मध्य भारत की हृदयस्थली में नई संभावनाओं को साकार करने वाला बोरगांव-शाहपुर राजमार्ग

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच बढ़ेगा संपर्क, बढ़ेंगी व्यापारिक संभावनाए

भोपाल। मध्यप्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे कृषि क्षेत्र और मध्य भारत के केले के प्रमुख केन्द्र खंडवा और बुरहानपुर में प्रतिवर्ष 1.7 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक केले का उत्पादन होता है। यहां से प्रतिदिन 140 भारी-भरकम ट्रक घरेलू बाजारों और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक केले पहुंचाते हैं। वर्षों से इन ट्रकों को संकरी और जर्जर सड़कों से होकर गुजरना पड़ता था। इससे आवागमन धीमा हो जाता था, यात्रा का समय बढ़ जाता था और परिवहन एक कठिन कार्य बन जाता था। लेकिन महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत एनएच-753एल के बोरगांव से शाहपुर खंड के आधुनिक चार-लेन वाले राजमार्ग गलियारे के रूप में विकसित होने से अब यह स्थिति बदलने वाली है। एनएच-753एल का बोरगांव से शाहपुर तक का खंड रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है और यह महाराष्ट्र में बोरगांव बुजुर्ग से मुक्ताईनगर तक फैले एक बड़े गलियारे का हिस्सा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित इस गलियारे से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अंतर-राज्यीय संपर्क को नया रूप मिलने की उम्मीद है। लगभग 944 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा यह गलियारा लगभग 47 किलोमीटर लंबा है और इसका 85 प्रतिशत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। पूर्ण रूप से निर्मित होने के बाद, यह मार्ग इंदौर और छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के बीच एक तेज, सुरक्षित एवं अधिक कुशल वैकल्पिक संपर्क के रूप में

उभरेगा और क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करते हुए अंतर-राज्यीय परिवहन की एक प्रमुख धुरी बन जाएगा।

खेत से बाजार तक के संपर्क को मजबूती

यह परियोजना केले, कपास, सोयाबीन और गेहूं जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध कृषि प्रधान क्षेत्रों से होकर गुजरती है। स्थानीय किसानों और ट्रांसपोर्टरों के लिए, इन बेहतर सड़कों का सीधा लाभ यह होगा कि उनकी बाजार तक तेजी से पहुंच संभव होगी और परिवहन लागत में कमी आएगी। इस क्षेत्र के गांवों के लिए, यह राजमार्ग पहले से ही दैनिक जीवन में एक बड़ा सुधार साबित हो रहा है। बुरहानपुर जिले की झीरी पंचायत की सरपंच आशा कैथवास बताती हैं कि पुरानी सड़क की खराब हालत के कारण परिवहन कितना कठिन हो गया था। उनके अनुसार, क्षतिग्रस्त सतहों और गड्ढों के कारण भारी वाहनों की आवाजाही पहले बेहद चुनौतीपूर्ण थी। नए राजमार्ग के बनने से ट्रकों की आवाजाही काफी सुगम हो गई है। इससे किसानों और ट्रांसपोर्टरों, दोनों को कृषि उपज को अधिक कुशलता से ले जाने में मदद मिल रही है।

इस गलियारे में 1 रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी), 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 पुलिया, 3 हल्के वाहनों के लिए अंडरपास (एलवीयूपी), 5 छोटे वाहनों के लिए अंडरपास (एसवीयूपी) और 6 वाहनों के लिए अंडरपास (वीयूपी) शामिल हैं। इनमें से कई संरचनाओं को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि स्थानीय संपर्क बाधित न हो और गांवों, खेतों एवं आसपास के इलाकों के बीच आवागमन सुचारू व निर्बाध बना रहे।

शहरों को करीब लाना

शाहपुर-बुरहानपुर इलाके के कोल्ड स्टोरेज संचालक गोपाल कडुतेमकर बताते हैं कि जलगांव लगभग 90 किलोमीटर दूर है, जबकि महाराष्ट्र की सीमा यहां से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर है। उनका मानना है कि इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इसके पूरा होने के बाद इंदौर और मालवा क्षेत्र एक-दूसरे के बेहद करीब महसूस करेंगे। सुगम आवागमन से स्थानीय व्यवसायों, लाभ होने की उम्मीद है। शाहपुर और बुरहानपुर के आसपास रहने वाले कई निवासियों के लिए, महाराष्ट से संपर्क हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है क्योंकि यह क्षेत्र राज्य की सीमा के निकट है। पूरा होने पर, यह नया राजमार्ग आसपास के शहरों और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को काफी आसान बना देगा।

जली दुकानों के पुनर्निर्माण को लेकर दुकानदारों और समिति में विवाद

दिन भर बनी रही तनाव की स्थिति, थाने में हुआ समझौता

हटा। बड़ा बाजार स्थित मद्दी का बगीचा महावीरजी हनुमान मंदिर न्यास समिति की भूमि पर बनी आग से ध्वस्त तीन दुकानों के पुनर्निर्माण को लेकर गुरुवार को दुकानदारों और मंदिर समिति के बीच दिनभर विवाद की स्थिति बनी रही। मामला बढ़ने पर दोनों पक्ष थाना हटा पहुंचे, जहां थाना प्रभारी की मौजूदगी में आपसी सहमति से अस्थायी दुकान निर्माण को लेकर समझौता हुआ। ज्ञात हो कि हाल ही में लगी आग में अरुण असाटी की जूता दुकान, अभिषेक जैन की किराना दुकान और अनूप गुप्ता की कपड़ा दुकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई थीं। गुरुवार को जली दुकानों के छप्पर

और दरवाजों सहित मलबे को नगर पालिका की जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से हटाया गया। इस दौरान मंदिर न्यास समिति से जुड़े बृजेश गुप्ता ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह सामग्री मंदिर समिति की संपत्ति है और इसे नगर पालिका द्वारा नहीं हटाया जाना चाहिए। इसी बीच प्रभावित दुकानदारों ने खाली स्थान पर टिनशेड लगाकर अस्थायी दुकानें तैयार करने की तैयारी शुरू कर दी। वहीं दूसरी ओर मंदिर न्यास समिति ने उक्त भूमि पर प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण के लिए भूमिपूजन कर कुछ निर्माण सामग्री भी डलवाई। बाद में नगर पालिका द्वारा सामग्री हटाए जाने को लेकर भी विवाद की स्थिति बनी। जब दुकानदार टिनशेड लगाने पहुंचे तो दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई। विवाद बढ़ने की आशंका को देखते हुए दोनों पक्ष थाना हटा पहुंचे, जहां थाना प्रभारी ने दोनों को बैठाकर शांतिपूर्वक समाधान निकालने की सलाह दी।

इंद्र के अहंकार को तोड़ने कि गोवर्धन लीला : धनंजय महाराज

दमोह। मनसा पूरन नर्मदेश्वर महादेव शिवालय विवेकानंद कॉलोनी सिविल वार्ड 6 दमोह में चल रही संगीतमय श्रीमदभागवत कथा के पांचवे दिवस धनंजय महाराज ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया है। जिसमें श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन मुख्य रूप से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं माखन चोरी, बाल लीलाएं और गोवर्धन पूजा का वर्णन करते हुए इस दिन मुख्य प्रसंगों की लीलाओं का विस्तार से रसपान कराया जाता हैं। कान्हा द्वारा मैया यशोदा को अपनी बालहट से परेशान करनाए माखन चुराना और गोपियों की मटकी फोड़ना। इंद्र का अहंकार और गोवर्धन पूजा की शुरुआत एक बार ब्रज में सभी लोग देवराज इंद्र की पूजा की तैयारी कर रहे थे।

रोड मार्किंग, चेतावनी संकेत तथा सुरक्षा संबंधी कार्य निर्धारित समय में पूर्ण सुनिश्चित किया जाए: कलेक्टर

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, दिए दिशा निर्देश

दमोह। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जाती है, ब्लैक स्पॉट हैं जहां पर सर्वाधिक घटनाएं होती हैं और सर्वाधिक जाने लोगों की गई हैं। इसी उद्देश्य को लेकर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई ।बैठक में पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी एवं सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे मौजूद रहे। कलेक्टर ने साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, कर्व को कम करने आदि इन सब बातों पर बैठक में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा जहां पार्किंग स्थल, सब्जी मार्केट, सड़क पर लग रहा हैं, सब्जी

वाले या फूड्स वाले सड़क पर दुकान लगा रहे है। बैठक में तय किया गया है शीघ्र पार्किंग स्थल निर्धारित किए जाएंगे, सब्जी मार्केट निर्धारित किया जाएगा ताकि सब्जी मार्केट में सब्जी की दुकानें लगे, यातायात व्यवस्था प्रभावित ना हो। बैठक में रणनीति तय की गई कि आगे क्या कार्रवाई आपेक्षित है जिससे कि जिले ओर नगर में जो सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं या जो जानें जा रही हैं, उन पर विराम लगाया जा सके। बैठक में कलेक्टर ने कहा चिन्हित हॉट स्पॉट क्षेत्र में गति सीमा निर्धारित की जाए, रोड मार्किंग एवं चेतावनी संकेत लगाए जाएं तथा सुरक्षा संबंधी कार्य समय बद्ध रूप से संबंधित एजेंसियां पूर्ण करें। उन्होंने शहर के बीचो बीच पार्किंग स्थल चिन्हित करने ट्रैफिक पार्क विकसित करने तथा यातायात संचालन को सुव्यवस्थित करने पर संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया।

27 मील पर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

दमोह। एसडीएम तेंदूखेड़ा छोटेगिरी गोस्वामी ने बताया 27 मील शासकीय भूमि पर कुछ लोगों द्वारा दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था, मौके पर कार्य बंद कर प्रकरण दर्ज किये गए। एसडीएम तेंदूखेड़ा श्री गोस्वामी ने बताया बीते दिनों कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने ग्राम पाठादो में रात्रि विश्राम किया था ग्रामीणों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि एक जगह में सुलेमानी पत्थर जो गुड़िया के रूप में होते हैं की खुदाई मंडल के 20-25 लोग कर रहे हैं, जबलपुर का एक व्यक्ति 200 से 300 रुपए में एक नग को खरीदता है।

Additional Judge to Civil Judge Class-I
Presiding Officer: सुश्री निधि जैन
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(EXA /0000011/2024)
कृष्ण प्रताप लोधी..... वादी
V/S
चंदन सिंह व अन्य --- प्रतिवादी
Process Id-/2026
पेशी दिनांक 13/06/2026
प्रेषिती-
(1) सपना ठाकुर पति राजकुमार पिता स्व0 बेनी सिंह पता- धनवंतरी नगर, जबलपुर तहसील व जिला जबलपुर म. प्र.
यह कि प्रार्थी कृष्ण प्रताप लोधी ने आपके विरुद्ध निष्पादन वाद ए के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें
यह आज तारीख 19 मई 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
कृपया ध्यान दें- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
सील
न्यायाधीश, सुश्री निधि जैन (जूनि.)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
पाटन, जिला-जबलपुर (म.प्र.)

मिट्टी पर खड़ी पुलिया, पहली बारिश में बहने का डर

तिदनी पंचायत में निर्माण कार्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप, ग्रामीण बोले गिट्टी-सीमेंट की जगह लिया नाले का मटेरियल

पटेरा। जनपद पंचायत पटेरा की तिदनी ग्राम पंचायत में पंचायत द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि 15वें वित्त आयोग की राशि से बनाई जा रही पुलियों में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियमों को ताक पर रखकर सिर्फ कागजी खानापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों के

मुताबिक पुलिया निर्माण में जहां मजबूत बेस डाला जाना चाहिए थाए वहां सीधे मिट्टी भरकर काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं, पुलियों के ऊपरी हिस्से में भी गिट्टी और सीमेंट की मात्रा बेहद कम बताई जा रही है। आरोप है कि निर्माण में रेत और गुणवत्तायुक्त सामग्री की जगह नाले से निकला बजरीनुमा मटेरियल इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे निर्माण शुरू से ही कमजोर नजर आ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलियों की हालत इतनी खराब है कि अभी से वाहन गुजरने पर निर्माण धंसने लगा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बरसात शुरू होते ही पुलियां जवाब दे सकती हैं जिससे गांव का संपर्क प्रभावित होने का खतरा है। पुलियों के किनारों पर बनाई गई पट्टियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

आरोप है कि कहीं पट्टी छोटी बनाई गई तो कहीं अधूरा निर्माण छोड़ दिया गया। लंबाई और चौड़ाई में भी एकरूपता नहीं दिखाई दे रही। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण के बाद नियमानुसार तराई तक नहीं की गई जिससे सीमेंट पकड़ ही नहीं बना पा रहा। लोगों का कहना है कि पंचायत स्तर पर खुलेआम गुणवत्ताविहीन काम कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। सरपंच-सचिव अपनी मनमानी से निर्माण कर कर रहे हैं।

मामले को लेकर जब उप यंत्री रोहित नायक से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा यदि कुछ ऐसा है तो मुझे समझ नहीं आया है लेकिन आप कह रहे हैं तो जाकर देखेंगे। अगर इस तरह की गड़बड़ी मिली तो मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। पंचायत के निर्माण कार्यों पर उठे सवालों ने गांव में विकास कार्यों की पारदर्शिता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

➤ पाटन थाने का मामला, आरोपी की तलाश में पुलिस

युवक को गोली मारकर फरार हुआ बदमाश

जबलपुर। पाटन के खमदेही गांव में शनिवार की सुबह पुरानी रंजिश को लेकर एक बदमाश ने युवक को गोली मार दी। गोली युवक के पेट में लगी। मौके से फायर करने के बाद आरोपी फरार हो गया। गांव वालों ने घायल को जैसे-तैसे मेडिकल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पाटन पुलिस के मुताबिक ग्राम खमदेही में पुरानी रंजिश के चलते धर्मेंद्र रैकवार और रामनारायण पटेल के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के कारण शनिवार सुबह विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

➤ पूरी तरह अलर्ट रहें अग्निशमन दल

निगमायुक्त ने किया फायर ऑफिस का निरीक्षण

जबलपुर। नागरिकों की सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने फायर ऑफिस का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने फायर स्टेशन में उपलब्ध अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों, वाटर टैंक,और लाइफ-सेविंग उपकरणों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने ऑन-ड्यूटी अधिकारियों से उपकरणों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और यह सुनिश्चित किया कि सभी तकनीकी उपकरण और गाड़ियां हर समय पूरी तरह चालू और दुरुस्त स्थिति में रहें।

समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बौद्धिक संपदा अधिकार

“ हितकारिणी लॉ कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नवाचार, सृजनात्मकता एवं अनुसंधान के क्षेत्र में इसके महत्व को रेखांकित करना था।

हितकारिणी लॉ कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मप्र उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एचपी सिंह एवं हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में एचपी सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक एवं तकनीकी युग में बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नवाचार, अनुसंधानएवं सृजनात्मक क्षमता पर निर्भर करती है तथा इन नवाचारों को विधिक संरक्षण प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा कानूनों का गहन अध्ययन करने तथा नई तकनीकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न होने वाली कानूनी चुनौतियों को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार केवल व्यक्तिगत हितों की रक्षा नहीं करते, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षकों, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बाबू विश्वमोहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार केवल आविष्कारों एवं रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे नवाचार, अनुसंधान और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण साधन भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से अपने बौद्धिक कार्यों के संरक्षण के प्रति सजग रहने तथा ज्ञान एवं नवाचार आधारित समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शोध पत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

संगोष्ठी स्मारिका का हुआ विमोचन

महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बौद्धिक संपदा अधिकार नवाचार और आर्थिक विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने तथा अपने सृजनात्मक कार्यों के संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन भी किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अंत में महाविद्यालय के उप प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकाश सिंह, उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा प्राध्यापकगण मोनिका सिंह, राजेश सेन्, लोकेन्द्र सिंह, जौली जैन, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, स्वाती यादव, प्रशांत वर्मा, अश्विनी दोशी, कीर्ति कोरी, नवीन जैन, देवेन्द्र पांडे, सुधांशु जैन, राम बाबू की उपस्थिति रही एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक जौली जैन ने किया। संगोष्ठी के सफल आयोजन से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की गहन समझ प्राप्त हुई तथा इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं जागरूकता को नई दिशा मिली।

3 राज्यों की पुलिस को चुनौती देने वाला गांजा तस्कर हुआ गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच और बरेला पुलिस की कार्यवाही, कार में मिला 33 किलो का गांजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पिछले 3 माह से पुलिस द्वारा तलाश किए जा रहे कुख्यात गांजा तस्कर को आखिरकार शरह की क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच और बरेला थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मोस्ट वांटेड तस्कर बुलराजू राव, निवासी आंध्र प्रदेश, को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 33 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लगभग 16 लाख 65 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक लग्जरी कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, बुलराजू राव पहले भी कई बार मप्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ पुलिस को चुनौती देते हुए कह चुका था कि उसे कोई भी राज्य की पुलिस नहीं पकड़ सकती।

ओडिशा से गांजा लाकर करता था सप्लाई- जबलपुर क्राइम ब्रांच के एएसपी जितेंद्र सिंह को लगातार सूचना मिल रही थी कि ओडिशा से गांजा लाकर जबलपुर के विभिन्न क्षेत्रों में खपाया जा रहा है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी संपत उपाध्याय ने विशेष टीम गठित की। टीम ने तस्कर की गतिविधियों और उसके संभावित मार्गों पर लगातार नजर रखी। इससे पहले भी जबलपुर पुलिस ने उसकी घेराबंदी की थी, लेकिन वह हर बार बच निकलने में सफल रहा था। इसी दौरान एएसपी जितेंद्र सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि बुलराजू राव एक बार फिर ओडिशा से गांजा लेकर जबलपुर पहुंचने वाला है। मूल रूप से आंध्र प्रदेश के कलवापल्ली का रहने वाला बुलराजू हाल ही में तिलवारा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर में किराए का मकान लेकर रह रहा था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि वह बड़ी खेप की सप्लाई की तैयारी में है, जिसके बाद टीम ने उसके मूवमेंट पर नजर रखते हुए कार्रवाई की योजना बनाई। जानकारी मिली की आरोपी कार से जबलपुर आ रहा है, इसकी सूचना मिलते ही एएसपी ने क्राइम ब्रांच की टीम को जबलपुर-मंडला बॉर्डर पर तैनात कर दिया। देर रात बुलराजू सफेद रंग की कार में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर जबलपुर की ओर बढ़ रहा था। पुलिस ने उसकी कार का करीब 30 किलोमीटर तक पीछा किया और बरेला के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

छोटे-छोटे पैकेट बनाकर छिपाया था गांजा- एएसपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी बेहद शातिर था। उसने पुलिस की नजरों से बचने के लिए गांजा छोटे-छोटे पैकेटों में पैक कर कार के दरवाजों और इंजन के ऊपर छिपा रखा था। जांच के दौरान कार से आधा-आधा किलो के 10 पैकेट और एक-एक किलो के 27 पैकेट बरामद किए गए।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

बस स्टैंड सिहोरा में पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर एवं अन्य वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों से परेशान, नीट परीक्षा पेपर लीक घोटाले, अघोषित विद्युत कटौती, कृषि पंपों के हॉर्स पावर बढ़ाकर बिल वसूली आदि मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान राजेश चौबे, प्रकाश कुररिया ,आलोक पांडे, संदीप व्यवहार, संदीप शुक्ला,लाल बहादुर पाठक,केके कुररिया, रमेश पटेल, राजकुमार पटेल, डब्बू पाठक, जितेंद्र तिवारी, प्रांजल शराफ़, घनश्याम बड़गैया, रमा चौरसिया, सीमा ठाकुर, चंद्रजीत पटेल, युसूफ खान, मीत सैनी, सुभाष ठाकुर, दिवाकर दुबे ,सेलू ठाकुर, सत्येंद्र पटेल की उपस्थिति में समस्त कांग्रेस जनों के साथ मेलोडी टॉफी बांटकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

रेलवे स्टेशन पर व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन में ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल प्रभाग एवं नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य यात्रियों एवं आमजन को तंबाकू, धूम्रपान तथा अन्य व्यसनों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। प्रदर्शनी में विभिन्न चित्रों, संदेशों एवं जागरूकता सामग्री के माध्यम से नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ रविकांत कुमार, संजय जायसवाल, डीडी अहिरवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी विमला दीदी ने कहा कि किसी भी प्रकार का नशा जीवन के विनाश का कारण बनता है। नशे का सेवन करने वाला व्यक्ति शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक तथा नैतिक रूप से पतन की ओर बढ़ने लगता है।

भीषण आग की चपेट में आये कई वाहन

मिलौनीगंज इलाके में बने आवासीय बाड़े में लगी आग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मिलौनीगंज स्थित त्रिभुवन दास मालपाणी स्कूल के पीछे स्थित आवासीय बाड़ा में देर रात आधा दर्जन से अधिक दोपहिया वाहनों में आग धंधक उठी। आग की तेज लपटें और धुआं के गुबार से मौके पर भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। स्थानीय नागरिकों ने आग लगने की सूचना फायर बिग्रेड के साथ बिजली विभाग को दी। दमकल वाहन मेन रोड तक पहुंचा, लेकिन रास्ता बेहद संक्रीण होने के कारण घटना स्थल तक नहीं पहुंच सका। इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग का कोई कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंच जाता तो सभी लोग मिलकर आग का बुझा सकते थे। करंट लगने के डर से किसी ने जलते हुए वाहनों पर पानी नहीं डाला। बाड़े में रहने वाले परिवारों ने बताया कि रात करीब 2 बजे धुआं उठने पर नींद खुली तो देखा कि कुलिया में खड़े दोपहिया वाहनों में आग लगी हुई है। बचाव सहित राहत के लिए मची भगदड़ के बीच आसपास के रहने वाले लोग भी मदद के लिए आ गए, लेकिन विद्युत मीटर और तार होने के कारण पानी नहीं डाला गया है। फायर अमला पहुंचा लेकिन रास्ता लगभग 3 फीट चौड़ाई का है। बिजली कर्मचारियों के पहुंचने तक वाहन करीब-करीब 80 प्रतिशत तक जल चुके थे, बिजली के तार काटने के बाद आग पर पानी डालकर पूरी तरह से बुझाया गया है। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव और स्वास्थ्य आयुक्त ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल तथा आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस ने शनिवार को जिला अस्पताल के निर्माणाधीन नवीन भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों को गुणवत्तो के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिये हैं। अपर मुख्य सचिव और आयुक्त स्वास्थ्य ने जिला अस्पताल में मरीजों को उपलब्धा कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह भी इस अवसर पर उनके साथ थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिला अस्पताल के निर्माणाधीन नवीन भवन का अवलोकन कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण एजेंसी, ठेकेदार एवं संबंधित अभियंताओं को निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पूर्णतः पालन करते हुए निर्माण कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों, तकनीकी गुणवत्ता एवं दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अपर मुख्य सचिव और स्वास्थ्य आयुक्त ने जिला अस्पताल की ओपीडी पंजीयन व्यवस्था का निरीक्षण कर कहा कि अस्पताल में उपचार हेतु आने वाले प्रत्येक मरीज की आभा आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाए, ताकि नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने अस्पभताल के ओपीडी कक्षों का भ्रमण कर उपचार सुविधाओं, रोगी अनुकूल वातावरण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

औषधि भंडार का किया निरीक्षण- अपर मुख्य सचिव और स्वास्थ्य आयुक्त ने अस्पताल की माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, पैथोलॉजी विभाग एवं जिला औषधि भंडार का भी निरीक्षण किया। औषधियों के भंडारण, रख रखाव एवं उपलब्धता संबंधी व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही दवाओं के वैज्ञानिक भंडारण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग एवं बेहतर रख रखाव की भी सराहना की। निरीक्षण के दौरान जिला अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य आयुक्त एवं कलेक्टर ने जिला अस्पताल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर विकास एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जन जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ भरत कुमार खटीक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह सिविल सर्जन डॉ नवीन कोठारी आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी में हुई वृद्धि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ट्रांसमिशन प्लानिंग क्राइटेरिया का पालन करते हुए 220 केवी सब स्टेशन शुजालपुर मे एक नया 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने सीईए की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित करते हुए इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने में सफलता प्राप्त की है। एमपी ट्रांसको के पास वर्तमान में कुल 84,933 एमवीए ट्रांसफार्मेशन क्षमता उपलब्ध है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**